नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 29

सोमवार, 31 अगस्त से 06 सितम्बर 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

रिटायरमेंट के बाद भी जारी है समीर चंद्र प्रधान की मोबाइल... 03

बीजेपी की चौखट पर संतोष की दरकार : शहरों में सरकार से खफा वोटर... 08

अहमदाबाद में पैरा आर्चरी महाकुंभ... 10

मिट्टी के हांडी में खाना बनता है ज्यादा टेस्टी और हेल्दी 11

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

शक्तिमान के लिए रणवीर की इमेज सही नहीं 12

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश

कई इलाकों में सड़कों पर भरा पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई जगहों पर जलभराव हो गया, ट्रैफिक पर असर पड़ा और पूरी राजधानी में आम जनजीवन प्रभावित हुआ। कनॉट प्लेस में आउटर सर्कल के पास पानी जमा हो गया, जिसके बाद अधिकारियों को अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पंप लगाने पड़े। दुकानदारों में भी चिंता बढ़ गई क्योंकि बारिश का पानी आस-पास की कई दुकानों में घुसने लगा था।

ग्रेटर नोएडा और नोएडा के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई, जबकि दिल्ली के कई इलाकों में भी अच्छी-खासी बारिश दर्ज की गई।

मंडी हाउस के पास गोल चक्कर पर जलभराव की खबर मिली, जिससे आने-जाने वालों को परेशानी हुई और ट्रैफिक की रफ्तार धीमी पड़ गई। तुगलकाबाद गांव की मुख्य सड़क पर भी ऐसे ही हालात दिखे, जहां जमा बारिश के पानी की वजह से गाड़ियों की आवाजाही में रुकावट आई। राजधानी के कई अन्य हिस्सों में भी दिन भर जोरदार बारिश होती रही। शुक्रवार को दिल्ली में हुई भारी बारिश के एक दिन बाद फिर से बारिश हुई। इस बारिश ने शहर भर में जन्माष्टमी के जश्न में खलल डाला और कई श्रद्धालुओं को अचानक हुई बारिश से परेशानी का सामना करना पड़ा।

ग्रीन जोन में पहुंचा एक्यूआई

मानसून की सक्रियता के बीच हुई बारिश से दिल्ली-एनसीआर की हवा में कुछ हद तक सुधार देखने को मिला है, जिसके चलते राजधानी दिल्ली के साथ-साथ नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) फिलहाल ग्रीन जोन में बना हुआ है। शनिवार को दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में बारिश का दौर जारी है। स्थानीय मौसम रिपोर्ट के अनुसार, दिनभर आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। तापमान अधिकतम 30 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं सुबह से लेकर शाम तक अलग-अलग समय पर गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। वातावरण में नमी भी काफी अधिक रहेगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में 6 सितंबर को भी आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है, लेकिन बारिश की तीव्रता कम रहने का अनुमान है। इस दिन हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

4 सितंबर की दोपहर को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे से शाम 5 बजे के बीच सफदरजंग में हवा की रफ्तार लगभग 50 किमी/घंटा और पालम में 30 से 60 किमी/घंटा के बीच रही। शुक्रवार को सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच पालम में 75.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि इसी दौरान सफदरजंग में 32.6 मिमी, लोधी रोड पर 34.6 मिमी और रिज इलाके में 20 मिमी बारिश हुई। खराब मौसम का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा। शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे से 4:30 बजे के बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 9 उड़ानों का रास्ता बदलना पड़ा, क्योंकि भारी बारिश और आंधी-तूफान के कारण उड़ानों के संचालन में बाधा आई। मौजूदा मौसम की स्थिति पर कई वायुमंडलीय प्रणालियों का असर पड़ रहा है। उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र, मॉनसून ट्रफ और मौसम की अन्य प्रणालियां दिल्ली-एनसीआर में बारिश और आंधी-तूफान में सहायक हो रही हैं। उत्तर-पूर्व राजस्थान से मणिपुर तक फैला एक ट्रफ और दक्षिण गुजरात से झारखंड तक फैला एक और ट्रफ भी इस इलाके पर असर डाल रहे हैं। वायुमंडल के बीच और ऊपरी स्तरों में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) ट्रफ के रूप में बना हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, रविवार सितंबर को बारिश की गतिविधि में काफी कमी आने की उम्मीद है। सुबह से दोपहर तक कुछ जगहों पर हल्की या बहुत हल्की बारिश हो सकती है। 7 सितंबर से दिल्ली में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है और बारिश का कोई खास अनुमान नहीं है।

छात्रों में नशे की लत और अधिक 'स्क्रीन टाइम' को लेकर सतर्क रहें शिक्षक : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षकों से छात्रों में नशे की लत को लेकर सतर्क रहने और खेलकूद, शारीरिक गतिविधियों एवं रचनात्मक कार्यों के जरिए बच्चों का ह्यस्क्रीन टाइमह्न (मोबाइल फोन और अन्य स्क्रीन पर बिताया जाने वाला समय) कम करने में मदद करने की अपील की है।

मोदी ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों से बातचीत के दौरान उनसे बच्चों के बचपन को बनाए रखने और उनकी स्वाभाविक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों को कक्षा में पढ़ाई को अधिक रोचक बनाने के लिए रचनात्मक तरीकों को एक-दूसरे के साथ साझा करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षकों को बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन से आगे बढ़कर उनके व्यवहार और रोजमर्रा के जीवन पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवारों की संख्या में कमी आने के कारण बच्चों के जीवन में शिक्षकों की भूमिका अब और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

मोदी ने नशे की समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ बड़े शहरों और विश्वविद्यालयों में यह पता लगाना मुश्किल होता है कि कोई इसकी चपेट में आ गया है या नहीं, क्योंकि यह पता ही नहीं चलता कि कौन किसे क्या दे रहा है।

उन्होंने कहा, ऐसी परिस्थितियों में शिक्षकों को जागरूकता फैलाने की पहल करनी चाहिए और यदि किसी बच्चे (के व्यवहार) में कोई बदलाव दिखाई दे तो उस पर भी बारीकी से नजर रखनी चाहिए। प्रधानमंत्री के लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर हुई इस बातचीत का वीडियो शनिवार को जारी किया गया।

मोदी ने कहा कि शिक्षकों को किताबों और पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर छात्रों के जीवन से जुड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, आपको किसी छात्र के बचपन को खत्म नहीं होने देना चाहिए। छात्रों के जीवन में बचपन को जीवंत बनाए रखने में शिक्षक सबसे बड़ा योगदान दे सकते हैं।

मोदी ने इस बारे में भी बात की कि शिक्षक छात्रों को लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहने से कैसे दूर रख सकते हैं और उन्हें खुले में खेलकूद के लिए कैसे प्रेरित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों की बुनियादी प्रवृत्ति एवं जिज्ञासा एक जैसी होती है और यदि शिक्षक इस जिज्ञासा को प्रोत्साहित कर सही दिशा दें तो वे उनके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों का बढ़ता 'स्क्रीन टाइम' बड़ी चिंता बन गया है। उन्होंने शिक्षकों से अभिभावकों से इस बारे में बात करने को कहा कि उनके बच्चे स्क्रीन पर कितना समय बिताते हैं और क्या वे देर रात तक मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते रहते हैं।

मोदी ने कहा कि बच्चों में खेलकूद, शारीरिक गतिविधियों और रचनात्मक कार्यों के प्रति रुचि पैदा करके उनका 'स्क्रीन टाइम' स्वाभाविक रूप से कम किया जा सकता है।

भारत-जापान वायुसेना का संयुक्त युद्धाभ्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना और जापान की वायुसेना के बीच द्विपक्षीय युद्धाभ्यास 'वीर गार्जियन 2026' का आगाज हो गया है। यह अभ्यास 9 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के दो सी-2 विमान जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे, इनके साथ जापानी दल इस अभ्यास के दूसरे संस्करण में शामिल होने के लिए भारत पहुंचा है। भारतीय वायुसेना ने कहा कि यह अभ्यास दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, ऑपरेशनल सहयोग और आपसी समझ को और बढ़ाएगा। इससे भारत और जापान के बीच दोस्ती के स्थाई बंधन और मजबूत होंगे। बता दें कि 'एक्सरसाइज वीर गार्जियन 2026' भारतीय वायुसेना और जापानी एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के बीच एक द्विपक्षीय हवाई युद्ध अभ्यास है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में ऐतिहासिक छलांग

केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने जीएसएलवी-एफ17 के सफल लॉन्च पर जताया गर्व

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा जीएसएलवी-एफ 17/ईओएस-05 मिशन के सफल लॉन्च पर केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने गर्व जताते हुए देशवासियों को बधाई दी है। नेताओं ने कहा कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक शानदार उपलब्धि हासिल हुई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, ईओएस-05 को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ17 का सफल लॉन्च भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और अहम कदम है। जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित भारत के पहले इमेजिंग सैटेलाइट के तौर पर, ईओएस-05 हमारी पृथ्वी-निरीक्षण क्षमताओं को मजबूत करता है और हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती आधुनिकता को दशार्ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत लगातार एक प्रगतिशील, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष इकोसिस्टम बना रहा है। इसरो और भारतीय उद्योग के बीच बढ़ती साझेदारी इनोवेशन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है, स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत कर रही है और हमारी अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए नए रास्ते खोल रही है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक्स पर लिखा, भारत का अंतरिक्ष अभियान नई ऊंचाइयों पर। जीएसएलवी-एफ17/ईओएस-05 के सफल लॉन्च पर इसरो की टीम को बधाई। यह जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है, जो विज़िबल, इन्फ्रारेड, मल्टी-स्पेक्ट्रल और हाइपर-स्पेक्ट्रल बैंड में एडवांस्ड इमेजिंग के जरिए हमारी पृथ्वी की निगरानी करने की क्षमताओं को काफी बढ़ाएगा। यह उपलब्धि अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक में विश्व-स्तरीय क्षमताएं विकसित करने की दिशा में भारत की लगातार प्रगति को दशार्ती है। साथ ही, यह उस उद्देश्य और महत्वाकांक्षा को भी दिखाती है जिसके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम लगातार आगे बढ़ रहा है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक और गर्व का पल! जीएसएलवी-एफ17 ने ईओएस-05 को सफलतापूर्वक उसकी तय कक्षा (ऑर्बिट) में स्थापित कर दिया है। यह जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है। भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को और मजबूत करने वाली इस शानदार उपलब्धि के लिए हमारे बेहतरीन इसरो वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बहुत-बहुत बधाई।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक शानदार उपलब्धि! इसरो के जीएसएलवी-एफ17 ने देश के पहले इमेजिंग सैटेलाइट, ईओएस -05 को सफलतापूर्वक जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित कर दिया है।

यह कामयाबी हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की प्रतिभा, सूझ-बूझ और लगातार बढ़ती क्षमताओं का सबूत है। इसरो और भारतीय इंडस्ट्री के बीच बढ़ता सहयोग हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ताकत और विस्तार दे रहा है, जिससे पूरे अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की क्षमताएं और मजबूत हो रही हैं।

जापान से रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं : राजनाथ

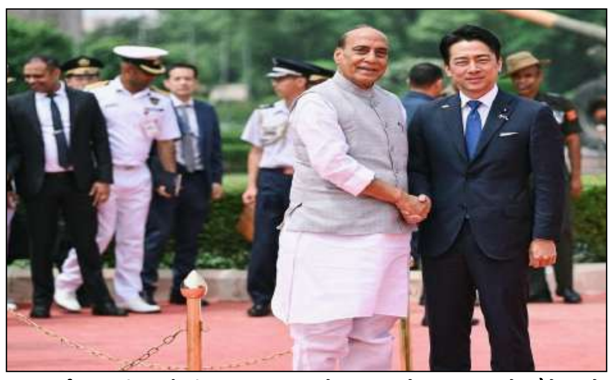

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी की शुभकामनाओं का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया है। राजनाथ सिंह ने अपने जापानी समकक्ष को मित्र कह कर संबोधित किया। साथ ही बताया कि जापानी रक्षा मंत्री का संदेश उन्हें मिला है।

दरअसल जापानी रक्षा मंत्री का यह इस संदेश भारत यात्रा पर आए बेल्जियम के रक्षा और व्यापार मंत्री थिओ फ्रैंकेन साथ लाए थे। बेल्जियम के रक्षा और व्यापार मंत्री थिओ फ्रैंकेन ने भारत में हुई उच्चस्तरीय और अत्यधिक उत्पादक बैठक के दौरान यह संदेश साझा किया। उन्होंने यह संदेश रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से साझा किया। इसके बाद राजनाथ सिंह कहा कि वह अपनी आगामी जापान यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं।

इससे पहले जापानी रक्षा मंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उल्लेख किया था कि वे जापान में बेल्जियम के मंत्री थिओ फ्रैंकेन से मिले थे। तब उन्होंने बेल्जियम के रक्षा मंत्री से राजनाथ सिंह को शुभकामनाएं पहुंचाने का आग्रह किया था। भारत दौरे के दौरान बेल्जियम के रक्षा मंत्री ने जापानी रक्षा मंत्री की यह भावनाएं राजनाथ सिंह तक पहुंचाई। रक्षा मंत्री मंत्रियों के बीच इस अनूठे जुड़ाव को रेखांकित करते हुए दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों पर संतोष व्यक्त किया।

गौरतलब है कि बेल्जियम के रक्षा मंत्री के साथ नई दिल्ली में यह बैठक 3 सितंबर को हुई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ यह एक द्विपक्षीय बैठक की। इस महत्वपूर्ण बैठक में रक्षा संबंधों की व्यापक समीक्षा की गई। दोनों नेताओं ने भारत और बेल्जियम के बीच समग्र रक्षा संबंधों तथा रक्षा औद्योगिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं की गहराई से समीक्षा की। बेल्जियम की उन्नत तकनीक को भारत के कार्य-कौशल और रक्षा उद्योगों के साथ जोड़ने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए।

82 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। सचल वैज्ञानिक प्रयोगशाला बनाने, पुनर्चक्रण की गई वस्तुओं से संवादात्मक आउटडोर साइंस और नॉलेज पार्क तैयार करना, रीडिंग कैंपेन और 'ट्री टॉक' (क्यूआर कोड-आधारित वनस्पति अध्ययन प्रणाली) जैसे नवोन्मेष के लिए 82 शिक्षकों को इस वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को तीन विभागों से चुने गए 82 शिक्षकों और शिक्षाविदों को सम्मानित किया। इनमें स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के 48 शिक्षक, उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 शिक्षक या फैकल्टी सदस्य, और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के 13 कौशल प्रशिक्षक शामिल हैं।

राजस्थान के झालावाड़ स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के दिव्येंदु सेन को आभासी जीव विज्ञान प्रयोगशाला, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जीवविज्ञान शिक्षा और 'ट्री टॉक' क्यूआर आधारित वनस्पति अध्ययन प्रणाली जैसे कम लागत वाले और बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकने वाले समाधान विकसित करने के लिए सम्मानित किया गया है। इन पहलों को राजकीय विद्यालयों के छात्रों तक उच्च-स्तरीय 'स्टेम' (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित)शिक्षा पहुंचाने की उनकी क्षमता के लिए सराहा गया है।

छत्तीसगढ़ के खिचड़ी स्थित राजकीय मध्य विद्यालय की सुनीता यादव को ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और समग्र शैक्षिक विकास की पहलों का नेतृत्व करने के लिए इस सम्मान से सम्मानित किया गया है।

पुरस्कार के साथ दिये गए प्रशस्ति पत्र में कहा गया, 'उनकी शानदार सामुदायिक पहल 'न्योता भोजन' (जो अब पूरे राज्य में फैल चुका है) और घर-घर पुस्तक वाचन अभियान की वजह से उनके स्कूल में 100 प्रतिशत मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफएलएन)का लक्ष्य हासिल किया है, जिससे स्कूल को 'सुघ्घर पढ़ैया' कौस्तुभ श्रेणी का दर्जा मिला है। 'न्योता भोजन' समुदाय द्वारा प्रायोजित भोजन की एक पहल है, जिसका श्रेय यादव के स्कूल में छात्रों के पोषण में सुधार लाने को जाता है।

महाराष्ट्र के नासिक की कुंडा जयवंत बछाव को हर विद्यार्थी तक नवोन्मेषी और समान शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

बछाव को प्रदान प्रशस्ति पत्र में कहा गया, अपनी शैक्षणिक मार्गदर्शन पहल के जरिए, उन्होंने 150 से अधिक जरूरतमंद लड़कियों को आर्थिक और शैक्षणिक मदद दी है, जिससे कम उम्र में शादी को रोका जा सका है और उनके लिए उच्च शिक्षा के रास्ते खुले हैं। सामुदायिक और कंपनी सामाजिक दायित्व (सीएसआर) की मदद से 55 लाख रुपये से अधिक सहायता राशि एकत्र करने और छात्रों को राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाने के लिए उनका मार्गदर्शन, सर्वांगीण विकास, समुदाय के भरोसे और समावेशी राष्ट्र-निर्माण के प्रति उनके असाधारण समर्पण को प्रदर्शित करती है।

चंडीगढ़ के राजकीय आदर्श माध्यमिक विद्यालय के रवि जायसवाल को उनके नए तरह के शिक्षण के तरीकों के लिए सम्मानित किया गया है।

शैक्षणिक उत्कृष्टता, कौशल विकास और उद्यमिता देश के विकास की कुंजीः मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शिक्षा को संविधान में निहित समान अवसर के आदर्श को साकार करने का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में कमी लाने में शिक्षकों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया है। श्रीमती मुर्मु ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को यहां आयोजित समारोह में देशभर के उत्कृष्ट शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कहा कि स्कूली शिक्षा पूरी शिक्षा व्यवस्था की नींव है। शुरूआती कक्षाओं में बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक और नैतिक विकास पर ध्यान देकर शिक्षक उत्कृष्ट विद्यार्थी और जिम्मेदार नागरिक तैयार कर सकते हैं।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय : 12/276, संगम विहार नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क्ष नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

छह महीने की सैलरी मांगने पर निजी गनर को बंधक बनाकर पीटने का आरोप, कॉलेज चेयरमैन पर केस

छत्र पाल

उत्तर प्रदेश: बरेली में खुसरो कॉलेज के चेयरमैन शेर अली जाफरी पर अपने निजी गनर को कथित तौर पर बंधक बनाकर मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित गनर योगेश गुप्ता का आरोप है कि करीब छह महीने की बकाया सैलरी मांगने पर उसे कॉलेज के ऑफिस में बंद कर दिया गया और डंडों व लात-घूंसों से पीटा गया। आरोप है कि इसी दौरान घास काटने वाले चाकू से भी हमला किया गया, जिससे उसकी कलाई कट गई। मामले में एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश के बाद सीबीगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिवनगर कॉलोनी निवासी योगेश गुप्ता के मुताबिक, वह करीब एक साल से शेर अली जाफरी के यहां निजी गनर के रूप में काम कर रहा था। उसकी मासिक सैलरी 28 हजार रुपये तय थी। योगेश का दावा है कि 1 मार्च से 22 अगस्त 2026 तक की करीब 1,60,533 रुपये की सैलरी बकाया थी। वह लगातार भुगतान की मांग कर रहा था, लेकिन उसे कथित तौर पर बाद में देने की बात

कहकर टाला जा रहा था। योगेश के अनुसार, 21 अगस्त को शेर अली जाफरी उसे अपने डिग्री कॉलेज बाकरगंज, जहानाबाद, पीलीभीत ले गए थे। अगले दिन वह सीबीगंज स्थित खुसरो पीजी कॉलेज पहुंचा। दोपहर करीब 12 बजे जब उसने बकाया वेतन की मांग की तो आरोप है कि चेयरमैन नाराज हो गए। गाली-गलौज के बाद उसे ऑफिस के अंदर बंद कर दिया गया।

डंडों और लात-घूंसों से मारपीट का आरोप

पीड़ित का आरोप है कि ऑफिस में बंद करने के बाद उसके साथ डंडों और लात-घूंसों से मारपीट की गई। इसी दौरान घास काटने वाला चाकू उठाकर उस पर हमला किया गया। बचाव करने के दौरान उसकी कलाई कट गई। योगेश ने पुलिस को दी शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उसे जान से मरवाने की धमकी दी गई। पीड़ित का दावा है कि उसे ऊंचे अधिकारियों से पहचान होने की बात कहकर डराया गया और दोबारा रुपये मांगने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। योगेश के मुताबिक, घटना वाले दिन वह सीबीगंज थाने पहुंचा था, लेकिन उसकी शिकायत दर्ज नहीं हुई। इसके बाद उसने एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी के आदेश के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

डी-फार्मा मामले में भी सुर्खियों में रहे हैं चेयरमैन

शेर अली जाफरी का नाम इससे पहले खुसरो कॉलेज से जुड़े कथित डी-फार्मा फर्जी डिग्री मामले में भी सामने आया था। पुलिस और एसआईटी की कार्रवाई के दौरान उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज होने और गिरफ्तारी की बात सामने आई थी। बाद में उन्हें जमानत मिली थी। उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी हुई थी। हालांकि, इन मामलों में लगे आरोपों पर अंतिम निर्णय अदालत द्वारा किया जाना बाकी है।

चेयरमैन ने आरोपों को बताया गलत

मामले में शेर अली जाफरी ने योगेश के आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि योगेश ने उनके यहां करीब दो माह कुछ दिन काम किया था और उसका भुगतान चेक के माध्यम से किया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि योगेश के खिलाफ उन्होंने कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। चेयरमैन ने मारपीट और अन्य लगाए गए आरोपों से इनकार किया है। फिलहाल सीबीगंज पुलिस मामले में दोनों पक्षों के दावों की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

CSC में जिला समन्वयक के 11 पदों पर भर्ती, 8 सितंबर तक आवेदन का मौका

डॉक्टर कुमार सेन

छत्तीसगढ़: CSC e-Governance Services India Limited ने राज्य के विभिन्न जिलों में जिला समन्वयक (District Coordinator) के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस भर्ती के तहत कुल 11 पद भरे जाएंगे। इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना रिज्यूमे ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। कंपनी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, राज्य के बलौदा बाजार, बीजापुर, बेमेतरा, दुर्ग, कोंडागांव, खैरागढ़, नारायणपुर, जांजगीर-चांपा, कांकेर, सक्ती और राजनांदगांव जिलों में जिला समन्वयक के एक-एक पद पर भर्ती की जाएगी। यानी प्रत्येक जिले के लिए एक रिक्त पद निर्धारित किया गया है।

भर्ती के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की सामान्य आयु सीमा 24 से 35 वर्ष रखी गई है। हालांकि, पात्रता और योग्यता के आधार पर नियमानुसार आयु सीमा में छूट दिए जाने का प्रावधान बताया गया है। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले भर्ती से जुड़ी योग्यता और पात्रता की शर्तों को ध्यान से जांचने की सलाह दी गई है। CSC की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि VLEs इस पद के लिए आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे। पात्र अभ्यर्थियों को आवेदन के दौरान सही जानकारी दर्ज करने के साथ आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध कराने होंगे। इसके बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना रिज्यूमे ऑनलाइन अपलोड करना होगा।

अभ्यर्थी भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी CSC के Career Section से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया, पात्रता, आवश्यक योग्यता और अन्य नियम एवं शर्तों की जानकारी के लिए आधिकारिक जानकारी का अवलोकन करना जरूरी है। इस भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 8 सितंबर 2026 है। ऐसे में इच्छुक अभ्यर्थियों को अंतिम तारीख का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। आवेदन से पहले सभी आवश्यक दस्तावेज और जानकारी तैयार रखने से प्रक्रिया को पूरा करने में आसानी होगी।

पैतृक भूमि के फर्जी दस्तावेज तैयार कर विक्रय पत्र कराने का आरोप, कलेक्टर से शिकायत

राजेश पाल

मध्य प्रदेश: जिले के प्रभात पट्टन तहसील क्षेत्र में पैतृक कृषि भूमि के फर्जी दस्तावेज एवं राजस्व रिकॉर्ड तैयार कर भूमि का विक्रय पत्र निष्पादित कराए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में आवेदक किशनी नागले पति लक्ष्मण नागले, निवासी पाथाखेड़ा-सारणी ने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आवेदन पुलिस अधीक्षक बैतूल के नाम भी दिया गया है। आवेदन में बताया गया है कि आवेदक की पैतृक कृषि भूमि ग्राम मौजा राजनी, तहसील प्रभात पट्टन, जिला बैतूल में स्थित है। आवेदन के अनुसार भूमि का मूल खसरा नंबर 150 तथा रकबा लगभग 0.809 हेक्टेयर है। आरोप है कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा फर्जी तरीके से दस्तावेज एवं राजस्व

रिकॉर्ड तैयार किए गए और लक्ष्मण के नाम का फर्जी आधार कार्ड बनाकर भूमि का फर्जी विक्रय पत्र निष्पादित कराया गया। आवेदक का आरोप है कि उक्त विक्रय पत्र के माध्यम से उनकी पैतृक भूमि पर कब्जा करने तथा खेती के कार्य में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि भूमि को लेकर पूर्व से विवाद चला आ रहा है और मामले में संबंधित लोगों द्वारा दबाव एवं धमकी दिए जाने की बात भी कही गई है।

आवेदन में अजय वर्मा, रमेश पिता शिवराम गहवाड़े, ऋषिकेश पिता लक्ष्मण गवहाडे कौशल्या, ओमप्रकाश, निलेश पिता महादेव माकोडे सहित अन्य लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। आवेदक ने शिकायत में कहा है कि फर्जी दस्तावेज तैयार कर भूमि के संबंध में की गई कार्रवाई की जांच कर वास्तविक रिकॉर्ड के आधार पर उचित कार्रवाई की जाए।

पुलिस से अपराध दर्ज करने और परिवार की सुरक्षा की मांग शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक एवं कलेक्टर से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर फर्जी आधार कार्ड, दस्तावेज एवं राजस्व रिकॉर्ड तैयार करने तथा फर्जी विक्रय पत्र निष्पादित कराने के आरोपों की जांच की जाए। साथ ही दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जाए। आवेदक ने शिकायत में यह भी कहा है कि परिवार को किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचाने के लिए सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

फिलहाल यह मामला शिकायत में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

बरेली में चोरी की वारदातों का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

छत्र पाल

उत्तर प्रदेश: बरेली के भोजीपुरा थाना पुलिस ने क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का खुलासा करने का दावा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के कब्जे से चोरी की चार बैटरियां, एक इन्वर्टर, गैस सिलेंडर, मोबाइल फोन और 4,200 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पूरन लाल, निवासी ग्राम भूड़ा, चन्द्रपाल साहू, निवासी ग्राम भूड़ा और अजय, निवासी कम्मपुर चौधरी, थाना इज्जतनगर, बरेली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों को 4 सितंबर 2026 को दोपहर 12:34 बजे भूड़ा हॉल्टिंग के पास मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया।

पुलिस का कहना है कि आरोपी दिन के समय गांवों में घूमकर बंद मकानों की रेकी करते थे। ऐसे मकानों को निशाना बनाया जाता था, जिनके मालिक घर से

बाहर गए हुए हों। इसके बाद रात में मौका देखकर बंद मकानों और अन्य स्थानों पर चोरी की वारदात को अंजाम देने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों का संबंध भोजीपुरा क्षेत्र में दर्ज कई चोरी के मामलों से सामने आया है।

इनमें 21 अगस्त को मोहम्मदपुर ठाकुरान स्थित कंपोजिट विद्यालय, 28 अगस्त को एल्डेको सिटी भोजीपुरा और 28-29 अगस्त की रात कम्मपुर ठाकुरान में हुई चोरी के मामले शामिल हैं। इसके अलावा 29 अगस्त को मुड़िया चेतराम में हुई चोरी के संबंध में भी मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कम्मपुर ठाकुरान, एल्डेको सिटी दोहना, मुड़िया चेतराम और मोहम्मदपुर ठाकुरान स्थित सरकारी स्कूल में चोरी की घटनाओं में शामिल होने की बात बताई है। वहीं, 19 जुलाई को गांव जल्ला लाडपुर स्थित सरकारी गोदाम में चोरी की घटना में भी उनकी भूमिका सामने आने का पुलिस ने दावा किया है। इन अतिरिक्त घटनाओं में आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पूरन लाल के खिलाफ कुल छह मुकदमे, चन्द्रपाल साहू के खिलाफ चोरी समेत कई मुकदमे और अजय के खिलाफ चोरी के मामलों के साथ आर्म्स एक्ट से संबंधित मुकदमा दर्ज होने की जानकारी दी गई है। पुलिस ने बरामद सामान को कब्जे में लेकर तीनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह के निर्देशन में हुई। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह कुमार, उपनिरीक्षक अजय सिंह, कांस्टेबल सचिन, कांस्टेबल सोनू कोरी और कांस्टेबल गौरव कुमार शामिल रहे।

बाढ़ प्रभावित गांवों का एसडीएम ने किया निरीक्षण, परिवारों को बांटी राहत सामग्री

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: उपजिलाधिकारी जमानिया निधि ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देश के क्रम में तहसील जमानियां क्षेत्रान्तर्गत बाढ़ प्रभावित ग्रामों का गुरुवार सायं निरीक्षण किया गया। इ दौरान ग्राम सबलपुर में बाढ़ प्रभावित लोगों की स्थिति का जायजा लिया गया तथा पूर्व विधायिका सुनीता सिंह के साथ प्रभावित परिवारों को राशन किट एवं पशुओं के लिए भूसा आदि राहत सामग्री का वितरण किया गया।

इसके उपरान्त नगर पालिका परिषद जमानियां अन्तर्गत बलुआ घाट का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बाढ़ की स्थिति एवं प्रभावित क्षेत्रों में व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रभावित लोगों एवं पशुओं की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इंडिया की हुई अहम बैठक

संगठन विस्तार के साथ सातों विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेश: गोंडा में राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इंडिया की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार, 2 सितंबर 2026 को नगर पंचायत बेलसर स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार तिवारी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव सुनील कुमार मिश्रा के प्रस्ताव पर मोहम्मद तुफैल को गोंडा जनपद का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं के.के. श्रीवास्तव को गोंडा जनपद के विधानसभा चुनाव का प्रभारी और रविंद्र पांडेय को देवीपाटन मंडल का विधानसभा चुनाव प्रभारी बनाए जाने की घोषणा की गई।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को

संगठन की जिम्मेदारियां सौंपते हुए पार्टी नेतृत्व ने आगामी चुनाव को लेकर तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार तिवारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देवीपाटन मंडल में पार्टी संगठन को और मजबूत करने की जरूरत है। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर लगातार बैठकें आयोजित की जाएंगी।उन्होंने जिला से लेकर ब्लॉक स्तर तक संगठन में रिक्त पदों पर जल्द नियुक्तियां पूरी करने के निर्देश भी दिए। पार्टी पदाधिकारियों से कार्यकताओं के साथ समन्वय बनाकर संगठन का विस्तार करने और स्थानीय स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को सक्रिय करने पर जोर दिया गया।

सातों विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतारने का फैसला

बैठक में सर्वसम्मति से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा निर्णय लिया गया। पार्टी ने घोषणा की कि गोंडा जनपद की सातों विधानसभा सीटों पर राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इंडिया अपने प्रत्याशी उतारेगी। इसके लिए संगठन स्तर पर तैयारियां शुरू करने और विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी की गतिविधियां बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रीय सचिव मनोज कुमार यादव, दीपचंद तिवारी, शिव मोहन पांडेय, राम अनुज यादव, मनोज शुक्ला, जगदंबा मिश्र, डॉ. बादशाह, प्रशांत पांडेय, रविंद्र पांडेय, शिवपूजन तिवारी, अवधेश कुमार तिवारी, जगदंबा प्रसाद तिवारी, राजदत्त तिवारी, हनुमान वर्मा सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन विस्तार, आगामी चुनावी रणनीति और कार्यकताओं की भूमिका को लेकर पार्टी पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे।

तरबगंज थाने में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ थाना परिसर

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेश: गोण्डा जिले के तरबगंज थाना परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल में मनाया गया। थाना परिसर को फूलों, रंग-बिरंगी रोशनी और गुब्बारों से सजाया गया था। जन्माष्टमी के अवसर पर मध्यरात्रि तक पूजा-पाठ, हवन, भजन-कीर्तन और संकीर्तन सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन थाना अध्यक्ष श्रीधर पाठक की देखरेख में किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की आकर्षक झांकी सजाई गई, जो लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रही। धार्मिक कार्यक्रमों में क्षेत्र के लोगों,

पुलिसकर्मियों और अन्य गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। भजन-कीर्तन और संकीर्तन के दौरान पूरा थाना परिसर कृष्ण भक्ति में डूबा नजर आया।

जन्माष्टमी के अवसर पर कानपुर से आए कलाकारों ने भी अपनी मनोरम प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का उत्साह बढ़ा दिया। देर रात तक चले धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। थाना परिसर में जन्माष्टमी के मौके पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के पत्रकारों, गणमान्य नागरिकों और स्थानीय लोगों को आमंत्रित किया गया था। थाना अध्यक्ष श्रीधर पाठक और पुलिसकर्मियों ने कार्यक्रम में पहुंचे लोगों का स्वागत किया और सभी को प्रसाद ग्रहण कराया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों और पत्रकारों के बीच भी सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। मौजूद लोगों ने थाना परिसर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम की सराहना की। लोगों का कहना था कि इस तरह के आयोजन पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर संवाद और आपसी संबंधों को मजबूत करने में सहायक होते हैं। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा-अर्चना की गई और जन्मोत्सव मनाया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। देर रात तक चले कार्यक्रम के बाद पूरा थाना परिसर कृष्ण भक्ति से सराबोर नजर आया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव ने धार्मिक आस्था के साथ-साथ पुलिसकर्मियों, पत्रकारों और क्षेत्रीय लोगों के बीच मेलजोल, भाईचारे और सौहार्द का संदेश भी दिया। जिले के वजीरगंज, नवाबगंज, उमरी बेगमगंज और तरबगंज समेत अन्य थानों में भी जन्माष्टमी का पर्व उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह, पांच शिक्षकों को किया जाएगा सम्मानित

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: शिक्षक दिवस के अवसर पर समाजवादी शिक्षक सभा, गाजीपुर के तत्वावधान में आज 5 सितंबर 2026 को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले पाँच सम्मानित शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन मनिहारी क्षेत्र में बंद पड़े उच्च प्राथमिक विद्यालय के बगल में स्थित भन्नू यादव जी के मकान पर दोपहर 12 बजे से किया जाएगा।

समाजवादी शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष कमलेश यादव भानू ने बताया कि शिक्षक समाज के निर्माण और नई पीढ़ी को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के सम्मान के माध्यम से उनके योगदान के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की जाएगी।न इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष गोपाल यादव तथा बहुत सारे कार्यकर्ता और सचिव उपस्थित रहेंगेउन्होंने समाजवादी पार्टी के सभी नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा शिक्षक साथियों से कार्यक्रम में शामिल होकर समारोह को सफल बनाने की अपील की है।

रिटायरमेंट के बाद भी जारी है समीर चंद्र प्रधान की मोबाइल मोटिवेशनल क्लास

डॉक्टर कुमार सेन

छत्तीसगढ़: महासमुंद जिले में सेजेस पटेवा के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. समीर चंद्र प्रधान रिटायरमेंट के बाद भी शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। 31 मार्च 2026 को 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने अप्रैल से अलग अंदाज में विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रेरित करने का अभियान शुरू किया है। डॉ. प्रधान ने मोबाइल मोटिवेशनल क्लास की शुरूआत की है। इसके तहत वे अपनी कार से प्रत्येक सप्ताह दो से तीन विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रेरक व्याख्यान देते हैं और संक्षिप्त वर्कशॉप भी आयोजित करते हैं। उनका उद्देश्य विशेष रूप से विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व और क्षमताओं को पहचानने के लिए प्रेरित करना है।

डॉ. प्रधान विद्यार्थियों को केवल करियर गाइडेंस देने के बजाय पहले अपने व्यक्तित्व को समझने और करियर का लक्ष्य निर्धारित करने पर जोर देते हैं। वे विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं, कमजोरियों, अवसरों और चुनौतियों की पहचान करने के लिए विभिन्न गतिविधियों और रोचक तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। हाल ही में झलप के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उन्होंने करीब 125 छात्र-छात्राओं को लगातार दो घंटे तक प्रेरक व्याख्यान दिया। विद्यालय की प्राचार्य विजय लक्ष्मी सिदार और शाला विकास समिति के अध्यक्ष निर्भय नायक ने उनके प्रयासों की सराहना की। विद्यार्थियों ने भी व्याख्यान को उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

डॉ. प्रधान के मुताबिक, अब तक वे करीब 15 विद्यालयों में मोटिवेशनल व्याख्यान दे चुके हैं। इनमें बनपचरी, बावनकेरा, खट्टा, सुखरी डबरी, रामटुम, तुमगांव, अमलोरी, खमरिया, डीएमएस महासमुंद और छुआलीपतेरा सहित कई विद्यालय शामिल हैं। वहीं कन्या पिथौरा, गोपालपुर, सुखीपाली और देवरी के विद्यालयों से भी उन्हें आमंत्रण मिल चुका है। डॉ. समीर चंद्र प्रधान का कहना है कि रिटायरमेंट शब्द शासन द्वारा बनाया गया है, मेरे द्वारा नहीं। मैं दूसरी पारी खेल रहा हूं। वे दूरस्थ और साधन-विहीन विद्यालयों को अपनी मोबाइल मोटिवेशनल क्लास के लिए प्राथमिकता देते हैं। उनकी सक्रियता और अनुभव को देखते हुए अब यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि सेवानिवृत्त लेकिन पूरी तरह स्वस्थ और सक्षम शिक्षकों की सेवाओं और अनुभव का शिक्षा व्यवस्था में किस तरह बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

बिजली कर्मचारी बनकर ठगी, 13 रुपये का पेमेंट कराने भेजा लिंक, खाते से 2 लाख उड़ाए

कुणाल तेवतिया

दिल्ली: साइबर ठगों ने लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए अब बिजली विभाग के कर्मचारी बनकर ठगी करने का नया तरीका अपनाना शुरू कर दिया है। एक व्यक्ति को ठगों ने फोन कर खुद को बिजली कर्मचारी बताया और महज 13 रुपये का पेमेंट करने के लिए एक लिंक भेजा। जैसे ही पीड़ित ने लिंक पर क्लिक किया, उसके बैंक खाते से करीब 2 लाख रुपये गायब हो गए। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित के पास एक कॉल आई, जिसमें सामने वाले ने खुद को बिजली विभाग का कर्मचारी बताया। कॉल करने वाले ने बिजली कनेक्शन से जुड़ी किसी प्रक्रिया के नाम पर महज 13 रुपये का भुगतान करने की बात कही। इसके बाद उसने भुगतान के लिए एक लिंक भेजा और जल्द पेमेंट करने को कहा।

पीड़ित ने कॉल करने वाले की बात पर भरोसा करते हुए भेजे गए लिंक पर क्लिक कर दिया। लिंक

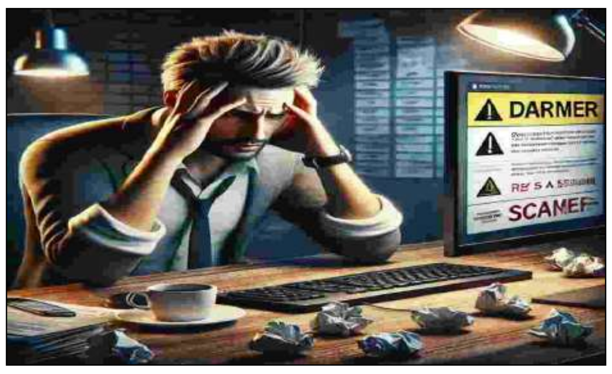

खोलने के बाद कुछ प्रक्रिया पूरी करने के दौरान साइबर ठगों ने कथित तौर पर उसके बैंक खाते से रकम निकाल ली। खाते से बड़ी रकम निकलने का पता चलते ही पीड़ित के होश उड़ गए। घटना के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर पुलिस से की। पुलिस ने लोगों को ऐसे फर्जी कॉल और लिंक से सावधान रहने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि बिजली बिल, कनेक्शन काटने या बकाया भुगतान के नाम पर आने वाले किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

साइबर विशेषज्ञों के मुताबिक, ठग अक्सर कम रकम के भुगतान का झांसा देकर लोगों को लिंक भेजते हैं। लिंक पर क्लिक करने के बाद उन्हें फर्जी वेबसाइट या ऐप पर ले जाया जाता है, जहां बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल कर ठगी की जा सकती है। लोगों को सलाह दी गई है कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक न करें और बैंकिंग जानकारी, डळढ या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें।

करमा खान पंचायत के अभिलेखों पर सवाल, जांच टीम को रिकॉर्ड न मिलने से बढ़ी चिंता

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: करमा खान पंचायत में विकास कार्यों और सरकारी धन के खर्च को लेकर उठी शिकायत के बीच अब महत्वपूर्ण अभिलेखों के जांच टीम के सामने प्रस्तुत न किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता इजहार चौधरी ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की जानकारी दी और निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता के अनुसार, मामले की जांच को काफी समय बीतने के बावजूद पंचायत से जुड़े कई महत्वपूर्ण अभिलेख जांच टीम के सामने उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इससे जांच की प्रक्रिया और जिम्मेदारियों के निर्धारण को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

रिकॉर्ड नहीं मिलने से जांच पर सवाल पचायत में कराए गए विकास कार्यों और सरकारी धन के उपयोग से जुड़े अभिलेख जांच के लिए अहम माने जाते हैं। ऐसे में यदि संबंधित रिकॉर्ड जांच टीम को उपलब्ध नहीं होते हैं तो कार्यों की वास्तविक स्थिति और खर्च का सत्यापन कैसे होगा, यह सवाल बना हुआ है। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी के समक्ष मांग रखी कि पंचायत के विकास कार्यों, भुगतान और सरकारी धन के इस्तेमाल से जुड़े सभी अभिलेखों को जांच के दायरे में लेकर निष्पक्ष तरीके से जांच कराई जाए। साथ ही यदि जांच में किसी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

अब प्रशासन की कार्रवाई पर नजर करमा खान पंचायत के मामले में शिकायत और अभिलेखों को लेकर उठे सवालों के बाद अब ग्रामीणों की निगाह प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है। सवाल यह भी है कि जिन अभिलेखों के आधार पर विकास कार्यों और सरकारी धन के खर्च की जांच होनी है, वे जांच टीम के सामने कब आएंगे। फिलहाल प्रशासनिक जांच और रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी कि पंचायत में लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है और अभिलेख उपलब्ध न होने के पीछे वास्तविक कारण क्या है।

भाखड़ा नदी में युवक के डूबने से मचा हड़कंप, तलाश में जुटी पुलिस

राजू

उत्तर प्रदेश: थाना मीरगंज क्षेत्र में शुक्रवार शाम भाखड़ा नदी में एक युवक के डूबने की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया। सीओ अजय कुमार के नेतृत्व में थाना पुलिस, क्षेत्रीय लेखपाल और ग्रामीणों ने नदी में युवक की तलाश शुरू कर दी। देर शाम तक चलाए गए तलाश अभियान के बावजूद युवक का कोई सुराग नहीं लग सका जानकारी के अनुसार, थाना मीरगंज क्षेत्र के गांव दिबना निवासी सुबोध कुमार उर्फ छुटकू सिंह पुत्र रवींद्र सिंह शुक्रवार को करीब चार बजे पहुंचा क्षेत्र स्थित भाखड़ा नदी में डूब गया। युवक के नदी में डूबने की जानकारी मिलते ही उसके परिजन और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच

गया ग्रामीणों ने बिना देर किए नदी और उसके आसपास युवक की तलाश शुरू कर दी। कई ग्रामीण नदी किनारे और पानी में उतरकर युवक को खोजते रहे, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी सूचना मिलते ही सीओ अजय कुमार थाना मीरगंज पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

क्षेत्रीय लेखपाल भी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से घटना के संबंध में जानकारी ली और इसके बाद नदी में युवक की तलाश तेज कराई गई। पुलिस और ग्रामीणों ने नदी के संभावित स्थानों पर युवक को खोजने का प्रयास किया युवक के डूबने की खबर फैलते ही आसपास के गांवों के लोग भी नदी किनारे पहुंच गए। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। युवक के परिजन लगातार उसकी सलामती की जानकारी लेने का प्रयास करते रहे और चिंतित नजर आए सीओ अजय कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति के भाखड़ा नदी में डूबने की सूचना मिली है। सूचना के बाद तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि युवक का पता लगाने के लिए नदी में लगातार खोजबीन जारी है पुलिस ने लोगों से नदी के किनारे सावधानी बरतने और तलाशी अभियान में बाधा न डालते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। समाचार लिखे जाने तक नदी में युवक की तलाश जारी थी।

राधा-कृष्ण व मुरली प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखेरी मनमोहक छटा

राजू

उत्तर प्रदेश: प्रिटी पैटल्स किड्स जोन में राधा-कृष्ण एवं मुरली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों ने मनमोहक पोशाकें पहनकर सभी का मन मोह लिया। उनकी सुंदर वेशभूषा और प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को आकर्षित किया। राधा-कृष्ण प्रतियोगिता में श्रीजी ने प्रथम, सनाया ने द्वितीय सान्वी तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं मुरली प्रतियोगिता में राज प्रथम, जिकरा द्वितीय आन्या तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सुरक्षा बल भिटौरा कैंप के डिप्टी कमांडेंट दिनेश सिंह की धर्मपत्नी उर्मिला सिंह रहीं। विशिष्ट अतिथि यूनिक मॉडल इंटर कॉलेज के प्रबंधक रमन जायसवाल, वरिष्ठ व्यापारी सचिन चौहान, डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, विधायक प्रतिनिधि संजय चौहान, सभासद अबोध सिंह, सभासद प्रदीप गुप्ता ने विजेता बच्चों को स्मृति चिन्ह एवं मेडल देकर सम्मानित किया तथा बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की। विद्यालय प्रबंधक दिनेश पांडे, प्रधानाचार्य पूजा गुप्ता ने सभी अतिथियों, बच्चों एवं अभिभावकों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के मामले में आरोपी हुआ गिरफ्तार, पीड़िता बरामद

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: संतकबीरनगर जिले में मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के तहत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान नाबालिग को भी बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए रवाना किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेखर उर्फ पन्ने, पुत्र ज्ञानदास, निवासी हरपुर बुदहट, थाना हरपुर बुदहट, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी को 4 सितंबर 2026 को विधियानी

तिराहा से गिरफ्तार किया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में की गई। थाना कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले में आगे की कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में नाबालिग की मां ने 13 जुलाई 2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी।

मामले की गंभीरता और महिला अपराध की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज की। जांच के दौरान पुलिस टीम को आरोपी के संबंध में जानकारी मिली, जिसके बाद उसे विधियानी तिराहा से पकड़ लिया गया। इसी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नाबालिग को भी बरामद कर लिया। पुलिस ने बताया कि मामले में बीएनएस की धारा 137(2), 65(1), 87 तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5छ/6 के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय के लिए रवाना कर दिया गया। आरोपी की गिरफ्तारी और नाबालिग की बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में विनोद कुमार यादव, महिला हेड कांस्टेबल संयोगिता, कांस्टेबल अरुण कुमार और कांस्टेबल विकास वर्मा शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया नियमानुसार जारी है।

ऑपरेशन विश्वास: दिल्ली पुलिस ने लौटाए 2 करोड़ से अधिक कीमत के 1,920 चोरी हुए मोबाइल, चेहरे पर लौटी मुस्कान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी स्नेचिंग सेल को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने वर्ष 2026 के शुरूआती आठ महीनों (1 जनवरी से 31 अगस्त) के दौरान 1,920 गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए हैं। बरामद किए गए इन सभी फोनों की अनुमानित कीमत 2 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। सिर्फ 2 महीने में 702 फोन बरामद तकनीकी निगरानी और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए पुलिस टीम ने सिर्फ जुलाई और अगस्त 2026 के महीनों में ही 702 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ढूंढ निकाले। इनमें से 534 फोन तुरंत उनके मालिकों

को लौटा भी दिए गए हैं, जिससे नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। तकनीक और फील्ड वेरिफिकेशन से मिली सफलता यह पूरा रिकवरी अभियान एसीपी संदीप घई की देखरेख और इंस्पेक्टर हरी सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। एंटी स्नेचिंग सेल की टीम (जिसमें एएसआई होशियार सिंह, एएसआई वीरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल संदीप, कृष्ण और कांस्टेबल बलबीर शामिल थे) ने सघन तकनीकी विश्लेषण और फील्ड वेरिफिकेशन के जरिए फोनों की लोकेशन ट्रेस की। जनता का भरोसा जीत रहा 'ऑपरेशन विश्वास' दिल्ली पुलिस का 'ऑपरेशन विश्वास' नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निवारण करने और गुम हुई संपत्ति लौटाकर पुलिस-जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने का एक खास अभियान है। पुलिस का कहना है कि बाकी बचे और अन्य चोरी हुए मोबाइलों को ट्रेस करने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

हर्ष मल्होत्रा ने निगम शिक्षकों को किया सम्मानित

निगम श्री विद्यालय सहित तीन कार्यक्रमों की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षक दिवस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने शनिवार को केदारनाथ साहनी सभागार में निगम शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने छात्र जीवन के संस्मरण साझा किए एवं शिक्षकों को अपनी कक्षा के छात्रों के भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी उठाने के लिए प्रेरित किया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि शिक्षक के कंधों पर देश के भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी होती है। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि शिक्षक समाज एवं राष्ट्र को दिशा देने का कार्य करता है।

उन्होंने कहा कि आज के बच्चे जो देश का भविष्य हैं उनके भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी भी शिक्षक की होती है। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति एवं शिक्षाविद् डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को भी याद किया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि आज का दिन केवल एक व्यक्ति के सम्मान का न होकर पूरी व्यवस्था एवं गुरु शिष्य परंपरा के सम्मान का दिन है। उन्होंने कहा कि आज का समय नई तकनीक एवं नए कौशल सीखने का समय है और सुनिश्चित करना है कि छात्र इस कार्य में किसी से भी पीछे न रहें। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि निजी विद्यालयों से हर मामले में बेहतर निगम विद्यालय के शिक्षक हैं। वाही ने कहा कि आज निगम विद्यालय पहले से काफी बेहतर स्थिति में हैं और विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाओं एवं स्मार्ट शिक्षकों को देखकर काफी अच्छा लगता है।

महापौर ने कहा कि दिल्ली में 20 से 21 लाख बच्चे 5-10 वर्ष की आयु के हैं और इनका 30 प्रतिशत छात्र निगम विद्यालयों में पढ़ रहे हैं और इन बच्चों को अच्छी सुविधा एवं अच्छी शिक्षा देना निगम का दायित्व है। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालय मेधावी शिक्षकों के माध्यम से आगे बढ़ेंगे।

प्रवेश वाही ने कहा कि अपने विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने एवं नई तकनीक का इस्तेमाल कर अभिभावकों को जोड़ने के लिए प्रतिभागिता पहल आरम्भ की जा रही है। उन्होंने बताया कि निगम के 12 क्षेत्रों में 24 निगम श्री विद्यालय तैयार किए जा रहे हैं जो आस पास के स्कूलों का भी मार्गदर्शन करेंगे।

'72 घंटे में गिरफ्तार होगा स्वतंत्र', सीजेपी की मांग दिल्ली पुलिस को मंजूर; सांसद चंद्रशेखर बोले- निशु को मिले न्याय

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरेच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शुक्रवार को दिल्ली में संसद मार्ग थाने पर धरना दिया है। सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका अपने समर्थकों के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचे और निशु के लिए न्याय की मांग की। सांसद चंद्रशेखर आजाद भी सीजेपी के समर्थन में पहुंचे हैं। दिल्ली पुलिस ने मान ली मांग सीजेपी की निशु आजाद के वकील, अक्ळउ लॉ डिपार्टमेंट के ऋषव रंजन ने बताया कि आज पुलिस के साथ मीटिंग हुई। मीटिंग में एडिशनल DCP मंजीत शर्मा की मौजूदगी में हमने मौजूदा FIR में हत्या की कोशिश, क्रिमिनल धमकी और SC/ST एक्ट की

संबंधित धाराएं जोड़ने की मांग की हैं। ऋषव रंजन के अनुसार, पुलिस हमारी मांग के लिए मान गई है। हमने मांग की है कि निशु को दी जा रही ऑनलाइन धमकियों के खिलाफ एक अलग FIR दर्ज की जाए। दिल्ली पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि वे उसे (स्वतंत्र भारद्वाज) आज या 72 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर सकते हैं। हमने उन अकाउंट्स की लिस्ट दी है, जिनके जरिए निशु को ऑनलाइन गालियां दी जा रही हैं। न्याय दिलाने की मांग सीजेपी नेताओं का कहना है कि जब स्वतंत्र भारद्वाज को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, वे धरने से नहीं उठेंगे। उनका कहना है कि वे निशु आजाद और उनके पिता संजय को न्याय दिलाकर रहेंगे। SC/ST एक्ट की धाराएं जोड़ी जाएं CJP नेता सौरव दास और आशुतोष रांका, इंडियन यूथ कांग्रेस दिल्ली के प्रेसिडेंट अक्षय लाकड़ा ने पुलिस से मिलकर अपनी मांग रखी है कि CJP नेता निशु आजाद और उनके पिता संजय के मामले में दर्ज FIR में हत्या की कोशिश, SC/ST एक्ट और POCSO की धाराएं जोड़ी जाएं। बता दें कि सीजेपी नेताओं के साथ नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद भी संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को सुरक्षा मिलनी चाहिए। चंद्रशेखर ने कहा कि आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया है। वहीं, सीजेपी के धरने को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने संसद मार्ग स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ा दी है। मौके पर भारी पुलिसफोर्स तैनात कर दिया गया है। आशुतोष रांका का कहना है कि जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान निशु के पिता संजय को पीटा गया था। हम न्याय मांगते रहे लेकिन, न्याय नहीं मिला। अपराधी खुलेआम जुर्म कबूल रहेः CJP उन्होंने कहा कि दिल्ली में अब हालात ऐसे हैं कि अपराधी खुलेआम जुर्म कबूल कर रहा है। लेकिन दिल्ली पुलिस ने बीजेपी के कहने पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा, 'हम निशु और उसके पिता के साथ खड़े हैं। हम पुलिस से हत्या का केस दर्ज करने की मांग करेंगे।' फिलहाल सीजेपी नेता के पुलिस स्टेशन पहुंचने के मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। उधर, CJP के विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्र कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता संजय कुमार पर हमले के आरोपी और स्वयंभू इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिससे राजनीतिक घमासान मचा है। भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में यह दावा किया है कि दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के एक फोन कॉल की वजह से वह जेल जाने से बच गए।

आआपा पार्षदों ने महापौर कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

चुनाव रद्द कर 35 सदस्यीय समिति बनाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आआपा) के निगम पार्षदों ने गुरुवार को अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण समिति का चुनाव कथित तौर पर निर्धारित समय से पहले कराए जाने के विरोध में सिविक सेंटर स्थित महापौर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। आप पार्षदों ने चुनाव को रद्द कर समिति का पुनर्गठन करने की मांग की।

दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि समिति का चुनाव अपराह्न तीन बजे निर्धारित था, लेकिन इसे करीब दस मिनट पहले ही करा दिया गया। उन्होंने कहा कि समिति में सदस्यों की संख्या 35 से घटाकर 21 किए जाने को लेकर आप की ओर से पहले ही निगम को पत्र देकर आपत्ति दर्ज कराई गई थी। नारंग ने कहा कि आआपा की मांग है कि चुनाव को निरस्त कर समिति में सदस्यों की संख्या पूर्ववत 35 की जाए और इसके बाद नियमानुसार चुनाव कराया जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विरोध दर्ज कराने पहुंचे पार्षदों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। आआपा की एमसीडी सह-प्रभारी प्रीति डोगरा ने कहा कि समिति में सदस्यों की संख्या कम किए जाने से दलित पार्षदों के प्रतिनिधित्व पर असर पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि आप के पास दलित पार्षदों की संख्या अधिक होने के कारण पार्टी को समिति में बहुमत मिलने की संभावना थी। उन्होंने समिति को भंग कर 35 सदस्यों के साथ दोबारा गठित करने की मांग की। निगम पार्षद सारिका चौधरी ने कहा कि एससी-एसटी कल्याण समिति में दलित पार्षद अपने क्षेत्रों से जुड़े सामाजिक एवं जनहित के मुद्दे उठाते हैं। उन्होंने समिति के गठन और चुनाव की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे दोबारा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मांग नहीं मानी गई तो पार्टी न्यायालय का रुख करेगी।

शिक्षा समिति के चुनाव में योगेश वर्मा अध्यक्ष और अमित खड़खड़ी उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम की शिक्षा समिति के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी योगेश वर्मा एडवोकेट को अध्यक्ष और अमित खड़खड़ी को उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

आम आदमी पार्टी की ओर से दोनों पदों के लिए कोई नामांकन दाखिल नहीं किया गया था। निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद शिक्षा समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष योगेश वर्मा एडवोकेट ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर दोबारा विश्वास जताया है, जिसके लिए वह नेतृत्व के आभारी हैं। योगेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के करीब 1500 प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। इसके साथ ही स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और विद्यालयों के शैक्षणिक एवं भौतिक स्तर में सुधार के लिए भी कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में कई नए और महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे, जिससे निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल स्कूलों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर सुविधाएं और समान अवसर उपलब्ध कराना है। योगेश वर्मा ने कहा कि निगम के स्कूलों में पढ़ने वाला प्रत्येक बच्चा उनकी जिम्मेदारी है और उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।

दो महिला यूट्यूबर्स का दावा- दिल्ली पुलिस ने थाने में बुरी तरह पीटा, अधिकारी बोले- झूठे हैं सारे आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के साकेत थाने में दो महिला यूट्यूबरों द्वारा पुलिसकर्मियों पर मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें 'तथ्यहीन' और 'भ्रामक' करार दिया है। यूट्यूबर्स का क्या है दावा? पीड़ित महिला यूट्यूबर्स के अनुसार, वे साकेत स्थित मैक्स अस्पताल के एक नए विंग के उद्घाटन कार्यक्रम की कवरेज करने गई थीं, जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मौजूद थीं। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया कि वे मुख्यमंत्री से सवाल पूछना चाहती थीं, तभी उन्हें हिरासत में ले लिया गया और साकेत थाने ले जाया गया। कमरे में ले जाकर पीटने का आरोप महिलाओं का आरोप है कि थाने के अंदर एक कमरे में ले जाकर पुलिसकर्मियों ने उनके साथ

मारपीट की, उनसे उनके समुदाय के बारे में पूछताछ की और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे वीडियो भी सामने आए हैं जिनमें दोनों महिलाएं अपने शरीर पर चोट के निशान दिखाती नजर आ रही हैं। उनके वकील ने भी इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। दिल्ली पुलिस का रुख और सफाई दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों को पूरी तरह नकार दिया है। पुलिस का कहना है कि दोनों महिलाओं ने अपनी स्कूटी को वीवीआईपी सुरक्षा रूट के पास पार्क करके रास्ते में बाधा डाली थी। महिलाओं के पास कोई पहचान पत्र नहीं था और बार-बार सुरक्षा कारणों से गाड़ी हटाने को कहने के बावजूद वे नहीं मानीं।

रेखा गुप्ता ने निगम की विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें बेहतर दिल्ली बनाने का दिया मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश की राजधानी को विकसित दिल्ली के रूप में आगे ले जाने में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की भूमिका महत्वपूर्ण है। राजधानी के बुनियादी विकास, स्वच्छता, कूड़ा निस्तारण और पर्यावरण सुधार के साथ-साथ प्राथमिक शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में निगम को प्रभावी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप सभी निगम पदाधिकारियों का सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि दिल्ली देश के सामने विकास, स्वच्छता और बेहतर नागरिक सुविधाओं का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरे। रेखा गुप्ता ने यह विचार शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में दिल्ली

नगर निगम की विशेष एवं तदर्थ समितियों के नवनियुक्त अध्यक्षों और उपाध्यक्षों से मुलाकात में व्यक्ति की। उन्होंने निगम नेताओं को बेहतर दिल्ली बनाने का मंत्र भी प्रेषित किया। निगम की ओर से बैठक का नेतृत्व महापौर प्रवेश वाही ने किया। इस अवसर पर उप महापौर मोनिका पंत और निगम के नेता सदन जयभगवान यादव सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निगम पदाधिकारियों के साथ दिल्ली के विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की तथा उनसे राजधानी को स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ और विकसित बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने दिल्ली को कूड़ा-मुक्त बनाने के लिए निगम की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजधानी की स्वच्छता और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था सीधे दिल्ली की छवि से जुड़ी है। दिल्ली को ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ना होगा, जहां कूड़े के प्रभावी निस्तारण के साथ सार्वजनिक स्थान स्वच्छ रहें और नागरिकों को बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली को कूड़ा-मुक्त बनाने के लिए नगर निगम को प्रभावी और निरंतर प्रयास करने होंगे। स्वच्छ दिल्ली केवल सफाई व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह बेहतर जीवन, स्वस्थ वातावरण और विकसित शहर की पहचान भी है। उन्होंने पर्यावरण प्रबंधन में भी निगम की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजधानी के पर्यावरण में सुधार के लिए निगम को अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करना होगा।

विजेंद्र गुप्ता ने लोधी श्मशान घाट पहुंचकर न्यायमूर्ति हरिश चंद्र मिश्रा को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को लोधी श्मशान घाट पर न्यायमूर्ति हरिश चंद्र मिश्रा के अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति हरिश चंद्र मिश्रा का निधन दिल्ली के सार्वजनिक जीवन और न्याय व्यवस्था के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका विशिष्ट न्यायिक जीवन सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से परिपूर्ण रहा। दिल्ली के लोकायुक्त के रूप में उनका योगदान सदैव गहरे सम्मान के साथ याद किया जाएगा। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर इस दुःख की घड़ी में अपनी गहरी संवेदनाएं एवं एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने न्यायमूर्ति मिश्रा की विशिष्ट न्यायिक सेवाओं तथा न्याय, सत्यनिष्ठा और सार्वजनिक जवाबदेही के सिद्धांतों को बनाए रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्मरण किया।

अभाविप प्रत्याशियों ने छात्रावासों में विद्यार्थियों से किया संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 13 संभावित प्रत्याशियों ने विभिन्न छात्रावासों में संपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी शैक्षणिक, आवासीय और अन्य छात्रहित से जुड़ी समस्याओं को सुना। विद्यार्थियों ने छात्रावासों में सुविधाओं, आधारभूत ढांचे, स्वच्छता, सुरक्षा, भोजन और अध्ययन के अनुकूल वातावरण से जुड़ी समस्याएं साझा कीं। संभावित प्रत्याशियों ने विद्यार्थियों से आगामी घोषणा-पत्र के लिए सुझाव भी लिए और उनकी मांगों को उसमें शामिल करने का आश्वासन दिया। अभाविप के संभावित प्रत्याशियों ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से संकलित किया जा रहा है। आगामी दिनों में भी विभिन्न छात्रावासों, महाविद्यालयों और विभागों में संपर्क अभियान जारी रहेगा। अभाविप दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय

में देश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। ऐसे में उनकी आवश्यकताएं और समस्याएं भी अलग-अलग हैं।

सीजेपी समर्थकों का संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थकों ने एक प्रदर्शनकारी के पिता पर कथित हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर शुक्रवार को संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सीजेपी के समर्थक प्रवक्ता सौरव दास व आशुतोष रांका के साथ पहुंचे थे।

सीजेपी ने बताया कि 72 घंटे के अंदर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में भारद्वाज ने एक प्रदर्शनकारी के पिता के साथ मारपीट करने का दावा किया था। रांका ने आरोप लगाते हुए बताया कि पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान समर्थक निशु

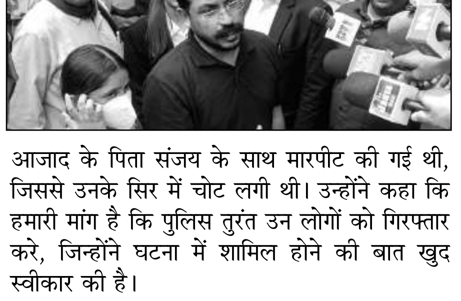

आजाद के पिता संजय के साथ मारपीट की गई थी, जिससे उनके सिर में चोट लगी थी। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि पुलिस तुरंत उन लोगों को गिरफ्तार करे, जिन्होंने घटना में शामिल होने की बात खुद स्वीकार की है।

सीसीटीवी ने खोले झपटमारी के राज, आईफोन समेत तीन मोबाइल बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमापुरी थाना पुलिस की क्रैक टीम ने मोबाइल झपटमारी करने वाले दो सक्रिय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान 24 वर्षीय अरमान और अरमान उर्फ अमन के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की है। इनकी गिरफ्तारी से सीमापुरी और सीलमपुर थाने के तीन मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक 2 सितंबर को दिलशाद गार्डन स्थित करुणा अस्पताल के पास मोबाइल झपटमारी की सूचना मिली थी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। वारदात के बाद क्रैक टीम ने घटनास्थल और आरोपियों के भागने के रास्ते में लगे कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में स्कूटी सवार दो युवक वारदात के बाद भागते दिखाई दिए। इसके बाद तकनीकी निगरानी के जरिए उनकी पहचान कर 3 सितंबर को दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

एक नजर

आशा किरण गृह में जन्माष्टमी पर दिखी प्रतिभा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित आशा किरण आवासीय आश्रय गृह, रोहिणी में जन्माष्टमी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। आश्रय गृह के महिला और पुरुष विभाग के निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई।

कार्यक्रम का उद्घाटन आशा किरण गृह के उपनिदेशक संजय अंबष्ठा ने किया। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण की झांकी निकाली गई और उनके जीवन तथा शिक्षाओं पर आधारित कई प्रस्तुतियां दी गईं। कृष्ण लीला के साथ कृष्ण-सुदामा मिलन का भावुक दृश्य भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कंस वध, रासलीला, कालिया वध और दही-हांडी प्रमुख आकर्षण रहे। भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका ऋतिक और कंस की भूमिका धीरज ने निभाई। रासलीला में अंजलि, राधा, रितिका, कृष्णा, निर्जला, कैफ, पायल धामू, आशु, अजहर, गुड़िया और शांति ने हिस्सा लिया। ऊर्जा ने कालिया नाग की भूमिका निभाई। इस अवसर पर पुरुष विभाग के अधीक्षक आरसी मौर्य, महिला विभाग की अधीक्षिका विनीता शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक मालती झा, दीप्ति और शिल्पा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में निवासियों की प्रस्तुतियों को खूब सराहा गया।

कथक के जरिए भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का मंचन

नई दिल्ली, एजेंसी। जन्माष्टमी के अवसर पर वरिष्ठ कथक नृत्यांगना डॉ. उमा शर्मा और उनके शिष्यों ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 22वां वार्षिक राम-श्याम कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कृष्ण लीजेंड पर आधारित इस प्रस्तुति में कथक, अभिनय, संगीत और नृत्य के जरिए भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं और भगवान राम के चरित्र को मंच पर जीवंत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. उमा शर्मा की बनाई लघु फिल्म श्री-राधा की स्क्रीनिंग से हुई। इसके बाद उन्होंने ठुमरी पर भावपूर्ण अभिनय प्रस्तुत किया। उनके शिष्यों ने रामायण और महारास लीला की चुनिंदा प्रस्तुतियां दीं। गोवर्धन लीला, माखन चोरी और कालिया मर्दन ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। कथक की मुद्राओं और भाव-अभिनय के जरिए कृष्ण के बाल स्वरूप और उनकी दिव्य शक्ति को दिखाया गया।महारास लीला में राधा-कृष्ण के प्रेम और भक्ति के भावों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। वहीं रामायण के पंचवटी वर्णन ने भगवान राम के मर्यादित और अनुशासित स्वरूप को सामने रखा। कार्यक्रम में डॉ. विनय भारत राम, डॉ. सुरेश के. गोयल, पं. शुभेंद्र राव और गुरु शेरॉन लोवेन समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सोने की चेन लूटने के आरोप में दो बरी

नई दिल्ली, एजेंसी। साकेत कोर्ट ने मारपीट, रास्ता रोकने, जान से मारने की धमकी देने और सोने की चेन छीनने के करीब दस साल पुराने मामले में दो आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पुलिस और अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सके। मामले में न तो कोई सार्वजनिक गवाह मिला और न ही घटना की सीसीटीवी फुटेज पेश की गई। वहीं, छीनी गई सोने की चेन और मारपीट में इस्तेमाल डंडे भी बरामद नहीं हुए। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी देवांशी जनमेजा की अदालत ने जगत सिंह उर्फ राहुल और वेद प्रकाश को बरी किया।

चुनाव कार्यालय ने राजनीतिक दलों से सत्यापन की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के तहत तैयार की गई ड्राफ्ट फोटो मतदाता सूची को लेकर चुनाव कार्यालय ने राजनीतिक दलों और आम लोगों से सत्यापन की अपील की है। चुनाव कार्यालय ने ड्राफ्ट सूची राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ साझा की है। राजनीतिक दलों से कहा गया है कि वे अपने बीएलए को बीएलओ के साथ समन्वय कर सूची की जांच कराएं और ऐसे मतदाताओं के पते उपलब्ध कराएं जो घर पर नहीं मिले या जिनका पता नहीं चल सका। आम मतदाता और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि ड्राफ्ट फोटो मतदाता सूची की जांच निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के कार्यालय, संबंधित बीएलओ और मतदान केंद्रों पर कर सकते हैं। वहीं किसी पात्र मतदाता का नाम ड्राफ्ट सूची में शामिल नहीं है, तो निर्धारित अवधि में फॉर्म-6 और आवश्यक घोषणा पत्र जमा कर नाम शामिल कराने का दावा किया जा सकता है।

यूईआर-2 पर आवारा पशुओं को हटाने के लिए बढ़ाई निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्बन एक्सटेंशन रोड (यूईआर)-2 पर आवारा पशुओं की समस्या है। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अचानक पशुओं के सामने आ जाने से दुर्घटना की आशंका को देखते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने पेट्रोलिंग टीम को लगातार गश्त करने और सड़क पर दिखाई देने वाले पशुओं को तत्काल हटाने के निर्देश दिए हैं। यूईआर-2 दिल्ली के कई प्रमुख हिस्सों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कॉरिडोर है। इस मार्ग पर काफी संख्या में आवारा पशु आ जाते है। कुछ दिन पहले पशु के अचानक आगे आने से वाहन की टक्कर हुई थी। लेकिन यह शुक्र रहा था कि वाहन सवार को कोई चोट नहीं आई थी। काफी लोग इस रोड पर आवारा पशुओं के घूमने से अनहोनी का डर जाहिर कर चुके हैं। विशेष रूप से रात के समय कम दृश्यता में अचानक सामने आने वाले पशुओं से टक्कर की आशंका बढ़ जाती है। एनएचएआई ने पेट्रोलिंग टीम को किसी भी पशु के सड़क पर पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित स्थानीय एजेंसियों के साथ समन्वय करने को कहा है। निगरानी बढ़ने से मार्ग पर दुर्घटनाओं की आशंका कम होने और वाहन चालकों की सुरक्षा बेहतर होने की उम्मीद है।

हाईकोर्ट ने करीब 5 साल जेल में रहने के बाद दो यूएपीए आरोपियों को जमानत दी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से जुड़े एक आतंक साजिश मामले में दो आरोपियों को जमानत दे दी। दोनों आरोपियों ने लगभग पांच साल जेल में बिताए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोप लगाए थे। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर दुदेजा की खंडपीठ ने सोबिया अजीज और कामरान अशरफ रेशी को जमानत दी। अदालत ने कहा कि दोनों आरोपी लगभग पांच साल से हिरासत में हैं और मुकदमे के जल्द खत्म होने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। एनआईए का आरोप था कि जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के कार्यकर्ता और उनके सहयोगी पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के निर्देश पर काम कर रहे थे। एजेंसी के अनुसार, यह नेटवर्क युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर भर्ती करने, हथियार जुटाने और जम्मू-कश्मीर व देश के अन्य हिस्सों में आतंकी हमले की योजना बना रहा था। सोबिया अजीज को अक्टूबर 2021 में गिरफ्तार किया था। एनआईए का आरोप है कि उनके पास शरियत कानून, इस्लामिक स्टेट विचारधारा और जिहादी सामग्री वाले हस्तलिखित नोट्स वाली डायरियां तथा इस्लामिक स्टेट का झंडा बरामद हुआ था। उन पर एक आतंकवादी को ले जाने का भी आरोप लगाया गया था। कामरान अशरफ रेशी को भी अक्टूबर 2021 में गिरफ्तार किया था। तब उसकी उम्र करीब 21 साल थी।

ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा का कार्य तीन साल में होगा पूरा, तीर्थ मित्र योजना से सहेजेंगे ब्रज की 200 धरोहरें: सीएम योगी

मथुरा, एजेंसी। गीता शोध संस्थान परिसर स्थित यमुना एक्सप्रेस- वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय सभागार में गुरुवार देर शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की नौवीं बोर्ड बैठक संपन्न हुई। बैठक में ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास, विरासत संरक्षण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर कई बड़े फैसले लिए गए। ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा का कार्य आगामी तीन वर्षों में तीन चरणों में पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके साथ ही मथुरा- वृंदावन रेल मार्ग पर

सुगम यातायात के लिए सड़क मार्ग बनाने की योजना पर भी सहमति बन गई है। बैठक में हार्टफुलनेस फाउंडेशन हैदराबाद द्वारा सीएसआर के तहत विकास कार्य कराने और गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए 10 गोल्फ कार्ट दान देने पर चर्चा हुई। संस्कृति विभाग की ष्स्मारक मित्रष योजना की तर्ज पर अब तीर्थ मित्र योजना संचालित की जाएगी। इसके तहत ब्रज की उच्च विरासत वाली 200 चिह्नित जीर्ण-शीर्ण धरोहर संरचनाओं और स्मारकों का व्यवस्थित संरक्षण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्राचीन पांडुलिपियों, ज्ञान और साहित्य को सहेजने के भी कड़े निर्देश दिए। साथ ही, वृंदावन में नए सिटी बस मार्ग पर केवल उन्हीं वाहनों के संचालन को मंजूरी दी, जो वहां के मार्गों के अनुकूल हों। मल्टीलेवल पार्किंग और होल्डिंग एरिया का होगा निर्माण मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मथुरा- वृंदावन में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए जगह-जगह होल्डिंग एरिया बनाए जाएं। पीपीपी या रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर मल्टीलेवल पार्किंग व्यवस्था विकसित की जाए, जिसमें डॉरमेट्री, कैफे और फूड कोर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हों। सीएम योगी ने कहा कि बड़ी परियोजनाओं को स्वीकृति दिलाने के साथ- साथ उनकी निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। पुराने कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय से पूरा करें और जनसुविधाओं का विशेष ध्यान रखें। परिक्रमा मार्ग का सुदृढ़ीकरण और जल संरक्षण पर जोर वृंदावन परिक्रमा मार्ग को श्रद्धालुओं के लिए सुगम बनाने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां ऐसे पत्थर और मिट्टी का प्रयोग किया जाए जो बारिश में न फिसलें और न ही पैरों में चुभें। मथुरा की पुरानी खारे पानी की समस्या के निदान के लिए उन्होंने जल संरक्षण को अहम बताया। सीएम ने भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक तालाबों के निर्माण और वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) पर बल दिया। जन्माष्टमी के लिए सुरक्षा और स्वच्छता के कड़े निर्देश श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने पुलिस और प्रशासन को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) पर कर्मचारियों की निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित हो। बारिश के मौसम को देखते हुए नियमित सतर्कता बनाए रखने को कहा गया है।

सीएम योगी के दौरे के दौरान बड़ी सुरक्षा चूक, काफिले के पास बिजली के तारों में हुआ तेज धमाका

मथुरा, एजेंसी। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय दौरे पर मथुरा पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काफिले के गुजरने के दौरान एक बड़ी सुरक्षा चूक का मामला सामने आया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह सहित कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद सड़क मार्ग से होटल विवांता जा रहे थे। गुरुवार शाम जब सीएम का काफिला पागल बाबा मोड़ से होते हुए चैतन्य विहार ओवरब्रिज के पास से गुजर रहा था, उसी दौरान ओवरब्रिज के साथ जा रहे बिजली के तारों में अचानक एक जोरदार धमाका हुआ और भारी धुआं उठने लगा। इस अप्रिय घटना से वहां हड़कंप मच गया। सड़क किनारे खड़े स्थानीय लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है, जो मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

घटना के समय मुख्यमंत्री पानीगांव संपर्क मार्ग पर नवनिर्मित स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का उद्घाटन करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बोर्ड बैठक में शामिल होने के बाद होटल विवांता की ओर रवाना हुए थे। इस मामले के सामने आने के बाद स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में भी खलबली मच गई है।

सीएम योगी ने कान्हा भक्ति स्तंभ मार्ग का किया लोकार्पण, नक्काशीदार स्तंभों के पास मंत्री संग ली सेल्फी

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार शाम को अपने मथुरा प्रवास के दौरान वृंदावन में नवनिर्मित और भव्य कान्हा भक्ति स्तंभ मार्ग का विधिवत लोकार्पण किया। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत 23.96 करोड़ रुपये की लागत से यह महत्वाकांक्षी परियोजना पर्यटक सुविधा केंद्र (टीएफसी) से लेकर पानीगांव तिराहा तक विकसित की गई है। लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित मार्ग का बारीकी से निरीक्षण और अवलोकन किया। इस दौरान सीएम योगी इस विकास कार्य से काफी प्रसन्न नजर आए। उन्होंने इस खूबसूरत मार्ग पर गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और उ.प्र. ब्रज तीर्थ विकास परिषद के

उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र सहित अन्य अधिकारियों के साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री ने नगर निगम मथुरा-वृंदावन के सुंदरीकरण और निर्माण प्रयासों की जमकर सराहना की। 84 कान्हा भक्ति स्तंभों की नक्काशी का किया अवलोकन निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री का मुख्य आकर्षण अयोध्या में धर्म पथ और राम पथ पर बने सूर्य स्तंभों की तर्ज पर यहां स्थापित किए गए 84 कान्हा भक्ति स्तंभ रहे। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, लीलाओं और ब्रज की समृद्ध संस्कृति को दशार्ती इन स्तंभों की बारीक नक्काशी और मनमोहक कलाकृतियों का गहराई से अवलोकन किया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर जन्मभूमि पहुंचे सीएम योगी

मथुरा, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने ब्रज प्रवास के दूसरे दिन श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार सुबह श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पूरे विधि-विधान व आस्था के साथ मुख्य गर्भगृह में विराजमान 'लाला' (बाल कृष्ण) के दर्शन और विशेष पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री के रूप में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का यह उनका 20वां दर्शन रहा। मंदिर परिसर में आगमन पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। चांदी से सजे गर्भगृह की अद्भुत छटा निहारते रहे सीएम जन्माष्टमी के इस विशेष और दिव्य पर्व पर जन्मभूमि के मुख्य गर्भगृह की दीवारों को चांदी की परत लगाकर बेहद अलौकिक रूप से सजाया गया था। मुख्यमंत्री योगी काफी देर तक चांदी से सजे गर्भगृह की इस अद्भुत छटा और लाला के मनमोहक स्वरूप को भक्तिभाव से निहारते रहे। मुख्य गर्भगृह में दर्शन-पूजन के बाद सीएम ने परिसर में ही स्थित योगमाया मंदिर, केशवदेव मंदिर

और भागवत भवन में भी जाकर दर्शन-पूजन किया और देश-प्रदेश की सुख-शांति व समृद्धि की मंगल कामना की। गोपूजन कर श्रद्धालुओं पर की पुष्प वर्षा मंदिर में पूजन-अर्चन से पहले मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर में गोमाता का विधिवत पूजन किया। इस पावन पर्व पर जन्मभूमि परिसर में मौजूद हजारों श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए सीएम योगी ने उन पर देर तक पुष्प वर्षा की और सभी देशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुरादाबाद के ग्राम सहसपुरी में एक और तेंदुए का रेस्क्यू, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में ग्राम सहसपुरी में शुक्रवार सुबह एक तेंदुआ पिंजरे के माध्यम से सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया है। जनपद में पिंजरे के माध्यम से रेस्क्यू किया जाने वाला यह बारहवां तेंदुआ है। जबकि इसी गांव में यह दूसरे तेंदुए का रेस्क्यू है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पिंजरे को अपने कब्जे में ले लिया। उसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी। बीते 33 दिन में ठाकुरद्वारा क्षेत्र में तेंदुए ने तीन महिलाओं सेमत चार लोगों को अपना निवाला बनाया है। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से वन विभाग की देखरेख में रेस्क्यू टीम लगातार सक्रिय है। साथ ही

प्रशासनिक स्तर से पूरे संवेदनशील क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामों में सतर्कता एवं जागरूकता के लिए चौपालें आयोजित की जा रही हैं। पूरे संवेदनशील क्षेत्र से अब तक 12 तेंदुओं का रेस्क्यू किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने बताया कि मुरादाबाद जनपद के कई थाना क्षेत्रों के कई गांव में बीते एक माह में तेंदुए कई लोगों को और उनके जानवरों को अपना शिकार बना चुके हैं। इसके बाद से तेंदुए की सक्रियता ने विभिन्न क्षेत्रों के कई गांव के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रखी थी। खेत में काम करने जाने वाले किसानों और चारा लेने जाने वाली महिलाओं को भी डर लग रहा था कि कब तेंदुआ उन पर हमला कर दे। हालांकि वन विभाग ने लोगों को सतर्कता बरतने के साथ प्रभावित गांवों में निगरानी बढ़ाने और पिंजरे लगाए थे। इन्हीं पिंजरों मे से एक पिंजरे में शुक्रवार सुबह लगभग 10 बजे के आसपास वन विभाग की रेस्क्यू टीम को सूचना मिली कि ठाकुरद्वारा रेंज के अन्तर्गत ग्राम सहसपुरी में एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया है।

एकजुटता और निरंतर कर्म से लक्ष्य की प्राप्ति : कुलपति

जौनपुर, एजेंसी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के श्रीनिवास रामानुजन अनुसंधान भवन छात्रावास में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दही-हांडी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने कहा कि दही-हांडी फोड़ने के लिए पूरी टीम की एकजुटता, सहयोग और समन्वय जरूरी है। इसी प्रकार जीवन में भी मिलकर प्रयास करने से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, एकजुटता और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का वर्तमान कर्म पढ़ाई, ज्ञानार्जन और

व्यक्तित्व विकास है। उन्हें फल की चिंता किए बिना पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय जीवन की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है। इसका सदुपयोग करते हुए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं, योग्य शिक्षक, प्रयोगशालाएं और अध्ययन-अनुसंधान के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रहा है। विद्यार्थियों को इन सुविधाओं का अधिकतम उपयोग कर अपने भविष्य को बेहतर बनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय का भविष्य बताते हुए कहा कि उनकी सफलता के साथ विश्वविद्यालय का नाम भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, चीफ वार्डन प्रो. अविनाश, छात्रावास वार्डन डॉ. सुशील कुमार सहित शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने दही-हांडी के साथ भक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ग्रीनपार्क के कायाकल्प से पहले छह सितंबर को सांसद एकादश-कानपुर एकादश के बीच टी-15 मुकाबला: रमेश अवस्थी

कानपुर, एजेंसी। ग्रीनपार्क के कायाकल्प से पहले छह सितंबर को सांसद एकादश और कानपुर एकादश के बीच टी-15 मुकाबला कराया जाएगा। कानपुर के खेलप्रेमियों की खेल भावना को देखते हुए यह आयोजन कराया जा रहा है। रेनोवेशन के बाद ग्रीनपार्क को करीब 55 हजार दर्शकों की क्षमता वाले आधुनिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के रूप में विकसित करने की तैयारी है। यह बातें कानपुर सांसद रमेश अवस्थी ने शुक्रवार को कहीं। छह सितंबर रविवार को शाम पांच बजे से होने वाले मुकाबले में सांसद एकादश की कप्तानी पूर्व भारतीय क्रिकेटर और सांसद युसुफ पठान करेंगे। कानपुर एकादश की कमान पूर्व आईपीएल खिलाड़ी अंकित राजपूत संभालेंगे। सांसद एकादश में आनंद भदौरिया, विश्वजीत सिन्हा, दानिश अली, अभिजीत सिंह सांगा, प्रवीण खंडेलवाल, डॉ. प्रशांत

यादवरॉव पाडोले, सदानंद एमएस तानावडे, सोमेंद्र तोमर, सुब्रत पाठक, सुरेंद्र मैथानी, विजय दुबे और निशिकांत दुबे के शामिल होने की संभावना है। कानपुर एकादश में आईएएस अधिकारी अनुभव सिंह, डॉ. बलकार सिंह, अंकुर कौशिक, अभिनव जैन, संदीप कुमार, आईपीएस शुभम पटेल, आरएसओ करमवीर सिंह के साथ खिलाड़ी दीपांकर मालवीय, पूर्व यूपी खिलाड़ी सतीश जायसवाल और रेलवे के पूर्व यूपी खिलाड़ी सुनील त्रिपाठी शामिल हैं।

यमुना में गिर रहे 32 नाले योगी सरकार ने किए बंद : श्रीकांत शर्मा

मथुरा, एजेंसी। विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक श्रीकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत और अभिनंदन करते हुए 2017 के बाद ब्रज में हुए विकास कार्यों को गिनाया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत ब्रज के अंदाज में करते हुए कहा कि योगी बाबा आयो हैं और 1051 करोड़ लायो हैं। भाजपा विधायक श्रीकांत शर्मा कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में ब्रज ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में यमुना और गंगा की तरह विकास का प्रवाह लगातार तेज गति से जारी है। वर्ष 2017 से पहले ब्रज की हालत

बहुत खराब थी। जहां घुटनों तक कीचड़ होता था, वहां अब खड़ंजा बन गया है। जहां गड्ढे होते थे, वहां इंटरलॉकिंग हो गई है और जहां सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे थे, वहां मजबूत सड़कें बन गई हैं। पहले यमुना पार जाने के लिए ब्रजवासियों के पास एक ही पुल था, लेकिन अब तीन पुल उपलब्ध हैं। मथुरा में लक्ष्मी नगर के पास पुल और वृंदावन में दो पुल बनाए गए हैं। भाजपा विधायक ने कहा कि पहले मथुरा से वृंदावन जब शाम को आते थे तो 9 बजे के बाद दूधियों से दूध की कैन और साइकिल तक छीन ली जाती थी। अब मथुरा के भूतेश्वर से रंगजी मंदिर तक चौड़ी सड़क बन गई है और रात में दूधिया रोशनी से पूरा मार्ग जगमगाता है।

उन्होंने भूतेश्वर से गोवर्धन चौराहा और गोवर्धन होते हुए डींग बॉर्डर तक सड़क निर्माण का भी जिक्र किया। कहा कि 2017 से पहले इन मार्गों पर जगह-जगह बड़े गड्ढे थे और मोटरसाइकिल-साइकिल सवार गिर जाते थे। आज बेहतर सड़कों के कारण आवागमन सुगम हुआ है। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले मथुरा-वृंदावन के 36 नाले सीधे यमुना में गिरते थे, लेकिन अब इनमें से 32 नाले बंद किए जा चुके हैं।

वाराणसी में बारिश थमी तो गंगा का जलस्तर स्थिर होने के बाद बेहद धीमी गति से घटने लगा, खतरा बरकरार

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में गंगा और उसकी सहायक नदी वरुणा का बढ़ता जलस्तर स्थिर होने के बाद बेहद धीमी गति से घटने लगा है। हालांकि नदियों के तटवर्ती क्षेत्र में खतरा टला नही है। बांधों से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के नजदीक या उपर पहुंच सकता है। वहीं, गुरूवार और शुक्रवार को शाम चार बजे तक बारिश न होने के कारण लोगों को भी थोड़ी राहत मिली। केंद्रीय जल आयोग के राजघाट गेज साइट के अनुसार, शुक्रवार सुबह छह बजे गंगा का जलस्तर स्थिर होने के साथ 70.68 मीटर दर्ज किया गया, जो सुबह आठ बजे 70.66 मीटर हो गया। सुबह आठ बजे के बाद गंगा का जलस्तर एक सेंटीमीटर प्रतिघंटा की दर से घटने लगा। इसके बाद पूर्वाह्न 10 बजे घटने की रफ्तार आधा सेंटीमीटर प्रतिघंटा हो गई। गंगा का जलस्तर 70.65 मीटर दर्ज किया गया। फिलहाल वाराणसी में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर और खतरे का निशान 71.26 मीटर है। उधर, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने भी बाढ़

राहत शिविरों का निरीक्षण कर बाढ़ प्रभावित परिवारों से बातचीत की। जिलाधिकारी ने दिप्ती कान्वेंट स्कूल हुकुलगंज, सरस्वती विद्या मंदिर हुकुलगंज, तुलसी निकेतन हुकुलगंज, प्राथमिक पाठशाला, ढेलवरिया सहित अन्य बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं को परखा। जिलाधिकारी ने शिविर में रह रहे बाढ़ प्रभावित लोगों से उनका कुशलक्षेम जानने के साथ ही उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिविर में रह रहे लोगों को सुबह का नाश्ता एवं दोनों वक्त का भोजन हर हालत में समय से मिलना सुनिश्चित हो।

एक नजर

मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला तालाब में कूदी, मौत

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जनपद नोएडा में थाना सूरजपुर क्षेत्र के तिलपता गांव में शुक्रवार सुबह मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला तालाब में कूद गई। आसपास के लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन इस घटना में उसकी मौत हो गई।

थाना सूरजपुर के प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि तिलपता गांव के पास एक तालाब है। इसका सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। तालाब में पानी भरा हुआ है। शुक्रवार सुबह मानसिक रूप से विक्षिप्त एक महिला वहां पहुंची और अचानक तालाब में कूद गई। महिला के पानी में डूबने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया और पानी से निकालकर अस्पताल में भर्ती करवाया लेकिन डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऋषिकेश बाड़मेर एक्सप्रेस (14887) के संचालन में 25 और 28 सितंबर को बदलाव

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने शुक्रवार को बताया कि जोधपुर रेल मंडल में मरम्मत कार्य के चलते 25 और 28 सितंबर को ऋषिकेश बाड़मेर एक्सप्रेस (14887) के संचालन में बदलाव किया गया है। यह ट्रेन मुरादाबाद रेल मंडल से होकर गुजरती है। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने आगे बताया कि 25 सितंबर को यह ट्रेन अपने नियमित मार्ग की बजाय परिवर्तित मार्ग से चलेगी। ट्रेन का नियमित मार्ग बीकानेर जंक्शन, मेड़ता रोड जंक्शन और जोधपुर जंक्शन है। 25 सितंबर को यह ट्रेन लालगढ़ जंक्शन फलोदी जंक्शन जोधपुर जंक्शन के रास्ते चलेगी। परिवर्तित मार्ग फलोदी जंक्शन पर इस ट्रेन को अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। वहीं 28 सितंबर को बाड़मेर ऋषिकेश एक्सप्रेस 14887 को बीकानेर जंक्शन से गोटन के बीच 60 मिनट मार्ग में रोका जाएगा। 25 सितंबर को ट्रेन का ठहराव बीकानेर, देशनोक, नोखा, नागौर, मारवाड़, मूंडवा, मेड़ता रोड जंक्शन, गोटन और पीपल रोड स्टेशन पर नहीं होगा।

सफाईकर्मी का शव पेड़ पर लटका मिला

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बेला थाना क्षेत्र स्थित बरौली गांव में शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक सफाईकर्मी का शव बबूल के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान राजेश (30) पुत्र बबलू के रूप में हुई है। वह सुबह मल्होसी स्थित ग्रामीण बैंक में सफाई करने के लिए घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटा। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बराहदेवी से कंधिया जाने वाले कच्चे मार्ग के किनारे बबूल के पेड़ पर राजेश का शव लटका दिखाई दिया। शव उसके घर से करीब दो किलोमीटर दूर था। उसके गले में रस्सी का फंदा लगा हुआ था। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की जानकारी परिजनों और पुलिस को दी। सूचना पर थाना प्रभारी अमर बहादुर सिंह और पूर्वा सुजान चौकी इंचार्ज संतोष कुमार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर घटनास्थल की जांच की और परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए चिचौली स्थित पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। राजेश की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर पुलिस जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

राज्यपाल ने जन्माष्टमी के अवसर पर श्री द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना की

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर लखनऊ के चौक स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर में भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन कर विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों एवं देशवासियों की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर मंदिर में भगवान श्री द्वारकाधीश की सेवा में लगे बच्चों एवं अन्य सेवाभावी लोगों ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से भेंट की। राज्यपाल ने उनसे आत्मीयतापूर्वक संवाद किया तथा उनकी दिनचर्या, शिक्षा एवं भगवान की सेवा से जुड़े अनुभवों के बारे में जानकारी ली।

पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर तस्कर, शराब बरामद

वाराणसी, एजेंसी। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिगरा पुलिस ने अवैध देशी शराब की बरामदगी के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 137 पाउच देशी शराब बरामद की है। प्रत्येक पाउच में 200 मिलीलीटर शराब थी, जिसकी कुल मात्रा करीब 27.4 लीटर बताई गई है। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई 4 सितंबर 2026 को विजयनगरम मार्केट स्थित फेमस फास्ट फूड कॉर्नर के पास की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अनिल कुमार सिंह (58) पुत्र स्व. राजनारायण सिंह निवासी ग्राम चारो, पोस्ट हीरामनपुर, थाना सिंधौरा, वाराणसी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बरामदगी और गिरफ्तारी मु0अ0सं0 0379/2026, धारा 60 आबकारी अधिनियम, थाना सिगरा कमिश्नरेट वाराणसी से संबंधित है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त काशी जोन, अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन और सहायक पुलिस आयुक्त चेतगंज के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई करने वाली टीम में थाना सिगरा के प्रभारी निरीक्षक शिवाकान्त मिश्र, उपनिरीक्षक नारायण यादव, कांस्टेबल राकेश कुमार और कांस्टेबल नीलेश कुमार शामिल रहे। पुलिस द्वारा अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई के लिए अभियान जारी रहने की बात कही गई है।

एयरपोर्ट पर कार्गो टर्मिनल का विस्तार, किसानों के लिए बना वेटिंग रूम

वाराणसी, एजेंसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एयर कार्गो टर्मिनल की सुविधाओं का विस्तार किया गया है। इसके तहत टर्मिनल में किसानों के लिए वेटिंग रूम सहित अन्य जरूरी सुविधाएं विकसित की गई हैं। बुधवार को भाजपा विधायक डॉ. अवधेश सिंह और मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने इसका उद्घाटन किया।

एयरपोर्ट निदेशक पुनीत गुप्ता ने बताया कि पहले एयर कार्गो टर्मिनल की क्षमता 5 टन प्रतिदिन तक थी, जिसे बढ़ाकर 10 टन प्रतिदिन कर दिया गया है। इससे किसानों और एफपीओ को अपने उत्पाद अधिक आसानी से बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

वेटिंग रूम में किसानों को अपने उत्पादों को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराई गई है। एयर कार्गो टर्मिनल में नए किसान सुविधा कक्ष भी बनाए गए हैं। इस दौरान बताया गया कि पूर्व में यहां से मुख्य रूप से केला, आम, भिंडी, मटर और मिर्च समेत कई कृषि उत्पाद विदेशों तक भेजे जाते रहे हैं। कार्गो टर्मिनल की क्षमता बढ़ने के बाद किसानों को अपने उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने और बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीद जगी है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल और शैलेंद्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

राम मंदिर ट्रस्ट से उठे नए सवाल

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सेवानिवृत्त एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा को अपना पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ बनाया है। इस ट्रस्ट में अब तक कभी सीईओ को नियुक्तनहीं किया गया था। इसलिए खबरों में बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के इतिहास में पहली बार कोई सीईओ बना है। ये और बात है कि यह इतिहास महज छह साल पुराना है, क्योंकि यह 2020 में बना है। लेकिन भारतीय वायुसेना के इतिहास में और आजाद भारत के 80 बरसों के इतिहास में शायद यह पहली बार है कि किसी रिटायर्ड वरिष्ठ वायुसेना अधिकारी को मंदिर का सीईओ बनाया गया हो। जीतेंद्र मिश्रा अभी चार महीने पहले ही 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए हैं। अमूमन भारतीय वायुसेना और अन्य सैन्य बलों के अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद कॉर्पोरेट या प्राइवेट सेक्टर (कमर्शियल नौकरियों) में जाने के लिए 1 साल का कूलिंग-ऑफ पीरियड निर्धारित है। यदि कोई ग्रुप 'ए' या समकक्ष रैंक का अधिकारी सेवानिवृत्ति के एक साल के भीतर किसी निजी कंपनी या व्यावसायिक संस्थान में नौकरी में आना चाहता है, तो उसे रक्षा मंत्रालय से पूर्व अनुमति लेनी अनिवार्य होती है।

जीतेंद्र मिश्रा के मामले में संभवतः इस नियम में ढील दी गई है, या फिर रक्षा मंत्रालय ने पहले ही उनके लिए अनुमति दे दी होगी, या ये भी हो सकता है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट न कॉर्पोरेट के दायरे में आता है न निजी संस्थान के, इसके लिए कोई और ही विशेष दर्जा बनाया गया हो, जिसकी जानकारी संघ या भाजपा ही बेहतर दे सकती है। देश में कई बड़े, प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर चारों दिशाओं में बने हुए हैं, जिनमें सालाना अरबों-खरबों का चढ़ावा आता है, इन मंदिरों के प्रबंधक कई धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करवाते हैं। लेकिन कभी न इनके हिसाब-किताब में गड़बड़ी की शिकायतें आईं, न चढ़ावा चोरी की खबरें आईं। मंदिर प्रबंधकों की नियुक्ति में छोटे या स्थानीय स्तर पर राजनीति भले होती रही हो, लेकिन केंद्र सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सीधे दखलंदाजी भी नहीं रही। अयोध्या में बना राम मंदिर इस मामले में शुरू से अलग ही रहा। भाजपा ने इसी राम मंदिर को बनवाने के वादे के साथ साल-दर-साल चुनाव लड़े। हालांकि उसका यह वादा तभी पूरा होता जब सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में फैसला आता। भाजपा को इसके लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। 2019 में अदालत ने बाबरी मस्जिद तोड़ने को गलत बताते हुए भी उसी जमीन पर फिर से मस्जिद बनाने की जगह मंदिर बनाने के लिए जगह दे दी। फिर नरेन्द्र मोदी ने इसका भूमिपूजन किया, मंदिर बनना शुरू हो गया और 22 जनवरी 2024 को इसकी प्राण प्रतिष्ठा कर दी गई, ताकि आम चुनावों में भाजपा लोगों को बता सके कि उसने वादा पूरा किया।

सरकारी अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया आचार संहिता

> सरकारी कर्मचारियों के बीच प्रचलित आचरण के नियम उस युग में लिखे गए थे जब सोशल मीडिया का अस्तित्व नहीं था। जाहिर है, इन नियमों को बनाने वालों ने इनकी कल्पना नहीं की होगी, क्योंकि वे ऐसे प्लेटफॉर्म के विकास की कल्पना नहीं कर सकते थे जो किसी एक व्यक्ति को पल भर में एक वीडियो प्रकाशित करने की अनुमति देता है, जिसे लाखों लोग देख सकते हैं और लाखों लोगों की राय का समर्थन प्राप्त कर सकते हैं। ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया का उपयोग सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। लोक सेवकों का कार्य सार्वजनिक कार्यों पर काम करना, सार्वजनिक व्यवसायियों की सेवा करना, सार्वजनिक नीतियों को लागू करना और प्रशासनिक दक्षता का प्रबंधन करना है। यदि किसी कर्मचारी का कार्य समय मनोरंजन से संबंधित सामग्री देखने, बनाने या साझा करने में व्यतीत होता है, तो इससे उत्पादकता और अंततः सार्वजनिक सेवा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने लोगों के संवाद करने, सूचना प्राप्त करने और खुद को दुनिया के सामने पेश करने के तरीके को बदल दिया है। जी हां, सरकारी अधिकारी भी इससे अछूते नहीं हैं। सोशल मीडिया, चाहे वह रील्स हों, छोटे वीडियो हों, व्यक्तिगत पोस्ट हों, कहानियां हों या विचार हों, सरकारी कर्मचारियों की दिनचर्या का अभिन्न अंग बन गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म सरकार और नागरिकों के बीच बेहतर संचार की अपार संभावनाएं प्रदान करते हैं, लेकिन सरकारी अधिकारियों द्वारा इनका अत्यधिक उपयोग या दुरुपयोग प्रशासनिक अनुशासन, निष्पक्षता, जनविश्वास और सार्वजनिक गरिमा से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े करता है।

सरकारी अधिकारियों के लिए प्रस्तावित सोशल मीडिया आचार संहिता का मसौदा सही समय पर आया है। सवाल यह नहीं है कि "क्या अधिकारियों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए?" उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए। सवाल यह है कि सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल किस तरह करना चाहिए।

सरकारी कर्मचारियों के बीच प्रचलित आचरण के नियम उस युग में लिखे गए थे जब सोशल मीडिया का अस्तित्व नहीं था। जाहिर है, इन नियमों को बनाने वालों ने इनकी कल्पना नहीं की होगी, क्योंकि वे ऐसे प्लेटफॉर्म के विकास की कल्पना नहीं कर सकते थे जो किसी एक व्यक्ति को पल भर में एक वीडियो प्रकाशित करने की अनुमति देता है, जिसे लाखों लोग देख सकते हैं और लाखों लोगों की राय का समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।

ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया का उपयोग सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। लोक सेवकों का कार्य सार्वजनिक कार्यों पर काम करना, सार्वजनिक व्यवसायियों की सेवा करना, सार्वजनिक नीतियों को लागू करना और प्रशासनिक दक्षता का प्रबंधन करना है। यदि किसी कर्मचारी का कार्य समय मनोरंजन से संबंधित सामग्री देखने, बनाने या साझा करने में व्यतीत होता है, तो इससे उत्पादकता और अंततः सार्वजनिक सेवा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सरकार को सोशल मीडिया को अपने कर्तव्यों के निर्वाह में बाधा नहीं बनने देना चाहिए।

यह मान लेना भी गलत होगा कि अधिकारियों की सोशल मीडिया पर की जाने वाली सभी गतिविधियाँ अवांछनीय हैं। सोशल मीडिया अब शासन का एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है। जिला प्रशासक, पुलिस अधिकारी, शिक्षक, स्वास्थ्य अधिकारी और अन्य सरकारी कर्मचारी जैसे सार्वजनिक अधिकारी सरकारी कार्यक्रमों, आपातकालीन सूचनाओं, जन जागरूकता पहलों और नागरिक सेवाओं के बारे में उपयोगकर्ताओं से जुड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। आपदाओं, महामारियों और अन्य आपात स्थितियों के समय प्रशासन और नागरिकों के बीच त्वरित और प्रत्यक्ष संचार में सोशल मीडिया सहायक हो सकता है।

प्रस्तावित संहिता को जिम्मेदार आधिकारिक पत्राचार और वैध उपयोग और दुरुपयोग (जहां यह सार्वजनिक क्षेत्र की गरिमा या निष्पक्षता को कम नहीं करता है) के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

व्यक्तिगत प्रचार भी एक चिंता का विषय है। सरकारी अधिकारी कभी-कभी ऐसी जानकारी प्रकाशित करते हैं जो सरकारी गतिविधियों, जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों, प्रशासनिक गतिविधियों या सरकारी कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी को दर्शाती है। नागरिकों को सरकारी कार्यों के बारे में शिक्षित करने और सरकार के प्रतिनिधि के रूप में स्वयं का प्रचार करने के बीच का अंतर स्पष्ट है। लोक प्रशासन व्यक्तिगत ब्रांड बनाने की गतिविधि नहीं है।

जब कोई अधिकारी अपनी छवि बनाने की ओर अग्रसर होता है, तो सार्वजनिक सेवा और आत्म-प्रचार के बीच का अंतर धुंधला होने लगता है। सरकारी अधिकारियों को सरकार और नागरिकों द्वारा प्रदत्त शक्ति प्राप्त होती है। इसलिए उन्हें सार्वजनिक संसाधनों, सरकारी योजनाओं या आधिकारिक पदों का उपयोग व्यक्तिगत प्रसिद्धि के लिए सोशल मीडिया पर प्रचारित नहीं करना चाहिए।

लेकिन, किसी भी सोशल मीडिया आचार संहिता का आधार संवैधानिक मूल्य होने चाहिए। सरकारी कर्मचारी जब सार्वजनिक सेवा में आते हैं तो वे नागरिक बने रहते हैं, और उनकी नागरिकता और लोकतांत्रिक अधिकारों को छीना नहीं जा सकता। उनके कुछ मूलभूत अधिकार होते हैं जिन्हें केवल उनकी सेवा के संदर्भ में ही उचित रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है। कोई भी आचार संहिता जो व्यक्तिगत विचारों की वैध अभिव्यक्ति को प्रतिबंधित करे, आलोचना को हतोत्साहित करे या अधिकारियों को असहज करे, हानिकारक होगी।

लक्ष्य सरकारी कर्मचारियों को बोलने से रोकना नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके लिए ज़िम्मेदार सीमाएँ निर्धारित करना होना चाहिए। अधिकारियों को गोपनीय जानकारी के खुलासे, राजनीतिक प्रचार, अपुष्ट जानकारी साझा करने, घृणास्पद भाषण, उत्पीड़न, हितों के टकराव, आधिकारिक तस्वीरों और लोगो के दुरुपयोग, संवेदनशील दस्तावेजों के खुलासे और सरकारी नीति के अनुचित प्रस्तुतीकरण से संबंधित सभी मुद्दों की स्पष्ट समझ होनी चाहिए।

संहिता में व्यक्तिगत और आधिकारिक बयान के बीच अंतर स्पष्ट करना भी आवश्यक है। यदि कोई नागरिक सरकारी अधिकारी के रूप में व्यक्तिगत बयान देता है, तो उसे सरकार की आधिकारिक आवाज माना जा सकता है, भले ही अधिकारी का इरादा सरकार का प्रतिनिधि बनने का न हो। इसलिए, अस्वीकरण देना, पारदर्शिता बनाए रखना और ज़िम्मेदारी से संवाद करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही, अधिकारियों को किसी ऐसे मत के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए जो अलोकप्रिय हो, लेकिन कानूनी हो।

प्रशिक्षण उतना ही महत्वपूर्ण होगा जितना कि नियमन। केवल आचरण नियमों का एक सरल समूह समस्या का समाधान नहीं कर पाएगा। सरकारी विभागों में डिजिटल नैतिकता प्रशिक्षण की आवश्यकता है, विशेषकर उन युवा सरकारी कर्मचारियों के लिए जो स्मार्टफोन और लघु वीडियो प्लेटफार्मों के युग में सार्वजनिक सेवा में प्रवेश कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण में सोशल मीडिया से जुड़े अवसरों और जोखिमों की समझ शामिल होनी चाहिए।

प्रस्तावित सोशल मीडिया संहिता सार्वजनिक प्रशासन की समग्र व्यवस्था को आधुनिक बनाने का भी एक अवसर है। प्रौद्योगिकी को ध्यान भटकाने वाली वस्तु के रूप में देखने के बजाय, इसमें पारदर्शिता, सुगमता और नागरिक सहभागिता को बढ़ाने की क्षमता है, और सरकारों को इसका लाभ उठाना चाहिए। गलत सूचनाओं से निपटने या सरकारी सेवाओं का उपयोग करने में नागरिकों की सहायता करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से कल्याणकारी पहलों के बारे में नागरिकों को शिक्षित करना और जानकारी प्रसारित करना सुशासन के अनुरूप है।

एक एकीकृत नागरिक सेवा मंच स्थापित करने के प्रस्तावित प्रयास, जहाँ लोग एक ही मंच के माध्यम से कई सरकारी सेवाओं का लाभ उठा सकें, इसी दिशा में एक कदम हैं। नागरिक सरकारी सेवाओं में भी वैसी ही सुगमता और सुविधा चाहते हैं जैसी उन्हें डिजिटल सेवाओं में मिलती है। उन्हें कई वेबसाइटों पर लॉग इन करने, ढेर सारे पासवर्ड याद रखने या बार-बार एक ही जानकारी दर्ज करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

अंतरिक्ष में बढ़ता भारत, विकास की नई उड़ान

-कांतिलाल मांडोत

भारत की विकास यात्रा अब केवल सड़कों, उद्योगों, डिजिटल तकनीक और आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रह गई है। देश की बढ़ती वैज्ञानिक क्षमता ने अंतरिक्ष को भी राष्ट्रीय विकास के एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में स्थापित कर दिया है। अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने की क्षमता आज केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि कृषि, मौसम, आपदा प्रबंधन, संचार, सुरक्षा और आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने का माध्यम बन चुकी है। हाल में जीएसएलवी-एफ17 के जरिए ईओएस-05 उपग्रह को अंतरिक्ष में पहुंचाया जाना इसी बदलते भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है।

यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ने अंतरिक्ष तकनीक को लंबे समय तक विदेशी निर्भरता के क्षेत्र के बजाय आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय क्षमता का प्रतीक बनाया है। श्रीहरिकोटा से उठता भारतीय रॉकेट केवल एक उपग्रह को कक्षा में नहीं पहुंचाता, बल्कि वह देश की वैज्ञानिक प्रतिभा, इंजीनियरिंग क्षमता और आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई देता है। अंतरिक्ष कार्यक्रम की सफलता का सीधा संबंध उस भारत से है जो अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आधुनिक विज्ञान और तकनीक का अधिकाधिक इस्तेमाल करना चाहता है।

ईओएस-05 की उपयोगिता व्यापक है। जियोसिंक्रोनस कक्षा में स्थापित होने वाला यह उपग्रह भारत और उसके आसपास के बड़े भूभाग की लगातार निगरानी में सहायक होगा। इससे मौसम संबंधी घटनाओं, चक्रवात, भारी वर्षा, बाढ़ और जंगलों की आग जैसी प्राकृतिक आपदाओं पर नजर रखने की क्षमता बढ़ेगी। किसी आपदा के समय समय पर मिली सटीक जानकारी राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती है। इस तरह अंतरिक्ष में होने वाली उपलब्धि का लाभ सीधे जमीन पर रहने वाले आम नागरिक तक पहुंचता है।

भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक परिस्थितियों वाले देश के लिए पृथ्वी की निगरानी करने वाले उपग्रहों का महत्व और भी अधिक है। खेती से लेकर शहरों के विस्तार तक और समुद्री तटों से लेकर पर्यावरणीय बदलावों तक, उपग्रहों से मिलने वाला आंकड़ा नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। फसलों की स्थिति का आकलन, बुआई के क्षेत्र की जानकारी, जल संसाधनों की निगरानी और मौसम के बदलते स्वरूप को समझने में अंतरिक्ष तकनीक उपयोगी साबित हो रही है। इसका अर्थ है कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब प्रयोगशालाओं और प्रक्षेपण केंद्रों तक सीमित नहीं, बल्कि विकास की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ चुका है।

ईओएस-05 में लगे मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर भी इसकी क्षमता को बढ़ाते हैं। अलग-अलग प्रकाश तरंगों में धरती की तस्वीरें लेने वाली यह तकनीक केवल सामान्य दृश्य उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि जमीन, वनस्पति और जल से जुड़े बदलावों की पहचान में मदद करती है। करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई से बड़े क्षेत्रों की बार-बार निगरानी करने की क्षमता का महत्व किसी एक छोटी वस्तु की अत्यधिक बारीक तस्वीर से अलग है। इसका उद्देश्य व्यापक क्षेत्र पर लगातार नजर रखना और बड़े स्तर पर बदलावों की जानकारी उपलब्ध कराना है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा हालांकि हमेशा सफलताओं से भरी नहीं रही है। कुछ प्रक्षेपणों में तकनीकी चुनौतियां सामने आई हैं और मिशन अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सके। लेकिन वैज्ञानिक अभियानों की वास्तविक ताकत यही होती है कि असफलता से सीख लेकर अगली कोशिश को अधिक मजबूत बनाया जाए। अंतरिक्ष विज्ञान में छोटी तकनीकी चूक भी बड़े अभियान को प्रभावित कर सकती है। इसलिए हर सफल प्रक्षेपण के पीछे वर्षों का परीक्षण, अनुसंधान, समीक्षा और सुधार छिपा होता है। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने असफलताओं को रुकावट नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का अनुभव बनाया है।

आज अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के सामने लक्ष्य भी पहले से कहीं बड़े हैं। मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी, चंद्रमा और मंगल से जुड़े अभियान, नए उपग्रहों का निर्माण, प्रक्षेपण क्षमता में विस्तार और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान दिला सकती है। अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों और स्टार्टअप के लिए अवसर बढ़ने से अनुसंधान और नवाचार को भी गति मिलने की उम्मीद है। यह बदलाव भारत की उस आर्थिक सोच का हिस्सा है जिसमें सरकार के साथ उद्योग और युवा वैज्ञानिक प्रतिभा भी देश की तकनीकी शक्ति को आगे बढ़ाने में भागीदार बन रही है।

भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का एक महत्वपूर्ण पक्ष रणनीतिक सुरक्षा भी है। पृथ्वी की निगरानी करने वाले उपग्रह संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर रखने, सीमा क्षेत्रों की परिस्थितियों को समझने और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित निर्णयों के लिए उपयोगी आंकड़े उपलब्ध करा सकते हैं। ऐसे समय में जब दुनिया में तकनीक और सुरक्षा का संबंध लगातार गहरा हो रहा है, अंतरिक्ष में आत्मनिर्भरता किसी भी देश की सामरिक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। भारत के लिए यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है क्योंकि देश एक ओर विकास को गति देना चाहता है और दूसरी ओर अपनी सुरक्षा जरूरतों को भी आधुनिक तकनीक से मजबूत कर रहा है।

इसके साथ ही भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया को यह संदेश भी देता है कि विकास का अर्थ केवल आर्थिक ताकत नहीं है। वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता भी विकसित राष्ट्र की पहचान हैं। जिस देश के वैज्ञानिक सीमित संसाधनों में जटिल

यू-टर्न लेना आर्थिक नजरिये से कब सही होता है?

डॉ.अजीत रानाडे

भारत में भी यू-टर्न (फैसले पलटने) के अपने उदाहरण हैं। खेती में सुधार के तीन कानून बहुत भरोसे के साथ बनाए गए थे और फिर लंबे राजनीतिक विरोध के बाद उन्हें रद्द कर दिया गया। इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम, जिसे तेजी से ई-20 की ओर बढ़ाया जा रहा था, अब गाड़ियों, कच्चे माल, पानी के इस्तेमाल और ग्राहकों की पसंद से जुड़ी चिंताओं का सामना कर रहा है; और हो सकता है कि इसमें फिर से बदलाव की जरूरत पड़े।

हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने आर्थिक नीति बनाने के मामले में एक छोटा लेकिन अहम सबक दिया। 5 अगस्त को गवर्नर संजय मल्होत्रा से पूछा गया कि क्या अनिवासी भारतीयों से विदेशी मुद्रा जमा आकर्षित करने के लिए बनाई गई खास विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमा (फॉरेन करेन्सी नॉन रेसीडेंसी (बैंक) डिपॉजिट- एफसीएनआर (बी) स्कीम) योजना को तय निर्धारित समय सीमा 30 सितंबर से पहले बंद किया जा सकता है, तो उन्होंने कहा कि ऐसा करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इसके नौ दिन बाद आरबीआई ने अचानक इसकी समाप्ति की तारीख 31 अगस्त कर दी।

इसके पीछे ठोस आर्थिक कारण हो सकते हैं। यह योजना काफी ज्यादा सफल रही थी। डॉलर का प्रवाह जबरदस्त था जबकि मुद्रा के अवमूल्यन (मूल्य में गिरावट) से सुरक्षा देने की सब्सिडी लागत बढ़ती जा रही थी। लिक्विडिटी मैनेजमेंट और भविष्य की विदेशी मुद्रा देनदारियों की समस्या भी बढ़ रही थी। सवाल यह नहीं है कि आरबीआई को अपना फैसला बदलने का अधिकार था या नहीं। सवाल यह है कि जब योजना को समय से पहले बंद करने की संभावना पर चर्चा हो रही थी तो साफ तौर पर ऐसा न करने का भरोसा क्यों दिलाया गया?

आर्थिक नीतियां अक्सर ऐसे 'यू-टर्न' अर्थात अचानक फैसला बदलने से भरी होती हैं। कुछ फैसले तेजी से हालात समझने और सीखने का सबूत होते हैं। वहीं कुछ फैसले खराब तैयारी, राजनीतिक दबाव या बस अनिश्चितता को दिखाते हैं। हम इनमें फर्क कैसे करें?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ पॉलिसी इसका सबसे सटीक उदाहरण है। अप्रैल, 2025 में 'लिबरेशन डे' पर टैरिफ की घोषणाओं के बाद से अमेरिका ने ड्यूटीज लगाई हैं, रोकी गई हैं, उनमें बदलाव किए गए हैं, बातचीत के जरिए उन्हें कम किया गया है, फिर से धमकी दी गई है और कभी-कभी दोबारा लागू भी किया गया है। अपनी सप्लाई चेन संभालने वाली कंपनियों को अब टैरिफ के लिए तैयार रहना पड़ता है और साथ ही इस अनिश्चितता की कीमत भी चुकानी पड़ती है कि छह महीने बाद टैरिफ क्या होगा। पॉलिसी में उतार-चढ़ाव खुद निवेश पर एक टैक्स बन जाता है।

भारत में भी यू-टर्न (फैसले पलटने) के अपने उदाहरण हैं। खेती में सुधार के तीन कानून बहुत भरोसे के साथ बनाए गए थे और फिर लंबे राजनीतिक विरोध के बाद उन्हें रद्द कर दिया गया। इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम, जिसे तेजी से ई-20 की ओर बढ़ाया जा रहा था, अब गाड़ियों, कच्चे माल, पानी के इस्तेमाल और ग्राहकों की पसंद से जुड़ी चिंताओं का सामना कर रहा है; और हो सकता है कि इसमें फिर से बदलाव की जरूरत पड़े।

पेंशन सुधार एक और उदाहरण है। राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) ने सरकारी पेंशन को बिना फंड वाले 'डिफाइंड-बेनिफिट' वादे से हटाकर फंड वाले 'कंट्रीब्यूशन-बेस्ड' सिस्टम की ओर बढ़ाया गया। पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के राजनीतिक दबाव के कारण यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) बनी जो योगदान को बनाए रखते हुए पक्की पेंशन का फायदा भी देती है। फिर भी मार्च, 2026 तक केंद्र सरकार के 24.14 लाख योग्य कर्मचारियों में से केवल 1.24 लाख कर्मियों ने ही यूपीएस को चुना।

ये सभी एक ही तरह के बदलाव नहीं हैं। कभी-कभी राजनीति बदल जाती है, कभी-कभी सबूत बदल जाते हैं, कभी-कभी मूल पॉलिसी पर ठीक से सोच-विचार नहीं किया गया होता है और कभी-कभी पॉलिसी का सवाल ही गलत तरीके से तैयार किया गया होता है।

इस सवाल पर विचार करना चाहिए- 'क्या औद्योगिक नीति काम करती है?' इसका कोई एक 'हां' या 'नहीं' वाला जवाब नहीं हो सकता। कौन सा उद्योग? कौन-सा तरीका? कितने समय के लिए? कैसी गवर्नेंस व्यवस्था के तहत? क्या मदद प्रदर्शन पर निर्भर है? क्या वहां प्रतिस्पर्धा है या सिफ पहले से मौजूद कंपनियों को सुरक्षा दी जा रही है? क्या भारत की 'उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना' (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम) हर मामले में अच्छी पॉलिसी है?

आम तौर पर अर्थशास्त्र नीतियों से जुड़े कई सवालों के पक्के जवाब नहीं दे सकता क्योंकि आर्थिक व्यवहार तय नियमों से नहीं चलता। एक नीति व्यवहार को बदलती है और बदला हुआ व्यवहार उस माहौल को बदल देता है जिसमें पॉलिसी काम करती है। खेती में सुधार से इंसेंटिव बदलते हैं लेकिन साथ ही राजनीतिक लामबंदी भी बदलती है। उत्पादन अनुदान से कोई उद्योग खड़ा हो सकता है लेकिन फिर वह उद्योग सब्सिडी जारी रखने की मांग करने वाला एक ग्रुप बन जाता है।

अनोखी हरियाली यात्रा

बाबा मायाराम

हरियाली अभियान उपयोगी है। चाहे भले ही अच्छी उपजाऊ वाले खेतों में हम वार्षिक व मौसमी खेती करते रहें, लेकिन कम पानी वाली व अपेक्षाकृत कम उपजाऊ ढोंगा (ऊंची-नीची) टीले वाली जमीनों में पेड़ लगाए जा सकते हैं। फिर इन पेड़ों का जमीन में नमी बनाए रखने में प्रमुख योगदान होता है। पेड़ों से गिरी पत्तियां व टहनियां नमी को बचाती हैं, साथ ही जैव खाद बनाती हैं। पेड़ों की जड़ें गहरी होती हैं, वे पोषक तत्वों को बांधे रखती हैं। भोजन में फलों के शामिल होने से स्वस्थ रहने में मदद मिलती है।

सतपुड़ा की घाटी में आदिवासी पेड़ लगाने का अनोखा हरियाली अभियान चला रहे हैं। अभियान का नारा है- हरियाली खुशहाली लाएंगे- पर्यावरण बचाएंगे, भुखमरी भगाएंगे। इसके लिए जगह-जगह हरियाली रैलियां निकाली जा रही हैं, पर्चे बांटे जा रहे हैं, सभा व गांव की बैठकों में पेड़ लगाने का संकल्प लिया जा रहा है। यह अभियान मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में चल रहा है। आज के कॉलम में इस अनोखी हरियाली यात्रा के बारे में बताऊंगा, जिससे पौधारोपण के विविध आयामों को समझा जा सके।

समाजवादी जन परिषद और श्रमिक आदिवासी संगठन के बैनर तले यह अभियान करीब दो दशक से चल रहा है। बरसों की मेहनत अब रंग लाने लगी है। आदिवासियों के द्वारा रोपे गए पौधे अब फल देने लगे हैं। इन फलों को आपस में बांटकर भी पेड़ लगाने का संदेश दिया जाता है। अब तक सैकड़ों पौधे लगाए जा चुके हैं। आदिवासियों ने अपने घर के आसपास, खाली पड़ी जमीन पर, खेतों में और जंगल में फलदार पेड़ लगाए हैं।

श्रमिक आदिवासी संगठन के राजेन्द्र गढ़वाल कहते हैं कि फलदार पेड़ हर दृष्टि से उपयोगी हैं। इससे हरियाली बढ़ेगी, कुपोषण दूर होगा, जैव विविधता बचेगी और पर्यावरण भी बचेगा। मिट्टी का कटाव रुकेगा और पानी का संचय होगा। पेड़ों पर पक्षी आएंगे, वे कीट नियंत्रण करेंगे। आदिवासियों के भोजन में पोषक तत्व होंगे, उनका स्वास्थ्य ठीक होगा और इन फलों की बिक्री से आमदनी भी बढ़ेगी।

इस साल अभियान की शुरूआत बैतूल में 23 जुलाई को हरियाली रैली निकालकर की गई और यह अभियान 8 अगस्त को शाहपुर में समाप्त हुआ। इस मौके पर आदिवासियों ने कांवड़ में पौधे सजाकर बाजार में जुलूस निकाला, ढोल-टिमकी के साथ गीत, नारों व बातचीत से पेड़ लगाने का संदेश दिया और सामूहिक रूप से पौधारोपण का संकल्प लिया। रैलियों में बड़ी तादाद में आदिवासी शामिल हुए।

पेड़ लगाने की मुहिम की तैयारी गर्मी के मौसम से ही शुरू हो जाती है। बीजों को एकत्र करना, उनकी साफ-सफाई करना, उनका रख-रखाव करना और पौधे तैयार करना और फिर उन्हें लगाना। इसके लिए गांवों में नर्सरी भी बनाई जाती है और साथ ही वनविभाग से भी पौधे देने का आग्रह किया जाता है। इस अभियान का खर्च संगठन चंदे के रूप में जुटाता है। इस साल भी संगठन ने अपील जारी कर आर्थिक सहयोग मांगा था। कुछ कार्यकर्ता इस काम की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। संगठन के कार्यकर्ता राजेन्द्र गढ़वाल बताते हैं कि यहां पहले अच्छा जंगल हुआ करता था। वह आदिवासियों के भूख और जीवन का साथी था। यहां से उन्हें कई तरह के कंद मूल, मशरूम, शहद, अचार, महुआ और हरी पत्तीदार भाजियां मिलती थीं। जंगल ही उनका पालनहार था। अगर आज भी उनके खेतों में व आसपास फलदार पेड़ होंगे तो उनका पोषण भी सुधरेगा और उन्हें बेचकर आमदनी भी होगी।

हरियाली अभियान के तहत कटहल, आम, बादाम, जाम, नींबू, मौसंबी, संतरा, रीठा, मुनगा, अनार, आंवला, बील, आचार, जामुन, काजू, छीताफल, बेर इत्यादि कई फलदार पेड़ लगाए जा रहे हैं। पीपलबर्रा गांव के सरपंच मुंशी चौहान (कोरकू) खुद इस मुहिम में जुटे हैं। घर-घर जाकर पेड़ लगवाने का काम कर रहे हैं। ग्राम बोड़ के कुंवर सिंह और समोती ने अपने खेत के पेड़ दिखाए। एक जमाना था तब खेतों में कई फलदार पेड़ हुआ करते थे, अब ट्रेक्टर व मशीनों से खेती होने के कारण पेड़ कट गए हैं। इन फलदार पेड़ों से भी लोगों को पोषण मिलता था। अब इस मुहिम से अगर लोग खेतों के आसपास या सब्जी बाड़ी में पेड़ लगाए तो पोषण सुधरेगा, ऐसी उम्मीद की जा सकती है। इस पूरे अभियान से कुछ बातें समझी जा सकती हैं। आज के जलवायु बदलाव के दौर में खेती की सोच बदलनी होगी। रासायनिक और मशीनी खेती में ठहराव आ चुका है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार

प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

रक्षा क्षेत्र में सहयोग के साथ भारत-बेल्जियम करेंगे व्यापार दोगुना

दोनों देशों के नेताओं के बीच गुरुवार को हुई वार्ता के बाद 10 विषयों पर सहमति बनी

नई दिल्ली/एजेंसी
भारत और बेल्जियम अपने व्यापार को अगले 5 सालों में दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देशों के नेताओं के बीच गुरुवार को हुई वार्ता के बाद 10 विषयों पर सहमति बनी। इसमें रक्षा क्षेत्र में सहयोग सबसे अहम रहा। यूरोपीय रक्षा सप्लाई चेन के तहत अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता हासिल करने तथा देश में रक्षा उत्पादन, तकनीकी विकास और सह-निर्माण को बढ़ावा देने तथा रक्षा नवाचार में निवेश के लिए दोनों देशों के बीच में आज करार हुआ है। विदेश मंत्रालय के अनुसार बेल्जियम सुरक्षा और रक्षा उद्योग संघ (बीडीएसआई) और भारतीय रक्षा निमार्ता सोसायटी (एसआईडीएम) के बीच और निकट भविष्य में ब्रुसेल्स में भारतीय दूतावास में एक रेजिडेंट डिफेंस अटैची नियुक्त करने पर समझौता हुआ है। देश में निवेश में तेजी के लिए एक तंत्र बनाया जाएगा। इससे भारत को बेल्जियम से बड़े स्तर पर भारत से निवेश प्राप्त होने की संभावना है। भारत और बेल्जियम अपने बिजनेस फॉर्म को संस्थागत बनाने पर सहमत हुए हैं। इससे दोनों देशों से भारतीयों को बेल्जियम और यूरोपीय व्यापार जगत के साथ मिलकर व्यापार के अवसर तलाश में मदद मिलेगी।

भारत और बेल्जियम काउंसलर डायलॉग स्थापित करेंगे, ताकि छात्रों, प्रोफेशनल और यात्रियों तथा व्यापारियों की आवाजाही आसान हो। इसके अलावा दोनों देशों के बीच नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ा समझौता हुआ है। संगठित अपराध और अंतर्राष्ट्रीय साइबर तथा अन्य अपराधों से जुड़े मामलों के लिए दोनों देशों की एजेंसियों (सीबीआई और बेल्जियम की संघीय पुलिस) सहयोग से जुड़ा हुआ समझौता हुआ है।

दोनों देशों के बीच में राजनीतिकों के प्रशिक्षण को लेकर भी समझौता हुआ

दोनों देशों के बीच में राजनीतिकों के प्रशिक्षण को लेकर भी समझौता हुआ है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर 2-4 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनके साथ बेल्जियम के रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रैंकन और अधिकारियों तथा व्यापारिक नेताओं का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। फरवरी, 2025 में पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री डी वेवर की यह पहली भारत यात्रा है। प्रधानमंत्री डी वेवर ने अपनी यात्रा की शुरूआत आज राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की।

इसके बाद प्रधानमंत्री डी वेवर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ पहले सीमित प्रारुप और बाद में प्रतिनिधिमंडल स्तर पर द्विपक्षीय बातचीत की। उनकी चर्चाओं में दोनों देशों के बीच संबंधों के सभी पहलुओं को शामिल किया गया।

लोगों के बीच संबंध और भविष्य के समझौते

पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सेमीकंडक्टर में बेल्जियम की विशेषज्ञता और भारत का बड़े पैमाने पर काम करने का सामर्थ्य एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। दोनों पक्ष बेल्जियम के आईएमईसी संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के साथ जोड़ने की दिशा में काम करेंगे। लोगों के बीच आपसी संबंधों पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और बेल्जियम स्टार्टअप्स के बीच सहयोग बढ़ाने और समुद्री क्षेत्र में क्षमता निर्माण को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा, हम यूनिवर्सिटी और रिसर्च के क्षेत्रों में भी सहयोग को मजबूत करेंगे और टैलेंट की आवाजाही को आसान बनाने के लिए जल्द ही माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर

मुक्त व्यापार समझौता और आर्थिक सहयोग

पीएम मोदी ने कहा, इस साल की शुरूआत में, हमने भारत और यूरोपीय संघ के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता किया। दुनिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकतों के बीच यह अभूतपूर्व सहयोग वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को और मजबूत करेगा। उन्होंने बताया कि भारत और बेल्जियम ने नए आर्थिक अवसरों को ठोस नतीजों में बदलने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें बेल्जियम की कंपनियों के लिए भारत में फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्मह्व स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा, हमने भारत-बेल्जियम बिजनेस फोरम को एक नियमित व्यवस्था बनाने का फैसला किया है। हम दोनों देशों के वित्तीय, फिनटेक और रेगुलेटरी संस्थानों के बीच तालमेल बढ़ाएंगे और इन उपायों के जरिए अगले पांच सालों में आपसी व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल करेंगे। रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर पीएम मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष सैन्य आदान-प्रदान और प्रशिक्षण सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

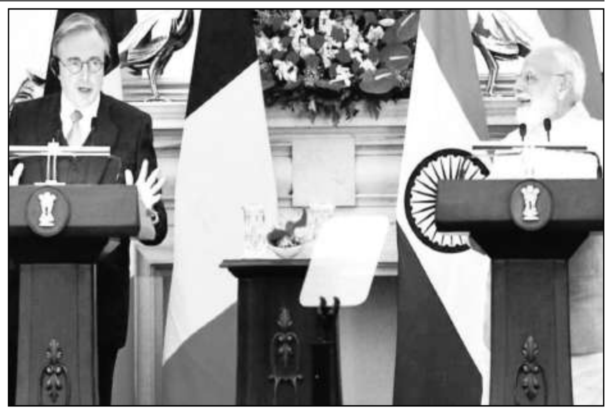

रक्षा क्षेत्र में मिलकर विकास और उत्पादन के अवसर पैदा करेंगे

सरकारों और रक्षा उद्योगों के बीच समझौते रक्षा क्षेत्र में मिलकर विकास और उत्पादन के अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने कहा, रक्षा और सुरक्षा सहयोग हमारे संबंधों का एक मुख्य स्तंभ है। आज, हम दोनों देशों के बीच सैन्य आदान-प्रदान और प्रशिक्षण सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत और बेल्जियम अपनी-अपनी एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने और अपराध के खिलाफ सहयोग को मजबूत करेंगे। स्वच्छ ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाई चेन बनाने की प्राथमिकता साझा करते हैं। उन्होंने कहा, आज रिन्यूएबल एनर्जी पर हस्ताक्षरित एमओयू स्थिरता पर हमारे सहयोग को नई गति देगा। हमने महत्वपूर्ण खनिजों की प्रोसेसिंग और रीसाइक्लिंग में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है।

ब्रिक्स सम्मेलन के चलते दिल्ली में 3 दिन की छुट्टी, 11 सितंबर को बंद रहेंगे केंद्रीय कार्यालय; आदेश जारी

नई दिल्ली/एजेंसी
राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स लीडर्स समिट को देखते हुए दिल्ली और नई दिल्ली स्थित केंद्र सरकार के सभी कार्यालय 11 सितंबर 2026 को बंद रहेंगे। इस संबंध में कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने गुरुवार को आधिकारिक ज्ञापन जारी किया है।

मंत्रालय के मुताबिक, यह फैसला ब्रिक्स सम्मेलन के व्यापक स्तर और इसके लिए की जाने वाली बड़ी लॉजिस्टिक तैयारियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। साथ ही इसका उद्देश्य सम्मेलन के दौरान आम लोगों को होने वाली असुविधा को कम करना है।

11 से 13 सितंबर तक होगा ब्रिक्स सम्मेलन

ब्रिक्स बिजनेस फोरम और 18वां ब्रिक्स लीडर्स समिट 11 से 13 सितंबर तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में करीब 30 इफ्क्कुर सदस्य और साझेदार देशों के नेता, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख और इफ्क्कुर देशों, जिसमें भारत भी शामिल है, के कारोबारी प्रतिनिधियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। सम्मेलन के मद्देनजर राजधानी में बड़े पैमाने पर सुरक्षा और यातायात संबंधी व्यवस्थाएं की जानी हैं। केंद्र सरकार के कार्यालय बंद रखने का निर्णय इसी व्यवस्था और आम जनता को संभावित परेशानी कम करने के उद्देश्य से लिया गया है।

सिर्फ 11 सितंबर को बंद रहेंगे कार्यालय

आदेश के अनुसार 11 सितंबर शुक्रवार को दिल्ली और नई दिल्ली स्थित केंद्र सरकार के कार्यालय बंद रहेंगे। इसके बाद 12 सितंबर शनिवार और 13 सितंबर रविवार है।

यानी तीन दिवसीय ब्रिक्स आयोजन के दौरान कार्यालय बंद रहने का कार्यदिवस वाला आदेश केवल शुक्रवार, 11 सितंबर के लिए लागू होगा।

मंत्रालय ने सभी संबंधित लोगों को इस फैसले की जानकारी देने का निर्देश दिया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने में भारत मदद के लिए तैयारः एस. जयशंकर

कीव/एजेंसी
यूक्रेन की राजधानी कीव में विदेश मंत्री एस. जयशंकर में कहा कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों में किसी भी तरह से योगदान देने के लिए तैयार है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, जयशंकर ने कहा कि अगर भारत किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो हम इसके लिए तैयार हैं। जयशंकर 3 से 5 सितंबर तक यूक्रेन और पोलैंड की तीन दिन की यात्रा पर हैं। रूस द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद कीव की यह उनकी पहली यात्रा है। अपनी यात्रा के दौरान, वह सिबिहा और पोलैंड के उप प्रधानमंत्री रोडोस्लाव

सिकोरस्की के साथ द्विपक्षीय बातचीत कर रहे हैं। जयशंकर का यह बयान तब आया है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में संघर्ष को खत्म करने की अपील दोहराई थी। पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध में बिताया गया हर दिन मानवता को पीछे धकेलता है। वहीं शांति की दिशा में उठाया गया हर कदम मानवता में नई उम्मीद और उत्साह भरता है। हमें अंतहीन युद्ध से युद्ध की समाप्ति की ओर बढ़ना होगा, जो मानवता की भलाई के

'रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने में भारत किसी भी तरह की मदद के तैयार

पीएम ने कहा कि सभी मुद्दों का जल्द से जल्द शांतिपूर्ण ढंग से समाधान हो, यही मानवता की पुकार है। यही भारत का संदेश है। यहीं गांधी और बुद्ध की धरती का संदेश है। जयशंकर की कीव यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब तनाव बढ़ा हुआ है और भारत में चिंताएं हैं, क्योंकि इस सप्ताह कीव में रूसी हमले के बाद एक भारतीय की मौत हो गई थी। भारत में काला सागर में व्यापारिक जहाजों पर हमलों को लेकर भी चिंता जताई है।

'एक भरोसेमंद शांति स्थापित होनी चाहिए'

जेलेंस्की ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि मैंने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। हमने अहम मुद्दों पर चर्चा की। हम रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे इस अन्यायपूर्ण युद्ध को खत्म करने की भारत की प्रतिबद्धता के लिए आभारी हैं। यह समय निश्चित रूप से युद्ध का नहीं है। शांति की जरूरत है। भारत का रुख बिल्कुल साफ है। आज, जब मंत्री हमारे साथ कीव में थे, रूस ने एक बार फिर जेट-पावर्ड 'शहेद' ड्रोन छोड़े, जिन्हें ईरान की मदद के बिना नहीं बनाया गया था। हालांकि हमारी कॉम्बैट एविएशन (लड़ाकू विमान सेवा) की वजह से प्रतिनिधिमंडल सुरक्षित रहा, क्योंकि यूक्रेनी लड़ाकू विमान ही इनमें से ज्यादातर ड्रोन को मार गिराते हैं। हमें उम्मीद है कि दुनिया की अन्य बड़ी ताकतें भी स्पष्ट रुख अपनाएंगी कि यह युद्ध खत्म होना चाहिए और एक भरोसेमंद शांति स्थापित होनी चाहिए।

...तो अमेरिका के साथ व्यापार को अंतिम रूप देंगे: गोयल

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का अंतिम प्रारूप तभी घोषित किया जाएगा, जब भारत के प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले अमेरिका तरजीही शर्तों की पेशकश करेगा, जिनसे भारतीय निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग देशों के मुकाबले स्पष्ट बढ़त मिल सके। गोयल वाणिज्य मंत्रालय द्वारा आयोजित मुक्त व्यापार समझौतों पर आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा, न्यूजीलैंड के साथ व्यापार

समझौता जल्द ही लागू होगा और उसके बाद 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ के साथ एफटीए भी लागू होगा। उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही अमेरिका हमारे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में हमें तरजीही दर देने में सक्षम होगा, हम बीटीए को अंतिम रूप देंगे और इसका अंतिम प्रारूप घोषित करेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत के नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ऐसे देशों के साथ हैं।

जिनका कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग 60 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि ये समझौते वैश्विक व्यापार के करीब दो-तिहाई हिस्से तक तरजीही पहुंच उपलब्ध कराएंगे। गोयल ने कहा कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का अंतिम प्रारूप तभी घोषित किया जाएगा, जब भारत के प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले अमेरिका तरजीही शर्तों की पेशकश करेगा। उन्होंने कहा कि भारत अगले कुछ महीनों और दो-तीन वर्षों में कनाडा, मेक्सिको, चिली, मकोर्सुर, एसएसीयू (दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ), जीसीसी (खाड़ी सहयोग परिषद) और इजराइल के साथ भी एफटीए करेगा।

कांग्रेस ने जीडीपी के 7.8 प्रतिशत वृद्धि के आंकड़े पर उठाए सवाल

नई दिल्ली/एजेंसी
कांग्रेस महासचिव और संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 7.8 प्रतिशत वृद्धि के सरकारी आंकड़े पर सवाल उठाते हुए कह कि नए आंकड़ों और गणना पद्धति की गहन समीक्षा की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि नई श्रृंखला के तहत पिछले चार वित्त वर्षों के जीडीपी आंकड़ों में कुल 43 लाख करोड़ रुपये की कमी की गई है और सरकार को इसका विस्तृत स्पष्टीकरण देना चाहिए। रमेश ने गुरुवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा कि सरकार अप्रैल-जून 2026 तिमाही में अर्थव्यवस्था की 7.8 प्रतिशत वृद्धि को उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है, लेकिन जिस आधार पर यह आंकड़ा तैयार किया गया है, उसे देखने पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

वृद्धि दर की गणना के लिए पिछले वर्ष की समान तिमाही के जीडीपी आंकड़े को आधार बनाया जाता है और अप्रैल-जून 2025 के आंकड़े में कई बार संशोधन किया गया है।

प्रदर्शनकारी वकीलों से मारपीट मामले में सुप्रीम कोर्ट का दखल से इनकार

नई दिल्ली/एजेंसी
उच्चतम न्यायालय ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे वकीलों के साथ कथित मारपीट के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। गुरुवार को वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने इस मामले को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए कहा कि इस घटना की स्वतंत्र जांच जरुरी है। इस पर उच्चतम न्यायालय ने इस मामले पर तत्काल हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए उच्च न्यायालय जाने को कहा। प्रशांत भूषण ने कहा कि वकील बार काउंसिल ऑफ इंडिया में सुधारों की मांग करते

हुए प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन से पहले वकीलों की ओर से एक प्रतिवेदन सौंपा गया था। इसके बाद कुछ लोगों ने खुद को वकील बताते हुए प्रदर्शनकारी वकीलों के साथ कथित तौर पर मारपीट की। प्रशांत भूषण ने कहा कि वकीलों के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना बीसीआई परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी रिकार्ड हुई है। प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि इस घटना के बाद बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने एक बयान जारी किया था, जिसमें प्रदर्शनकारी वकीलों को लीगल काकरोच कहा गया और उनके साथ कथित मारपीट को लेकर गर्व जताया गया।

सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने वकीलों की ओर से प्रदर्शन के तरीके पर असहमति जताई। उन्होंने कहा कि वकील एक अनुशासित वर्ग का हिस्सा होते हैं और शिकायतों के समाधान के लिए संस्थागत तंत्र का उपयोग किया जाना चाहिए। न्यायिक व्यवस्था के अधिकारी के रुप में वकीलों से अपेक्षा की जाती है कि वे उच्चतम न्यायालय के निर्धारित मानकों और प्रक्रियाओं का पालन करें न कि सार्वजनिक प्रदर्शन का सहारा लेना चाहिए।

त्योहारी सीजन में उत्तर रेलवे चलाएगा आठ विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली। आगामी दशहरा, दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने आठ आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। ये विशेष ट्रेनें दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, चंडीगढ़ और फिरोजपुर छावनी से वाराणसी, अयोध्या, पटना, जोगबनी, मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी समेत उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रमुख शहरों के बीच चलाई जाएंगी। अलग-अलग मार्गों पर इन ट्रेनों के संचालन से त्योहारी सीजन में यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने गुरुवार को बताया कि विशेष ट्रेनों का संचालन अक्टूबर और नवंबर के दौरान अलग-अलग तिथियों में किया जाएगा।

राजस्थान-यूपी के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक

नई दिल्ली/एजेंसी
उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान और उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों, पत्रकारों, यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया यूजर्स के प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंधों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वो संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर रिट याचिका पर सुनवाई नहीं करना चाहता है। याचिका में राजस्थान के माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से 16 अगस्त को जारी किए गए एक सर्कुलर को चुनौती दी गई थी। इस सर्कुलर के मुताबिक सरकारी स्कूल परिसरों में किसी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश के लिए स्कूल के

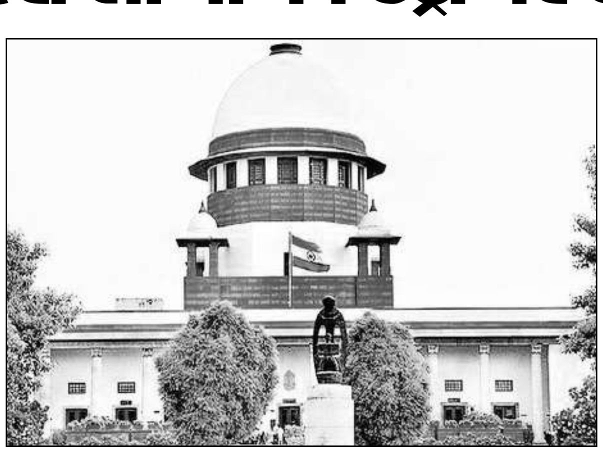

प्रधानाचार्य से पूर्व अनुमति लेना जरूरी किया गया है। याचिका में उप्र के अयोध्या के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से 19 अगस्त को जारी आदेश का भी उल्लेख किया गया था। इस आदेश में बाहरी लोगों, यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया से जुड़े व्यक्तियों को सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना परिषद के स्कूलों में प्रवेश करने या फोटो-वीडियो बनाने से रोकने का निर्देश दिया गया था। याचिका में कहा गया था कि उप्र के आजमगढ़, बलिया, बस्ती, बलरामपुर, शामली और आगरा समेत कई दूसरे जिलों में भी इसी तरह के निर्देश जारी किए गए हैं।

याचिका में कहा गया था कि सरकारी स्कूलों की स्थिति को सार्वजनिक हित में रिकॉर्ड करना और उसकी जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर पूरी तरह रोक नहीं लगाया जा सकता है। ऐसा करना संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ए), 19(1)(जी) 21 और 21ए के तहत मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में वैध पत्रकारिता और सार्वजनिक संस्थानों से संबंधित जानकारी का प्रसार भी शामिल है।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने झुंझुनूं में ली अपराध समीक्षा बैठक

झुंझुनूं, एजेंसी। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने गुरुवार को झुंझुनूं के रिजर्व पुलिस लाईन सभागार में जिले की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में आईजी राहुल प्रकाश, डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप, जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर सहित जिले के पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में पुलिस महानिदेशक द्वारा परिवादियों के साथ सदैव विनम्र एवं शालीन व्यवहार सुनिश्चित करने, पुलिस थानों के स्वागत कक्षों में साफ-सफाई के साथ बिजली एवं पानी की समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर एवं सक्रिय अपराधियों पर पूर्ण निगरानी रखते हुए उनके विरुद्ध प्रभावी एवं नियमानुसार कार्रवाई करने, आगामी नगरीय निकाय चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं होने देने के लिए प्रभावी सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सीएलजी एवं युवा सीएलजी सदस्यों के साथ निरंतर संवाद एवं समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया।

15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हैड कांस्टेबल और दलाल गिरफ्तार

बारां, एजेंसी। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. इकाई बारां द्वारा कार्रवाई करते हुए आरोपी रामनिवास हाल हैड कानिस्टेबल नम्बर 1445, पुलिस थाना कवाई, जिला बारां को परिवादी गिर्राज नागर के विरूद्ध आईन्दा एक्ट की

कार्यवाही एवं झूठे मुकदमे में नहीं फंसाने की एवज में दलाल हंसराज राठी पुत्र रामप्रसाद, निवासी ग्राम कोहनी, थाना कवाई, जिला बारां के माध्यम से 15,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी बारां को एक शिकायत इस आशय की मिली कि थाना कवाई पर पदस्थापित रामनिवास, हैड कानिस्टेबल द्वारा परिवादी के विरूद्ध एक्ट की कार्यवाही एवं झूठे मुकदमे में नहीं फंसाने की एवज में 70,000 रुपये रिश्वत की मांग कर परिवादी को परेशान किया जा रहा है। जिस पर रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया गया तो आरोपी रामनिवास, हैड कानिस्टेबल, थाना कवाई द्वारा 15,000 रुपये की रिश्वत मांग करना पाया गया। जिस पर ओम प्रकाश मीना, उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरवीजन में ए.सी.बी. चौकी बारां के कालू राम वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में टीम द्वारा ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी रामनिवास, हैड कानिस्टबल को दलाल हंसराज राठी के माध्यम से 15,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी द्वारा रिश्वत राशि परिवादी के गांव के हंसराज राठी, दलाल को दिलवाई गई। जिसे ए.सी.बी. टीम द्वारा बरामद कर लिया गया।

बीजेपी की चौखट पर संतोष की दरकार : शहरों में सरकार से खफा वोटर, डैमेज कंट्रोल की बिसात पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री

जयपुर, एजेंसी। प्रदेश की सियासत में जब राजधानी की ठंडी आबोहवा अचानक दिल्ली की गर्म सांसों से दहकने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि मामला सिर्फ एक स्थानीय निकाय चुनाव भर का नहीं है। सत्ता के गलियारों में बजने वाली खतरे की घंटी इस बार शहरों से उठी है–और वह भी सीधे सरकार की 'एंटी इनकंबेंसी' (सत्तारूढ़ विरोधी लहर) के सुर में। शहरी निकायों का जो फीडबैक बंद कमरों से छनकर दिल्ली दरबार तक पहुंचा है, उसने हुक्मरानों की पेशानी पर चिंता की गहरी लकीरें खींच दी हैं। जिस शहर को कभी केसरिया राजनीति की सबसे महफूज जागीर माना जाता था, आज वहीं से सत्ता के खिलाफ असंतोष के शोले भड़क रहे हैं। फीडबैक इतना कड़वा है कि जो विधायक कल तक आरामगाहों में आराम फरमा रहे थे और मंत्री जो जयपुर के सचिवालय से हुकूमत हांक रहे थे, उन्हें गली-कूचों और वार्डों की पगडंडियों पर पसीना बहाने के लिए झोंक दिया गया है। खुद मुख्यमंत्री को मोर्चा संभालना पड़ रहा है।

लेकिन मर्ज सिर्फ सरकार की सुस्ती का नहीं है, मर्ज संगठन के भीतर मची लूट का भी है। टिकटों के वितरण

में जिस तरह अपनों को उपकृत करने और जमीनी कार्यकर्ताओं को दरकिनार करने की 'बंदरबांट' हुई, उसने पूरे प्रदेश में बगावत का ऐसा बारूद बिछा दिया है जो किसी भी वक्त चुनावी गणित को पलीता लगा सकता है। यही वजह है कि जब पानी सिर से ऊपर गुजरने लगा, तो डैमेज कंट्रोल का जिम्मा संभालने खुद भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष को जयपुर की सरजमीं पर कदम रखना पड़ा। प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने उनकी अगवानी जरूर मुस्कुराहटों और गुलदस्तों के साथ की, मगर उस इस्तकबाल के पीछे की बेचैनी किसी से छिपी नहीं है।

अब कोर कमेटी की बैठक में जब बी.एल. संतोष टेबल ठोकेंगे, तो कई बड़े चेहरों की जवाबदेही तय होगी। संगठन महामंत्री की यह मौजूदगी सामान्य दौरा नहीं, बल्कि उन क्षत्रपों की क्लास लगाने की कवायद है जिन्होंने अपने चहेतों को रेवड़ियों की तरह टिकट बांटे और अब संगठन को बगावत के भंवर में झोंक दिया। सवाल यही है कि क्या दिल्ली से आई यह डांट-फटकार और बंद कमरों की कवायद उस आम शहरी वोटर की नाराजगी को दूर कर पाएगी, जो सड़कों, पानी, सफाई और सत्ता की हनक से खफा बैठा है?

सियासत का पुराना उसूल है–दीवारों पर लिखे असंतोष को अगर वक्त रहते न पढ़ा जाए, तो चुनावी नतीजे बड़े-बड़ों का सिंहासन हिला देते हैं। देखना यह है कि संतोष की यह 'सर्जरी' बगावत के घावों पर मरहम लगा पाती है या फिर शहरों की नाराजगी सत्ताधारी दल के लिए कोई नया सियासी सबक लिखने जा रही है।

भाजपा का नगरीय निकाय चुनावी घोषणापत्र जनता के बीच बना मजाक का विषय : टीकाराम जूली

अलवर, एजेंसी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा द्वारा नगरीय निकाय चुनावों को लेकर जारी किए गए चुनावी घोषणापत्र पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा का यह घोषणापत्र जनता के बीच गंभीर चर्चा का विषय बनने के बजाय मजाक का विषय बन गया है। प्रदेशभर से आमजन से मिल रहे फीडबैक से साफ है कि लोग भाजपा के इन वादों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जूली ने कहा कि आमजन का सवाल सीधा है कि अब चुनाव के समय भाजपा की नींद क्यों खुली है? नगरीय विकास से संबंधित जिन समस्याओं की ओर भाजपा सरकार ने ध्यान नहीं दिया, चुनाव आते ही उन पर घोषणाएं और वादे किए जा रहे हैं। अब चुनाव नजदीक आए हैं तो पूरा सिस्टम हरकत में आ गया है, क्योंकि भाजपा को जनता के बीच अपने कामकाज का जवाब देना है और वोट की चोट का डर सता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों में सड़क, सफाई, सीवरेज, पेयजल, यातायात, आवारा पशु और बुनियादी

शहरी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। जनता इन समस्याओं से रोज जूझ रही है, लेकिन सरकार ने पूरे कार्यकाल में इनका स्थायी समाधान करने के बजाय अब चुनाव के समय घोषणापत्र के जरिए नए वादे करने शुरू कर दिए हैं। अलवर सहित प्रदेश के अलग-अलग शहरों से जो प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें जनता भाजपा से उसके पिछले कामकाज का हिसाब मांग रही है।

जूली ने कहा कि भाजपा की जुमलेबाजी अब जनता के लिए पुरानी ट्रिक हो चुकी है। जनता घोषणाओं और नारों के बजाय जमीन पर काम देखना चाहती है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करना और सत्ता में आने के बाद उन्हें भूल जाना भाजपा की कार्यशैली बन गई है।

दीये तले अंधेरा : निकाय चुनाव के बीच भाजपा प्रदेश मुख्यालय के बाहर 100 फुट लंबा अतिक्रमण, लोहे की जंजीरें बांधकर घेरी सड़क

जयपुर, एजेंसी। प्रदेश में एक तरफ नगर निकाय और नगर निगम चुनावों की रणभेरी बजी हुई है, जहां राजनीतिक दल शहर को अतिक्रमण मुक्त, स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने के लोक-लुभावन वादे कर रहे हैं; वहीं दूसरी तरफ सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय के बाहर ही नियमों की धज्जियां उड़ाने का मामला तूल पकड़ रहा है। प्रदेश भाजपा कार्यालय के ठीक बाहर मुख्य मार्ग पर लोहे के पाइप गाड़कर और उनमें जंजीरें (चेन) बांधकर लगभग 10 फुट चौड़ाई और 100 फुट लंबाई में सार्वजनिक सड़क पर कब्जा जमा लिया गया है। इस वीआईपी अतिक्रमण ने न केवल राहगीरों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, बल्कि चुनावी समर में भाजपा की कथनी और करनी पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्किंग का पहले से संकट, ऊपर से सत्ता की हनक में सड़क की घेराबंदी

भाजपा प्रदेश मुख्यालय वाली सड़क पर सामान्य दिनों में भी वाहनों की भारी आवाजाही और पार्किंग की विकट समस्या रहती है। निकाय

चुनावों के चलते इन दिनों टिकट के दावेदारों, कार्यकर्ताओं और नेताओं के वाहनों की भारी कतारें लगी रहती हैः

10×100 फुट का घेराः कार्यालय के बाहर फुटपाथ और मुख्य सड़क के हिस्से को मिलाकर करीब 10 फुट चौड़े और 100 फुट लंबे दायरे में स्थायी/अस्थायी तौर पर लोहे के पाइप खड़े कर दिए गए हैं और उन पर मोटी जंजीरें डाल दी गई हैं ताकि आम जनता या सामान्य वाहन चालक वहां रुक न सकें।

राहगीरों पर दोहरी मारः सड़क का बड़ा हिस्सा घिर जाने के कारण यहां हर समय ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। क्षेत्र में पहले से ही पार्किंग का गंभीर अभाव है, ऐसे में सार्वजनिक मार्ग पर जंजीरें डालकर किया गया यह घेराव लोगों की आवाजाही को सीधे तौर पर बाधित कर रहा है।

जब मुख्यालय ही नियमों को रौंदेगा, तो चुने हुए पार्षदों को कौन रोकेगा?

नगर निगम चुनावों के बीच मुख्यालय के बाहर हुए इस कब्जे को लेकर राजनीतिक गलियारों और आम जनता में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

सबसे बड़ा सवाल व्यवस्था और राजनीतिक शुचिता पर खड़ा हो रहा है। यदि सत्ताधारी पार्टी के शीर्ष दफ्तर के बाहर ही सरेआम 100 फुट सड़क पर जंजीरें बांधकर कब्जा किया जाएगा, तो कल को नगर निगम में जीत कर आने वाले पार्षद और मेयर अपने-अपने वार्डों में अतिक्रमण कैसे रोकेंगे? यदि मुखिया की चौखट पर ही कानून को ताक पर रखा जाएगा, तो शहर भर में बुलडोजर चलाने और आम रेहड़ी-पटरी वालों या दुकानदारों पर चालान की कार्रवाई करने वाले प्रशासन की नैतिक ताकत भी सवालों के घेरे में आ जाएगी।

चुनावी मौसम में सत्ता के केंद्र से दिया जा रहा यह संदेश न केवल पार्टी के 'सुशासन' के दावों पर चोट कर रहा है, बल्कि शहरवासियों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया है कि जो दल अपने दफ्तर के बाहर की सड़क को सुरक्षित और खुला नहीं रख सकता, वह समूचे शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने का संकल्प कैसे पूरा करेगा।

उदयपुर कांग्रेस में सियासी भूचाल : तीन बार के प्रत्याशी विवेक कटारा और राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. दिव्यानी कटारा का कथित ऑडियो वायरल

पद से हटवाने की धमकी

उदयपुर, एजेंसी। नगर निकाय चुनावों की तपिश के बीच उदयपुर कांग्रेस में अंतर्कलह और गुटबाजी खुलकर सतह पर आ गई है। तीन बार कांग्रेस के अधिकृत विधानसभा प्रत्याशी रहे डॉ. विवेक कटारा और भारतीय युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. दिव्यानी कटारा के बीच फोन पर हुई तीखी नोकझोंक का एक कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस ऑडियो के सामने आने के बाद

संगठन के भीतर खींचतान, वरिष्ठ बनाम युवा नेतृत्व और आंतरिक मर्यादा को लेकर सियासी गलियारों में घमासान मच गया है। संबोधन और लहजे पर उठे सवालः एक तरफ 'भैया', दूसरी ओर तीखे बोल वायरल बातचीत में दोनों नेताओं के बीच बातचीत की शुरुआत से ही तनाव साफ महसूस किया जा रहा हैः

सम्मान बनाम तल्ख तेवरः बातचीत के दौरान डॉ. दिव्यानी कटारा लगातार विवेक कटारा को 'भैया' और 'आप' कहकर संयमित लहजे में संबोधित करती सुनाई दे रही हैं। वहीं, आरोप है कि दूसरी तरफ से विवेक कटारा ने कथित तौर पर 'तू' और बेहद आक्रामक भाषा का इस्तेमाल किया।

हैसियत पूछने और पद से हटवाने की धमकीः वायरल ऑडियो में विवेक कटारा कथित रूप से डॉ. दिव्यानी से यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि 'तुम्हारी हैसियत क्या है? ', 'तुम कौन होती हो?' और 'तुम कैसे जाओगी? '। इसके साथ ही उन पर यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने आलाकमान से शिकायत कर डॉ. दिव्यानी को उनके राष्ट्रीय पद से हटवाने की सीधी धमकी दी।

'कांग्रेस टुकड़ों में नहीं बंटी, मेरे खून में कांग्रेस है': डॉ. दिव्यानी का पलटवार

जब कथित ऑडियो में डॉ. दिव्यानी को यह नसीहत दी गई कि वे 'अपने काम से काम रखें और अगर यूथ कांग्रेस में हैं तो केवल यूथ कांग्रेस तक ही सीमित रहें ', तो उन्होंने संगठन के मूल सिद्धांतों का हवाला देते हुए कड़ा रुख अपनायाः

'आप कांग्रेस को अलग-अलग टुकड़ों में बांट रहे हैं, आप पूरी तरह गलत हैं। कांग्रेस चाहे यूथ कांग्रेस हो, एनएसयूआई (हस्ठ्ढ) हो, महिला कांग्रेस हो या मुख्य संगठन–कांग्रेस एक है और हम सब उसके सिपाही हैं। हमारे लिए पूरी कांग्रेस एक परिवार है, मेरे खून में कांग्रेस है और जब तक मैं जीवित हूं, संगठन की मजबूती के लिए जमीन पर काम करती रहूंगी। '

पर्यटन स्थलों की सुरक्षा होगी और मजबूत, 30 सितंबर तक होगा प्रदेशभर में सिक्योरिटी ऑडिट

पर्यटन थानों की संख्या बढ़ाने, टीएएफ को सुदृढ़ करने और अधिकाधिक सीसीटीवी लगाने पर जोर

जयपुर, एजेंसी। राज्य में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों और धार्मिक स्थलों पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को और पुख्ता करने के लिए राजस्थान पुलिस ने व्यापक कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। पर्यटकों की यात्रा को सुरक्षित, सरल और सुगम बनाने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस मुख्यालय में पुलिस एवं पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में पर्यटन स्थलों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पर्यटक सहायता बल (टीएएफ), पर्यटन थानों, सीसीटीवी कवरेज, पर्यटक सहायता बूथ, आकस्मिक चिकित्सा सुविधा सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

30 सितंबर तक सभी पर्यटन स्थलों का होगा सुरक्षा ऑडिट

डीजीपी शर्मा ने निर्देश दिए कि आमेर में हाल ही में किए गए सुरक्षा ऑडिट की तर्ज पर 30 सितंबर तक प्रदेश के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों का सुरक्षा ऑडिट करवाया जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को ऑडिट की रिपोर्ट प्राप्त कर उसमें सामने आने वाली कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों की सुरक्षा केवल किसी विशेष आयोजन या मेले तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि वर्षभर पर्यटकों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए स्थायी और प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जाए।

पर्यटक सहायता बल की उपस्थिति दिखनी चाहिए

श्री शर्मा ने पर्यटन स्थलों पर तैनात पर्यटक सहायता बल (टीएएफ) को और अधिक सुदृढ़ करने तथा उनकी प्रभावी उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटक को किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर उसे तत्काल सहायता उपलब्ध होनी चाहिए। पर्यटकों की सुविधा के लिए प्रमुख स्थानों पर पुलिस नियंत्रण कक्ष के नंबर, पुलिस हेल्पलाइन 112, राजकॉप सिटीजन एप एवं अन्य उपयोगी लिंक प्रदर्शित करने वाली स्टेंडी लगाने तथा टीएएफ की ओर से विशेष सहायता बूथ स्थापित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सहायता बूथ केवल नाम मात्र के नहीं हों, बल्कि वहां प्रशिक्षित कार्मिक मौजूद रहें और पर्यटकों को आवश्यक जानकारी एवं तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए।

बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन की तर्ज पर एयरपोर्ट पर भी सूचना व्यवस्था

बैठक में बताया गया कि बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन पर टीएएफ की व्यवस्था उपलब्ध है, जबकि एयरपोर्ट पर ऐसी व्यवस्था नहीं है। इस पर डीजीपी श्री शर्मा ने एयरपोर्ट अथॉरिटी से समन्वय कर एयरपोर्ट पर पर्यटकों की सुविधा के लिए पोस्टर, बैनर, स्टेंडी एवं एलईडी के माध्यम से आवश्यक सूचनाएं प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने टीएएफ एवं स्थानीय थाने के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए एयरपोर्ट सहित सभी प्रवेश एवं निकास स्थलों पर पर्यटकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही।

पर्यटक सहायता बूथों पर मिलेगी बहुभाषी जानकारी

डीजीपी ने निर्देश दिए कि पर्यटक सहायता बूथों को आकर्षक ढंग से स्थापित किया जावें और यहां पर विभिन्न भाषाओं में पर्यटन स्थलों से संबंधित सामग्री एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटन स्थलों पर विभिन्न भाषाओं में साइन बोर्ड लगाए जाएं।

उन्होंने विदेशी भाषाओं का कोर्स कर चुके युवक-युवतियों को लैंग्वेज एक्सपर्ट के रूप में सेवाएं उपलब्ध कराने का सुझाव दिया, ताकि विदेशी पर्यटकों को उनकी भाषा में आवश्यक जानकारी और सहायता मिल सके।

हर सप्ताह उमड़ने वाली भीड़ के लिए भी विशेष व्यवस्था

डीजीपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्यटकों व श्रद्धालुओं को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मेलों का इंतजार नहीं किया जाए। खाटूश्यामजी, सालासर बालाजी सहित प्रमुख धार्मिक व अन्य पर्यटन स्थलों पर प्रत्येक सप्ताह बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में वीकेंड और अन्य दिनों में भी भीड़ के अनुरूप पुलिस बल एवं टीएएफ की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने लॉन्ग वीकेंड पर पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की बढ़ने वाली संख्या को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल लगाने तथा प्रमुख मेलों के दौरान टीएएफ की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। डीजीपी ने खाटूश्यामजी, मेहंदीपुर बालाजी, सालासर बालाजी, रामदेवरा, गोगामेड़ी, पुष्कर, श्रीनाथद्वारा और सांवरियाजी सहित प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों पर पुलिस, प्रशासन एवं देवस्थान विभाग को आपसी समन्वय से भीड़ प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अधिकाधिक सीसीटीवी, मेडिकल सुविधा और महिला पुलिसकर्मी होंगी उपलब्ध – पर्यटन स्थलों की सुरक्षा के लिए अधिकाधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने, उपलब्ध स्थानीय सीसीटीवी कैमेरों का जोड़ने तथा संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। जहां पर्यटकों की संख्या अधिक है, वहां पर्यटन थाना स्थापित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई।

सवाईमाधोपुर और जैसलमेर में पर्यटन थानों के प्रस्ताव का फॉलोअप

बैठक में सवाईमाधोपुर एवं जैसलमेर में पर्यटन थाना स्थापित करने के लिए भेजे गए प्रस्तावों का फॉलोअप लेने के निर्देश दिए गए। डीजीपी ने कहा कि जहां पर्यटकों की संख्या लगातार अधिक रहती है, वहां उनकी सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्यटन पुलिस की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने प्रदेश में पर्यटन थानों की संख्या बढ़ाने, पर्यटन पुलिस के लिए अपेक्षित पुलिस बल उपलब्ध कराने तथा उन्हें पर्यटन क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया।

आमेर की केस स्टडी को अन्य पर्यटन स्थलों पर भी लागू करने के निर्देश

डीजीपी श्री शर्मा ने पूर्व बैठक में आमेर में किए गए सुरक्षा ऑडिट एवं केस स्टडी में सामने आई अपेक्षाओं को प्रदेश के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी लागू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुरक्षा के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण, व्यवस्थित आवागमन, बेहतर सड़क सुविधा, पार्किंग, आवश्यक सूचनाओं की उपलब्धता और सुगम यातायात भी पर्यटन अनुभव का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

जयपुर में हेरिटेज वॉक की व्यवस्था पर जोर

जयपुर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए हेरिटेज वॉक की व्यवस्था विकसित करने पर भी चर्चा हुई। इसके माध्यम से पर्यटकों को शहर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्रों में व्यवस्थित एवं सुरक्षित भ्रमण का अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

बैठक में डीजी ट्रैफिक श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने पर्यटन स्थलों पर राजस्थान पुलिस के स्तर से उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं किए जा रहे प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने अधिकाधिक पर्यटन स्थलों को सीसीटीवी कवरेज में लाने, अधिक पर्यटक संख्या वाले स्थानों पर पर्यटन थाने स्थापित करने सहित पर्यटकों की सुविधा के लिए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक के प्रारंभ में पर्यटन आयुक्त श्रीमती रुक्मणि रियाड ने गत बैठक की अनुपालना रिपोर्ट के साथ–साथ प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की वर्तमान स्थिति तथा पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा डीओआईटी के माध्यम से तैयार किए गए विशेष एप के जल्द ही लांच किए जाने की जानकारी दी तो डीजीपी ने इसे राजकॉप सिटीजन एप और पैनिक बटन से इंटीग्रेट करवाने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

757 रुपये पर लिस्ट हुआ आईपीओ, पहले दिन ही 76 प्रतिशत का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। ईएसडीएस साफ्टवेयर साल्युएनशन के आईपीओ ने गदर मचा दिया है। बीएसई में कंपनी की लिस्टिंग 73.96 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 746.30 रुपये पर हुई है। वहीं, एनएसई में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 76.46 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 757 रुपये पर हुई है। बता दें, इस मेनबोर्ड आईपीओ का प्राइस बैंड 429 रुपये था। कंपनी ने 34 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14586 रुपये का दांव लगाना पड़ा था।

ग्रे मार्केट दे रहा था मजबूत लिस्टिंग के संकेत- इनवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार आज शुक्रवार को ग्रे मार्केट में आईपीओ 244 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। जोकि 56 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन के संकेत दे रहा था। बता दें, ग्रे मार्केट में आईपीओ की सबसे मजबूत स्थिति 29 अगस्त को थी। तब आईपीओ 372 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था।

कितना था आईपीओ का साइज- आईपीओ का साइज 720 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 1.68 करोड़ फ्रेश शेयर जारी की है। यह आईपीओ 28 अगस्त को खुला था। निवेशकों के पास 1 सितंबर तक दांव लगाने का मौका था। आईपीओ को तीन दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान 142 गुना बोलियां मिली थी। आईपीओ को रिटेल कैटगरी में आईपीओ में 41 गुना सब्सक्राइब किया गया था। क्यूआईबी में 274.97 गुना बोलियां मिली थी। वहीं, एनआईआई में 202 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

एंकर निवेशकों से कंपनी ने जुटाए 216 करोड़ रुपये- इस कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुला था। आईपीओ एंकर इनवेस्टर्स से कुल 216 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बता दें, एंकर निवेशकों को जारी 50 प्रतिशत शेयरों का लॉक इन पीरियड 30 दिन का है। बाकि 50 प्रतिशत का 90 दिन का लॉक इन पीरियड है।

रतन टाटा के शेयरः 37 साल पुरानी एक शर्त से फंस गया पेच

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को विरासत में मिले टाटा संस के शेयरों पर पेच फंस गया है। रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इन शेयरों को दो चैरिटेबल संस्थाओं रतन टाटा एंडोमेंट फंड और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को देने की घोषणा की थी। इन दोनों संस्थाओं का गठन रतन टाटा ने ही किया था। लेकिन 37 साल पुराने एक मामले पर आए फैसले से इसमें अड़चन आ गई है। महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने 1989 में नवाजबाई रतन टाटा ट्रस्ट से नवल टाटा को 833 टाटा संस शेयर ट्रांसफर करने के फैसले को सही ठहराया। लेकिन इसके साथ ही डील से जुड़ी एक शर्त का भी खुलासा हो गया जो कम ही लोगों को पता थी। इसके मुताबिक इन शेयरों को होल्डर अपने रिश्तेदारों को ही ट्रांसफर किए जा सकते हैं। इन्हें किसी थर्ड पार्टी को नहीं दिया जा सकता है।

रतन टाटा की वसीयत

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक नवल ने इन शेयरों को अपनी पत्नी सिमोन और अपने तीन बेटों रतन, जिमी और नोएल के बीच बांट दिया था। सिमोन ने अपने शेयर अपने बेटे नोएल और उसके तीन बच्चों को दे दिए जबकि जिमी और नोएल के पास अभी भी अपने शेयर हैं। रतन टाटा के शेयर उनकी संपत्ति का हिस्सा हैं और उनका प्रबंधन उनके एग्जीक्यूटर कर रहे हैं। इनमें उनकी दो सौतेली बहनें शिरीन और डियाना जीजीभॉय शामिल हैं। इसलिए, इन संस्थाओं को रतन टाटा का शेयर वसीयत में देना सीधे तौर पर शर्त का उल्लंघन है।

अब घर बैठे पेंशन शुरू करना होगा आसान, छोटे शहरों और दूरदराज के इलाकों में मदद करेंगे ओएनपीएस मित्र

नई दिल्ली। पेंशन नियामक ने पॉइंट्स ऑफ प्रेजेंस के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। क्क्षक्क वो बैंक या संस्थान होते हैं जो नैशनल पेंशन सिस्टम की सेवाएं लोगों तक पहुंचाते हैं। इन बदलावों का मकसद क्क्षक्क के नेटवर्क को खासकर उन इलाकों में बढ़ाना है जहां अभी पेंशन की सुविधाएं कम हैं। साथ ही, इससे नए ग्राहकों को जोड़ना और उनकी समस्याओं को सुलझाना आसान हो जाएगा। पेंशन एजेंटों का नाम बदलकर मित्र करने का सुझाव दिया है।

इन बदलावों का असर सुविधाओं और पहुंच पर पड़ेगा। अब पारंपरिक बैंकों और वित्तीय संस्थानों के दायरे से बाहर निकलकर और भी कई तरह की संस्थाओं को बनने की इजाजत दे रहा है। अगर ये नियम लागू होते हैं, तो निवेशकों के लिए खाता खोलना और उसे मैनेज करना बहुत आसान हो जाएगा, खासकर उन लोगों के लिए जो छोटे शहरों या दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं।

धोखाधड़ी या लापरवाही हुई तो?

अगर किसी कर्मचारी, मित्र या किसी अन्य व्यक्ति (जिसकी सेवा ली जा रही है) की वजह से कोई गलती होती है, तो उसके लिए (संस्था) ही जिम्मेदार मानी जाएगी। साबित होने पर उस नुकसान की भरपाई करनी होगी। मित्र की नियुक्ति करने के बाद भी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकेंगे।

जानकारी पूरी तरह गुप्त रहेगी

नए नियमों के मुताबिक मित्रों को ग्राहकों के रेकॉर्ड, डेटा और जुड़ी जानकारियों को पूरी तरह गोपनीय रखना होगा। सिवाय उन मामलों के जहां कानून के तहत जानकारी देना अनिवार्य हो।

सर्विस देने का तरीका बदलेगा

दो श्रेणियों में बांटा जाएगा। फिजिकल मोड (दफ्तर जाकर) और डिजिटल मोड (ऑनलाइन)। डिजिटल मोड सिर्फ उन लोगों के लिए होगा जो ऑनलाइन ही ग्राहकों को जोड़ेंगे और सेवा देंगे।

फिजिकल की आवेदन फीस 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये करने का प्रस्ताव है, जबकि डिजिटल के लिए कोई फीस नहीं लगेगी। जो ऑनलाइन ग्राहकों को जोड़ेंगे, उन्हें हर पेंशन स्कीम के लिए एक अलग 'डिजिटल कलेक्शन अकाउंट' रखना होगा।

7 दिन के भीतर जानकारी

अगर किसी जानकारी या स्थिति में कोई बड़ा बदलाव होता है, जिससे उनके रजिस्ट्रेशन पर असर पड़ सकता है, तो उन्हें 7 दिनों के भीतर को इसकी जानकारी देनी होगी। (लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप), सोसायटियां, को-ऑपरेटिव सोसायटियां भी बन सकेंगी।

यूएई से गोल्ड इंपोर्ट में 175 प्रतिशत बढ़ोतरी

पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बावजूद बढ़ गया आयात

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना खरीदने में संयम बरतने की पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बीच गोल्ड इंपोर्ट में बड़ी कमी आती नहीं दिख रही है। जहां अप्रैल से जुलाई के बीच गोल्ड इंपोर्ट सालभर पहले की इसी अवधि के मुकाबले 32 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 15.17 बिलियन डॉलर रहा, वहीं थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के मुताबिक, इस तस्वीर में अहम पेच से बड़ी मात्रा में हो रहे आयात का है।

सरकार ने आयात पर अंकुश लगाने के लिए 13 मई को गोल्ड पर इंपोर्ट ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी थी। हालांकि इस साल अप्रैल से जून के बीच 11 बिलियन डॉलर के गोल्ड बॉर का आयात हुआ, जो सालभर पहले की इसी अवधि के 7.5 बिलियन डॉलर से 47.1 प्रतिशत ज्यादा रहा।

यूएई से क्यों बढ़ा आयात?

इस बढ़त में बड़ा रोल रहा। जून में यूएई से आयात 175.2 प्रतिशत बढ़कर 64.94 करोड़ डॉलर का रहा, जबकि बाकी दुनिया से इंपोर्ट 17.7 प्रतिशत घटकर 1.32 बिलियन डॉलर पर आ गया। यूएई से आयात जहां 41.35 करोड़ डॉलर बढ़ गया, वहीं बाकी देशों से यह 28.41 करोड़ डॉलर घट गया। इस तरह भारत के कुल गोल्ड इंपोर्ट में का हिस्सा सालभर पहले के 12.8 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो गया।

हाई-वैल्यू और कम मार्जिन वाले बुलियन ट्रेड में 1 पर्सेंटेज पॉइंट का अंतर भी काफी बड़ा है। आयात ज्यादा दिखने में गोल्ड के ऊंचे दाम का असर भी हो सकता है

अप्रैल-जून तिमाही में यूएई से इंपोर्ट 124.8 प्रतिशत बढ़कर 3.14 बिलियन डॉलर का हो गया। यह बाकी दुनिया से आयात में 29.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के 4 गुने से भी ज्यादा बढ़ा। इस तिमाही में भारत के कुल गोल्ड इंपोर्ट में 3.53 बिलियन डॉलर की बढ़त रही, जिसमें 1.74 बिलियन डॉलर का हिस्सा का रहा।

सोने का आयात

- 13 मई : सरकार ने ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत की थी
- 32 प्रतिशतः अप्रैल-जुलाई के दौरान गोल्ड इंपोर्ट में हुई कुल बढ़त।
- .15.17 बिलियनः अप्रैल-जुलाई के बीच सोने के आयात की कुल कीमत।
- 47.1 प्रतिशतः गोल्ड बार के आयात में आई बढ़ोतरी (अप्रैल-जून)।
- 175.2 प्रतिशतः जून में यूएई से होने वाले आयात में हुई बढ़ोतरी।
- 33 प्रतिशतः कुल गोल्ड इंपोर्ट में यूएई का हिस्सा (पिछले साल 12.8 प्रतिशत था)।
- 3.14 बिलियनः अप्रैल-जून तिमाही में यूएई से हुआ आयात।

क्या है वजह

ट्रेड सोर्सेज के मुताबिक, जून में यूएई से ज्यादा आयात के पीछे ड्यूटी ड्रॉबैक लेने की ट्रिक रही क्योंकि कइयों ने भारत से जूलरी ले जाकर वहां से फिर उसे गोल्ड बार के रूप में इंपोर्ट किया। वहीं, जीटीआरआई के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने यूएई से 2022 की ट्रेड डील का हवाला दिया, जिसमें तय किया गया था कि मोस्ट फेवर्ड नेशन ड्यूटी से 1 प्रतिशत कम पर वहां से गोल्ड इंपोर्ट होगा। श्रीवास्तव ने कहा, 'हाई-वैल्यू और कम मार्जिन वाले बुलियन ट्रेड में 1 पर्सेंटेज पॉइंट का अंतर भी काफी बड़ा है। आयात ज्यादा दिखने में गोल्ड के ऊंचे दाम का असर भी हो सकता है, पर सरकार को देखना चाहिए कि ड्यूटी में छूट की वजह से ओरिजिन ट्रेड बढ़ रहा है या दूसरे देशों से दुबई के जरिए माल आ रहा है क्योंकि कोई गोल्ड माइन नहीं है।'

मौजूदा बीमा कंपनी से हैं परेशान पुराने फायदे गंवाए बिना बदलें हेल्थ इंश्योरेंस संस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कई सारी संस्थाएं और कंपनियां हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा देती हैं। हालांकि, कई बार ऐसा होता है कि पॉलिसीधारक को समय पर इस सुविधा का लाभ नहीं मिल पाता है। मतलब कि उनका क्लेम रिजेक्ट हो जाता है। इसके कई सारे कारण हो सकते हैं। वहीं, इससे पॉलिसीधारक परेशान भी हो जाते हैं। ऐसे में आपको घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

देश की बीमा नियामक संस्था यानी कि इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने पॉलिसीधारकों को बीमा कंपनियों की मनमानी से सुरक्षित करने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी की सुविधा दी है। आइए इसके बारे में जानते हैं। इसके साथ ही हम यह भी जानेंगे कि आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में कैसे बदल सकते हैं।

क्या है हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी

हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी की बात करें तो यह स्वास्थ्य बीमा को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में बदलने की एक खास सुविधा है। इसके जरिए आप अपनी मौजूदा हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को बिना किसी नुकसान के दूसरी बीमा कंपनी में ट्रांसफर कर सकते हैं। हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी की खासियत यह है कि ये बदलाव या बीमा ट्रांसफर करने पर आपको पहले की पॉलिसी में मिल रहे फायदे जैसे वेटिंग पीरियड, नौ क्लेम बोनस पहले की तरह जारी रहेंगे। मतलब कि हम कह सकते हैं कि हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी किसी भी पात्र ग्राहक को वेडिंग पीरियड, क्रेडिट और नौ क्लेम बोनस जैसे लाभ खोए बिना अपनी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को एक बीमा कंपनी से दूसरी बीमा कंपनी में स्विच करने की अनुमति देती है।

20 साल में पहला आईपीओ लाने की तैयारी में मुकेश अंबानी की रिलायंस, देश विदेश में होगा बड़ा रोड शो

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ में पैसा लगाने वालों के लिए नवरात्रि-दिवाली में कमाई का बंपर मौका खुल सकता है। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम, डिजिटल और टेक्नोलॉजी कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स अपना अनुमानित 4 बिलियन का आईपीओ अक्टूबर के आखिर या नवंबर की शुरुआत में लॉन्च कर सकती है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। यह ऑफर रिलायंस इंडस्ट्रीज ग्रुप का लगभग दो दशक में पहला होगा। इससे पहले साल 2006 में रिलायंस पेट्रोलियम की लिस्टिंग हुई थी।

ईटी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। एक सूत्र ने बताया कि पूरी संभावना है कि जियो अक्टूबर के आखिर में, खासकर नवरात्रि के शुभ दिनों के आसपास लॉन्च करने की योजना बना रही है। अगर लॉन्च अक्टूबर के आखिर तक टल जाता है, तो यह नवंबर के पहले हफ्ते तक भी जा सकता है। अगर नवरात्रि में नहीं, तो कंपनी दिवाली पर लाने का लक्ष्य रख सकती है।

देश-विदेश में रोड शो- जियो कुछ हफ्तों में सही तारीखें तय कर सकती है। उसके बाद वह देश में रोड शो करने से पहले विदेशों में रोड शो शुरू करेगी। मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने बताया कि कंपनी तीन हफ्ते के इंटरनेशनल और दो हफ्ते के घरेलू रोड शो की योजना बना रही है। इस रिपोर्ट के छपने तक कंपनी और लीड बैंकरों को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। अगर जियो का आईपीओ नवरात्रि के समय आता है तो रोड शो अगले हफ्ते ही शुरू हो सकते हैं। नवरात्रि 11 अक्टूबर को शुरू होकर दशहरा (20 अक्टूबर) को खत्म होगी। इसी तरह दिवाली 8 नवंबर को है। कंपनी ने जून में के ड्राफ्ट पेपर दाखिल किए थे और उसे 28 अगस्त को सेबी ने उसे शेयर बिक्री शुरू करने की मंजूरी दे दी थी।

किसकी कितनी हिस्सेदारी?- बड़े निवेशकों के पास कंपनी की की लगभग 30.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मेटा प्लेटफॉर्म्स की सहयोगी कंपनी के पास 9.98 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि गूगल इंटरनेशनल के पास 7.73 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जियो के अन्य निवेशकों में सऊदी अरब का पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड, सिल्वर लेक और विस्टा इक्विटी की सहयोगी कंपनियां, जनरल अटलांटिक, समर्थित कंपनियां और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के इन्वेस्टमेंट व्हीकल शामिल हैं।

सबसे बड़े आईपीओ

बैंकरों का अनुमान है कि जियो आईपीओ से करीब 37,800 करोड़ रुपये जुटा सकती है, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा पब्लिक इश्यू बन सकता है। माना जा रहा है कि यह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रस्तावित 31,000 करोड़ रुपये के से बड़ा होगा। अब तक यह रेकॉर्ड हुंडई मोटर इंडिया के नाम है जिसने 2024 में आईपीओ के जरिए 27,000 करोड़ रुपये जुटाए थे।ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार जियो 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी करने की योजना बना रही है, जो इसके के बाद की इक्विटी कैपिटल का लगभग 2.9 प्रतिशत होगा। इसमें ऑफर-फॉर-सेल का हिस्सा शामिल नहीं है। मिलने वाली रकम का एक हिस्सा रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के 27,500 करोड़ रुपये तक के कर्ज को समय से पहले चुकाने में इस्तेमाल किया जाएगा।

आईएएस की कुर्सी छोड़ बनाई अनएकेडमी, अब 1890 करोड़ रुपये में बेची कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के एडटेक सेक्टर की चर्चित कंपनियों में शामिल रही अनएकेडमी एक बार फिर चर्चा में है। इसकी वजह कंपनी द्वारा करीब 200 मिलियन डॉलर यानी करीब 1890 करोड़ रुपये में अधिग्रहण है। इस डील के साथ कंपनी के शुरुआती को-फाउंडर्स में शामिल रहे रोमन सैनी की असाधारण करियर यात्रा भी सुर्खियों में आ गई है।

रोमन सैनी ने डॉक्टर से लेकर आईएएस अधिकारी और फिर उद्यमी बनने तक का सफर तय किया है। उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास कर आईएएस बने और करीब डेढ़ साल बाद नौकरी छोड़कर की नींव रखने में जुट गए। 'हर रात परिवार के सोने का इंतजार करता था', शेयर बाजार क्रैश में कंगाल हुआ आज 34 देशों में कारोबार 16 की उम्र में मेडिकल एंट्रेंस पास किया।

रोमन सैनी ने महज 16 साल की उम्र में मेडिकल प्रवेश परीक्षा पास की थी। इसके बाद उन्होंने नई दिल्ली स्थित किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने जूनियर रेजिडेंट के तौर पर भी काम किया। लेकिन उनका करियर यहीं नहीं रुका। महज 22 साल की उम्र में उन्होंने अपने पहले प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा पास कर ली। उन्हें ऑल इंडिया रैंक 18 मिली और 2014 बैच के आईएएस अधिकारी बने। उन्हें मध्य प्रदेश कैडर आवंटित हुआ।

डेढ़ साल बाद छोड़ दी आईएएस की नौकरी

आईएएस अधिकारी बनने के करीब एक साल छह महीने बाद ही रोमन सैनी ने सरकारी सेवा से इस्तीफा दे दिया। उस समय वह क्क्ष्ट की तैयारी करने वाले छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाने में भी सक्रिय थे। इसी अनुभव ने उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बाद में उन्होंने गौरव मुंजाल और हेमेश सिंह के साथ मिलकर को एक औपचारिक बिजनेस के रूप में विकसित किया।

यूट्यूबर से शुरू हुआ था अनएकेडमी का सफर

अनएकेडमी की कहानी 2010 में गौरव मुंजाल के पर एजुकेशनल वीडियो अपलोड करने से शुरू हुई थी। साल 2015 में यह पहल बिजनेस में बदल गई, जब मुंजाल ने रोमन सैनी और हेमेश सिंह के साथ मिलकर कंपनी को आगे बढ़ाया। कंपनी का मॉडल टेक्नोलॉजी के जरिए शिक्षकों और छात्रों को एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जोड़ना था। शुरुआत में इसका फोकस प्रतियोगी परीक्षाओं पर रहा।

3.44 अरब डॉलर की वैल्यूएशन

ऑनलाइन शिक्षा के बढ़ते चलन के बीच अनएकेडमी ने तेजी से विस्तार किया। 2021 तक कंपनी भारत की प्रमुख एडटेक कंपनियों में शामिल हो गई थी। अगस्त 2021 में कंपनी ने अगुवाई में 440 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई। इस राउंड में और निवेशकों ने भी हिस्सा लिया। इसके बाद की वैल्यूएशन 3.44 अरब डॉलर यानी करीब 32,628 करोड़ रुपये पहुंच गई। कंपनी ने उस समय तक करीब 860 मिलियन डॉलर की कुल फंडिंग जुटा ली थी।

कोरोना में तेजी से बढ़ा कारोबार

कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई की मांग तेजी से बढ़ी और अनएकेडमी को इसका बड़ा फायदा मिला। रोमन सैनी के मुताबिक, कंपनी के चरम दौर में प्लेटफॉर्म पर हर महीने 1 लाख से ज्यादा लाइव क्लास होती थीं और करीब 10 लाख पेड सब्सक्राइबर थे। उन्होंने यह भी बताया कि शुरुआती दौर में ऑनलाइन पढ़ाने वाले अच्छे शिक्षकों को प्लेटफॉर्म से जोड़ना बड़ी चुनौती थी। सैनी के अनुसार, पहले महीने में उन्होंने करीब 200 लोगों को फोन करके ऑनलाइन पढ़ाने के लिए मनाने की कोशिश की थी।

200 मिलियन डॉलर तक पहुंची वैल्यूएशन

कोरोना महामारी के बाद ऑनलाइन एजुकेशन सेक्टर की रफ्तार धीमी हुई और ग्रोथ पर भी इसका असर पड़ा। अब कंपनी को 200 मिलियन डॉलर से कुछ अधिक यानी करीब 1890 करोड़ रुपये में खरीदा है। यह कीमत कंपनी की 2021 की 3.44 अरब डॉलर की पीक वैल्यूएशन का एक छोटा हिस्सा है।

तेजस के लिए अमेरिका से आई अच्छी खबर, उड़ने लगे एचएएल के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका से आई एक खबर ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयरों की उड़ान तेज कर दी है। शुक्रवार को पर इसके शेयर 2.73 प्रतिशत बढ़कर 4,895.70 पर पहुंच गए। बता दें अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस द्वारा अगस्त 2026 में तेजस प्रोग्राम के लिए तीन इंजन भेजने की घोषणा के बाद आई है।

शेयर पिछले एक हफ्ते में लगभग 2 प्रतिशत गिरे हैं, लेकिन पिछले एक महीने में लगभग 3 प्रतिशत चढ़े हैं। 2026 में अब तक शेयर 8 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुके हैं।पिछले एक साल में शेयरों ने 7 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है, तीन सालों में 140 प्रतिशत से अधिक और पांच सालों में 583 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

जीई एयरोस्पेस ने क्या कहा

बयान में कहा, 'जीई एयरोस्पेस ने अगस्त 2026 में तीन इंजन भेजे हैं। हमें भारतीय वायुसेना के साथ भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमानों को ताकत देने के लिए साझेदारी करने पर गर्व है। '

ये डिलीवरी सप्लाई में लंबी देरी के बाद की गई हैं। भारतीय वायुसेना ने विमानों के ऑर्डर दो फेज में दिए हैं। सालाना उत्पादन क्षमता फिलहाल 24 विमानों की है।

संक्षिप्त

आज युवाओं को दिया जाएगा नशा छोड़ने का संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 89वां संस्करण 6 सितंबर को सूरत में 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' थीम के साथ आयोजित किया जाएगा। सरकार युवाओं के बीच स्वस्थ और नशा-मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए खेल, फिटनेस और सामुदायिक भागीदारी का इस्तेमाल करना चाहती है। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया इस साइकिलिंग पहल का नेतृत्व करेंगे, जबकि गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' के आह्वान के अनुरूप आयोजित की जा रही है और इसका मकसद युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

रवि बिश्नोई ने क्रिकेट की खातिर छोड़े थे बोर्ड एग्जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्पिन गेंदबाज रवि बिश्नोई अपनी घूमती गेंदों के दम पर विश्व क्रिकेट में पहचान बना चुके हैं। हालांकि, एक समय ऐसा भी था, जब ट्रायल्स के दौरान बिश्नोई को दो बार नाकामी हाथ लगी थी। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने अपनी काबिलियत पर भरोसा रखा और राजस्थान की गलियों से निकलकर भारतीय टीम में जगह बनाई। रवि बिश्नोई का जन्म 5 सितंबर, 2000 को राजस्थान के जोधपुर जिले के बिरमी गांव में हुआ। रवि को शुरुआत से ही क्रिकेट से खास लगाव था। जल्द ही उन्होंने इस खेल में अपना करियर बनाने का फैसला किया। हालांकि, सुविधाओं के अभाव के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

मगर वह दिन-रात मेहनत करते

भारत-पनामा फुटबॉल मैत्री मैच एक दिन पहले 25 सितंबर को होगा

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत और पनामा के बीच होने वाला अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैत्री मैच अब तय कार्यक्रम से एक दिन पहले 25 सितंबर को खेला जाएगा क्योंकि मैच के आयोजन स्थल श्री कांतीरवा स्टेडियम में 27 सितंबर को बेंगलुरु मैराथन आयोजित होनी है।

पहले भारत-पनामा फुटबॉल मैत्री मैच 26 सितंबर को होना था।

सूत्रों के अनुसार, कांतीरवा स्टेडियम मैराथन की शुरुआत और समापन स्थल होगा। ऐसे में पहले तय कार्यक्रम के मुताबिक 27 सितंबर से एक दिन पहले यहां भारत-पनामा मुकाबला आयोजित करना मुश्किल होता। कर्नाटक राज्य फुटबॉल संघ के एक सूत्र ने कहा, ''हम अब भारत-पनामा मैच को एक दिन पहले करने जा रहे हैं। यह अब 25 सितंबर को खेला जाएगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने 2026 विश्व कप में भाग लेने वाले पनामा के खिलाफ भारत के अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के लिए 27 अगस्त को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम को स्थल चुना था।

पाकिस्तान टीम में हुए बदलावों को लेकर गिलेस्पी ने की आकिब जावेद की आलोचन

एडिलेड, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच जेसन गिलेस्पी ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे के बीच टीम में किए गए बड़े बदलावों के बाद चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि नेशनल टीम के खिलाड़ी डर के साये में खेल रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में मिली बड़ी हार के बाद कड़े फैसले लिए हैं। बोर्ड ने हेड कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को उनके पद से हटा दिया। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक और सलमान अली आगा समेत सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर घर भेज दिया गया है। यह

अहमदाबाद में पैरा आर्चरी महाकुंभ शुरू

अमित शाह ने किया उद्घाटन, कहा- मेडल से आगे बढ़कर खेल इकोसिस्टम बनाना है लक्ष्य

- **आने वाले सालों में अहमदाबाद, गुजरात और भारत खेल की दुनिया के बड़े केंद्र के तौर पर उभरेंगे : अमित शाह**

अहमदाबाद, एजेंसी।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया' की 'वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज अहमदाबाद 2026' का उद्घाटन किया। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद में होगी, जिसमें 19 देशों के 108 एथलीट हिस्सा लेंगे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि यह प्रतियोगिता भाग लेने वाले खिलाड़ियों और अहमदाबाद, दोनों के लिए एक यादगार मौका होगी।

इस सीरीज में भूटान, यूके, चीन, बांग्लादेश, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया और अमेरिका जैसे देशों के तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं।

भारत में खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, "आप ऐसे भारत में आए हैं, जिसकी सभ्यता की नींव 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना पर टिकी है- यानी पूरी दुनिया एक परिवार है। उन्होंने कहा कि आने वाले सालों में अहमदाबाद, गुजरात और भारत खेल की दुनिया के बड़े केंद्र के तौर पर उभरेंगे।

उन्होंने कहा, "अहमदाबाद में बनाई जा रही खेल सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार होंगी और इनसे भारत के साथ-साथ दूसरे देशों के खिलाड़ियों को भी फायदा होगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भारत अलग-अलग खेलों की ट्रेनिंग और खेल सुविधाओं व उपकरणों के उत्पादन के केंद्र के तौर पर भी विकसित होगा।

उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि देश स्पोर्ट्स इंजीनियरिंग और स्पोर्ट्स मेडिकल साइंस में ग्लोबल लीडर के तौर पर उभरेगा, साथ ही खेल से जुड़ी चोटों के इलाज और रिहैबिलिटेशन का अहम केंद्र बनेगा।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, "इस स्पोर्ट्स सेंटर में कोचिंग और ट्रेनिंग की सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित की जाएंगी।" उन्होंने कहा कि यह सेंटर न सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों के लिए, बल्कि दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए भी ट्रेनिंग का बड़ा केंद्र बनेगा।

उन्होंने कहा कि गुजरात ने 2025 और 2026 के दौरान लगभग 10 अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी की है, जिससे भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अहमदाबाद, गुजरात और भारत को जानने-समझने का मौका मिला है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने अहमदाबाद के भविष्य के खेल कैलेंडर का भी जिक्र किया और कहा कि 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स का यह 100वां संस्करण होगा और यह बहुत खुशी की बात है कि अहमदाबाद इस आयोजन की मेजबानी करेगा।

भारत खेलों का एक प्रमुख वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है: शाह

अहमदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की मेजबानी से अपने खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करके भारत को खेलों के एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में भारत खेल से जुड़ी चोटों के चिकित्सा विज्ञान में भी अग्रणी देश के रूप में उभरेगा। अहमदाबाद में पांच से नौ सितंबर तक होने वाली विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज के उद्घाटन समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री शाह ने कहा कि देश में विकसित किया जा रहा अत्याधुनिक प्रशिक्षण और कोचिंग ढांचा दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख कोचिंग केंद्र के रूप में काम करेगा।

यूएस ओपनः नवारो, टाउनसेंड, पेगुला, नोस्कोवा चौथे राउंड में

न्यूयॉर्क, एजेंसी।

एम्मा नवारो ने यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को हरा दिया। वहीं, टेलर टाउनसेंड लगातार दूसरे साल चौथे राउंड में पहुंचीं।

नवारो ने अपनी पहली मुलाकात में सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 7-5 से हराया। इस जीत के साथ नवारो ने चौथे राउंड में जगह बना ली है।

छठी सीड लिंडा नोस्कोवा ने भी मुश्किल चुनौती का सामना किया। उन्होंने कोर्ट 17 पर अमेरिका की 29वीं सीड एन ली को 6-2, 6-7(6), 6-2 से हराया। 6-2, 3-0 की बढ़त के बाद नोस्कोवा पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं, लेकिन ली ने जबरदस्त वापसी करते हुए निर्णायक सेट में जगह बना ली। अमेरिकी खिलाड़ी ने दूसरे सेट के टाईब्रेक में फोरहैंड विनर से मैच पॉइंट भी बचाया और फिर मुकाबला बराबर कर दिया। नोस्कोवा ने तब नियंत्रण हासिल किया जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, और तीसरे सेट के आखिरी चार गेम जीत लिए।

टेलर टाउनसेंड ने 15वीं सीड डायना श्नाइडर को 2 घंटे, 27 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-7(3), 6-3 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। पहला सेट सिर्फ 30 मिनट में जीतने के बाद वह आसानी से जीत की ओर बढ़ती दिखीं। लेकिन, श्नैडर ने दूसरे सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद वापसी की और आखिरकार अपने सातवें सेट पॉइंट पर एक डिसाइडर सेट के लिए मजबूर कर दिया।

अमेरिकन खिलाड़ी ने जोरदार जवाब दिया, आखिरी तीन गेम जीतकर एक और चौथे राउंड में जगह बनाई। उनका अगला मुकाबला दुनिया की नंबर 1 एरिना सबालेंका से होगा।

तीसरी सीड जेसिका पेगुला भी एक मुश्किल दौर से उबरीं, उन्होंने एक खराब शुरुआती सेट से उबरते हुए 31वीं सीड लेयला फर्नांडीज को 2 घंटे 11 मिनट में 1-6, 6-4, 6-3 से हराया।

अमेजन वॉरियर्स ने जमैका किंग्समेन को 8 विकेट से हराया

गुयाना, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 26वां मैच प्रोविडेंस क्रिकेट स्टेडियम में जमैका किंग्समेन और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने 8 विकेट से जीत हासिल की।

गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए जमैका किंग्समेन ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 159 रन बनाए थे। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हसन खान ने मात्र 29 गेंदों पर 6 छक्के और 2 चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा माज सदाकत ने 34 गेंदों पर 35 रन बनाए। केसी कार्टी ने 18, किमो पॉल ने 15, ओडियन स्मिथ ने 13 और उस्मान खान ने 10 रन बनाए।

अमेजन वॉरियर्स के लिए ड्वेन प्रिटोरियस और खेरी पियरे ने 2-2 विकेट लिए। मोहम्मद नबी को एक विकेट मिला।

रियल मैड्रिड ने फर्लैंड मेंडी को किया चैंपियंस लीग के स्क्वॉड से बाहर

- **मार्टिनेज ने इस सीजन के पहले मैच में रेसिंग सैंटेंडर के लिए गोल भी किया था**

मैड्रिड, एजेंसी।

रियल मैड्रिड फुटबॉल क्लब के कोच जोस मोरिन्हो ने फर्लैंड मेंडी को अपनी चैंपियंस लीग टीम में शामिल नहीं किया है। इससे यह संकेत मिल रहा है कि मेंडी जल्द ही क्लब छोड़ सकते हैं और उनका रियल मैड्रिड में भविष्य अब अनिश्चित नजर आ रहा है।

31 वर्षीय यह खिलाड़ी दाएं पैर के टेंडन की चोट की सर्जरी के बाद से बाहर चल रहा है। हालांकि, रियल मैड्रिड ने लंबे समय से चोटिल चल रहे एडर मिलिटाओ और रोड्रिगो को अपनी टीम में जगह दी है, भले ही वे फिलहाल खेलने के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह टीम लिस्ट तब जारी की गई, जब रियल मैड्रिड को इंटर मिलान के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना यूरोपियन कैंपेन शुरू करना था।

हाल के सीजन में मेंडी चोटों से जूझते रहे हैं। 2025-2026 सीजन में उन्होंने ला लीगा में सिर्फ पांच और सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 9 मैच खेले हैं। टेंडन की समस्या के कारण गर्मियों में उनका ट्रांसफर नहीं हो पाया था, लेकिन ऐसा लगता है कि जनवरी विंडो के दौरान वह क्लब छोड़ सकते हैं।

रेसिंग सैंटेंडर के 19 वर्षीय मिडफील्डर सर्जियो मार्टिनेज आखिरी खिलाड़ी थे जिन्हें रियल मैड्रिड ने साइन किया था, जिससे मेंडी की जगह डिफेंस को मजबूत करने की संभावना खत्म हो गई। मार्टिनेज ने इस सीजन के पहले मैच में रेसिंग सैंटेंडर के लिए गोल भी किया था। रियल मैड्रिड ने उनका 30 लाख यूरो (3 मिलियन यूरो) का रिलीज क्लॉज सक्रिय किया और उनसे जून 2030 तक का लंबी अवधि का करार किया है।

कुछ समय पहले मोरिन्हो ने कहा था कि क्लब का गर्मियों का ट्रांसफर बिजनेस असल में खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि क्लब के कुछ मुख्य टारगेट को हासिल न कर पाने के बावजूद वह अपनी मौजूदा टीम से संतुष्ट हैं। मोरिन्हो ने गुरुवार को सैंटियागो बर्नब्यू में रियल सोसिदाद के खिलाफ रियल मैड्रिड के देर से शुरू होने वाले ला लीगा ओपनर से पहले बात करते हुए साफ किया कि उनकी टीम में और खिलाड़ियों को शामिल करने की कोई तत्काल योजना नहीं है।

लुआन ड्रे प्रीटोरियस की तूफानी शतकीय पारी
साउथ अफ्रीका ने नामीबिया को 11 रनों से हराया

- **229 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की टीम 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 217 रन ही बना सकी**

नई दिल्ली, एजेंसी।

ट्राई सीरीज के छठे मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नामीबिया को 11 रनों से हराया। साउथ अफ्रीका से मिले 229 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की टीम 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 217 रन ही बना सकी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया टीम को लौरेन स्टीनकैंप और जेन फ्रीलिंक ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 65 गेंदों में 119 रनों की साझेदारी निभाई। स्टीनकैंप 44 गेंदों में 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, फ्रीलिंक महज 36 गेंदों में 72 रनों की तेज तर्रार पारी खेलने के बाद आउट हुए। अपनी इस इनिंग के दौरान फ्रीलिंक ने 6 चौके और 5 छक्के लगाए।

जे जे स्मित सिर्फ 9 रन ही बना सके, जबकि रुबेन ट्रम्पेलमैन ने 10 गेंदों में 21 रन बनाए। कप्तान गेरहार्ड इरास्मस 26 गेंदों में 30 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की तरफ से नकोबानी मोकोएना ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए, जबकि एंडिले सिमेलेन ने एक विकेट निकाला।

इससे पहले, साउथ अफ्रीका को लुआन ड्रे प्रीटोरियस और कॉनर एस्टरहुइजेन ने धमाकेदार शुरुआत दी। प्रीटोरियस और एस्टरहुइजेन ने पहले विकेट के लिए 11.3 ओवर में 156 रन जोड़े। एस्टरहुइजेन ने सिर्फ 40 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके और 8 छक्कों की मदद से 88 रन बनाए। वहीं, लुआन ड्रे प्रीटोरियस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक लगाया। उन्होंने 53 गेंदों में 101 रन बनाए।

अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 5 चौके और 8 छक्के लगाए। रुबिन हरमन ने 21 गेंदों में 26 रनों का योगदान दिया। नामीबिया की तरफ से जैन बाल्ट ने 31 रन देकर 2 विकेट झटके। साउथ अफ्रीका की यह चौथे मैच में तीसरी जीत है और टीम ने फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। ट्राई सीरीज के फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका की भिड़ंत अब जिम्बाब्वे से 6 सितंबर को होगी।

विमेंस एशिया कपः ईशा ओजा का दमदार प्रदर्शन
यूएई ने इंडोनेशिया को 6 विकेट से हराया

दुबई, एजेंसी।

विमेंस एशिया कप 2026 के 8वें मुकाबले में यूएई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया को 6 विकेट से हराया। इंडोनेशिया से मिले 72 रनों के लक्ष्य को यूएई ने 13.1 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। तीर्थ सतीश बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, इसके बाद टीम की पारी को कप्तान ईशा ओजा और रिनिथा रजित ने संभाला और दूसरे विकेट के लिए 36 गेंदों में 45 रन जोड़े। रिनिथा ने 24 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 22 रन बनाए। यूएई की कप्तान ईशा ओजा ने 29 गेंदों में 30 रनों का योगदान दिया। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 5 चौके लगाए। समायरा धरनिधारका 8 और लावण्या केनी 3 रन बनाकर नाबाद रही और टीम को जीत दिलाकर लौटीं। इंडोनेशिया की ओर से गेंदबाजी में सोफिया वेलिक ने 3.1 ओवर के स्पेल में सिर्फ 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं, नी कादेक अरियानी और सांग मेप्रियानी ने एक-एक विकेट चटकाया।

इससे पहले, इंडोनेशिया की बल्लेबाजों ने यूएई की गेंदबाजों के आगे आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम सिर्फ 71 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और ट्रायथलॉन चैंपियन जॉनी ब्राउनली ने की संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी।

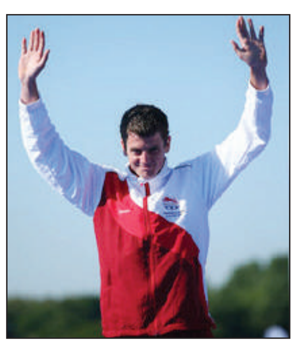

ओलंपिक और वर्ल्ड ट्रायथलॉन चैंपियन जॉनी ब्राउनली ने 36 साल की उम्र में खेल से संन्यास की घोषणा की है। इसी उम्र में ब्राउनली के बड़े भाई एलेस्टेयर ब्राउनली ने भी रिटायरमेंट का ऐलान किया था।

छह बार के वर्ल्ड चैंपियन और मिक्स्ड टीम इवेंट में ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले ब्राउनली ने कहा कि संन्यास की पुष्टि करने से पहले वह कुछ समय से इस बारे में सोच रहे थे। 'बीबीसी स्पोर्ट' के अनुसार, जॉनी ने कहा, "मैं कुछ समय से इस बारे में सोच रहा था। मैंने उससे कहीं ज्यादा हासिल किया है जितना मैंने कभी सोचा था। एक बात जिस पर मुझे सच में गर्व है, वह यह है कि हमने ओलंपिक मेडल जीतने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से खुद को समर्पित किया। अब मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा और कर सकता हूं। प्रोफेशनल खेल के लिए तो यह खत्म हो गया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि आप कभी सच में पूरी तरह रुकते हैं।"

जॉनी ने 2012 लंदन ओलंपिक में ब्रॉन्ज और 2016 रियो में व्यक्तिगत सिल्वर मेडल जीता था। आखिरकार 2020 टोक्यो गेम्स में मिक्स्ड रिले में वह गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहे थे। ब्रिटिश खिलाड़ी ने कहा कि उनके बच्चे के जन्म ने उन्हें संन्यास के फैसले के बारे में स्पष्टता दी।

ब्राउनली ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मैं वैसा समर्पण दिखा सकता हूं, क्योंकि जिंदगी अब वैसी नहीं रही। अब मेरी प्राथमिकता वह (बच्चा) और मेरा परिवार है, साथ ही मेरा शरीर भी।

हरमन, मंधाना और शेफाली का पाकिस्तान के खिलाफ कैसा है प्रदर्शन?

दुबई, एजेंसी। महिला एशिया कप 2026 में शनिवार का दिन क्रिकेट फैंस के लिए बेहद रोमांचक होने वाला है। दुबई इंटरनेशनल में भारतीय महिला टीम और पाकिस्तान टीम के बीच एक जोरदार मुकाबला होने वाला है। भारतीय टीम सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। पाकिस्तान पर जीत के साथ टीम इंडिया ग्रुप में शीर्ष पर रहने के इरादे से उतरेगी।

भारतीय टीम ने थाइलैंड और हांगकांग के खिलाफ पिछले 2 मैचों में दमदार बल्लेबाजी की और बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। थाइलैंड के खिलाफ भारत ने 94 रन से जीत दर्ज की, जबकि हांगकांग के खिलाफ 137 रन के बड़े अंतर से मैच जीता है।

चाइना मास्टर्स | **सात्विक-चिराग ने एस्टुप और रासमुसेन की जोड़ी को हराया**

सात्विक-चिराग ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

शेनझेन (चीन), एजेंसी।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शुक्रवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में डेनमार्क के किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन को 21-13, 16-21 और 21-18 से हराया।

सात्विक और चिराग ने मैच की शुरुआत अच्छी की थी। हालांकि, डेनमार्क की जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मैच का नतीजा तय करने के लिए खेल तीसरे और निर्णायक गेम तक पहुंचा। सात्विक-चिराग ने आखिरी गेम में संयम बनाए रखा और कड़ी टक्कर के बाद जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही चाइना मास्टर्स में भारतीय जोड़ी का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। वह 2019 से हर संस्करण में सेमीफाइनल में पहुंचे हैं और 2023 व 2025 में उपविजेता रहे हैं।

यह चाइना मास्टर्स में एस्ट्रुप और रासमुसेन के खिलाफ उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने 2024 के क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की इस जोड़ी को हराया था। इससे पहले, चाइना मास्टर्स में किदांबी श्रीकांत का सफर क्वार्टर फाइनल में ली चुक यियू से हारने के बाद खत्म हो गया।

श्रीकांत को शेनझेन एरिना में ली के हाथों 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। तीन साल में यह श्रीकांत का किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 या उससे बड़े इवेंट में पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला था। इस हार के बाद ली का श्रीकांत पर दबदबा और बढ़ गया है। अब श्रीकांत लगातार चार बार ली से हार चुके हैं। हांगकांग के इस खिलाड़ी के खिलाफ श्रीकांत को अपने करियर में सिर्फ एक जीत मिली है, जो 2018 इंडिया ओपन के पहले दौर में आई थी। प्री-क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत ने कनाडा के दुनिया के नंबर 9 खिलाड़ी और हालिया वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराकर बड़ा उलटफेर किया था। उन्होंने शुरुआती राउंड में चीनी ताइपे के दुनिया के नंबर 21 खिलाड़ी ची यू-जेन को सिर्फ 35 मिनट में 21-16, 21-15 से हराया था। गुरुवार को बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय महिला सिंगल्स का सफर तब खत्म हो गया था, जब तन्वी शर्मा जापान की टोमोका मियाजाकी से 21-17, 18-21, 21-16 से हार गई थीं। वहीं, भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो का सफर दूसरे दौर में खत्म हो गया था। उन्हें चीनी ताइपे की लियू कुआंग-हेंग और सू यिन-हुई की जोड़ी ने सीधे गेमों में 21-18, 21-18 से हराया था।

यूएस ओपनः सेरेना विलियम्स और विनस विलियम्स की जोड़ी डबल्स में हारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी।

सेरेना विलियम्स और विनस विलियम्स को यूएस ओपन डबल्स में हार का सामना करना पड़ा है। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में विलियम्स बहनों को चैन हाओ-चिंग और माया जॉइंट की जोड़ी ने निर्णायक सुपर टाईब्रेक में जीत हासिल की।

शुक्रवार शाम को तीन घंटे तक चले मैच में, चैन और जॉइंट ने 14 बार की ग्रैंड स्लैम डबल्स चैंपियन को 6-3, 6-7 (8), 7-6 [7] से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई।

इस परिणाम ने विलियम्स बहनों को टूर्नामेंट में दमदार वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। खचाखच भरे ऐश स्टेडियम में एक ऐसा मुकाबला देखने को मिला जो बार-बार दोनों टीमों के बीच घूमता रहा और आखिर में नतीजा तय करने के लिए सुपर टाईब्रेक की जरूरत पड़ी। चैन और जॉइंट ने शुरुआत में ही नियंत्रण बना लिया और पहला सेट 6-3 से जीत लिया। लेकिन, विलियम्स बहनों ने दूसरे सेट में नए जोश के साथ जवाब दिया और अपनी अपोनेंट्स को सर्व पर कोई मौका नहीं दिया।

सेट टाईब्रेक तक गया, जिसमें कोई भी जोड़ी 12 गेम तक बराबरी नहीं कर पाई। सेरेना और वीनस ने ब्रेकर में 5-3 से बढ़त बना ली, जब सेरेना ने बैकहैंड वॉली विनर बनाया, लेकिन चैन और जॉइंट टचिंग डिस्टेंस के पास ही रहे।

चैन के नेट पर विनर ने मुकाबला जिंदा रखा, इससे पहले कि विलियम्स बहनों ने एक और सेट पॉइंट हासिल किया।

मलाई से आने लगती है बदबू, तो इस तरह से करें स्टोर

मलाई या मक्खन खाना हम सभी को पसंद है, मलाई काा उपयोग किचन से लेकर स्किन तक, कई तरह से किया जाता है। मलाई क्या होती है ये तो आप सभी को पता है, इसकी लाईफ फ्रिज और ठंडी जगह पर 15–20 दिन से ज्यादा की होती है, वहीं तापमान बढ़ने पर मलाई जल्दी खराब हो जाती है, साथ ही उससे बदबू भी आने लगती है। मलाई से बदबू आने का मतलब है मलाई खराब हो रही है। मलाई को आप वेस्ट भी नहीं कर सकते क्योंकि उसमें खूब सारे घी होते हैं। ऐसे में आपके साथ भी यह बार–बार हो रहा है कि आप मलाई तो इकट्ठा कर रहे हैं, लेकिन मलाई में फंगस लग जा रहे हैं, या उससे बदबू आने लगी है, तो ऐसे में मलाई को रखने के लिए कुछ टिप्स लाए हैं, इन टिप्स की मदद से मलाई जल्दी खराब भी नहीं होगी और उससे बदबू भी नहीं आएगी।

लंबे समय के लिए इस तरह से करें स्टोर

मलाई को यदि आप घी बनाने के लिए स्टोर कर रही हैं तो आप उसे किसी ठंडी जगह पर रखें। मलाई को ज्यादा गर्म तापमान वाली जगह में स्टोर न करें। गर्म जगह में मलाई रखने से वो जल्दी खट्टा होता है साथ ही, मलाई के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

समय–समय पर मलाई (त्वचा के लिए मलाई के फायदे) में दूध और मलाई डालते रहें, साथ ही उसे चम्मच की मदद से भी मिक्स करते रहें ताकि फंगस लगने का डर न रहे।

मलाई को आप किसी भी बर्तन में स्टोर कर सकते हैं। मिट्टी, प्लास्टिक, कांच और स्टील के बर्तन में स्टोर करने से मलाई से खराब स्मेल नहीं आती है। यदि आपके पास फ्रिज नहीं है तो फिर मलाई को मटकी या मिट्टी के बर्तन में ढक कर रखें। मिट्टी के बर्तन (मिट्टी के बर्तन की सफाई कैसे करें) में मलाई रखने से मलाई ठंडी रहती है और खराब भी नहीं होती। इसके अलावा मिट्टी के बर्तन में रखे मलाई से बने मक्खन और घी का स्वाद भी काफी बढ़िया लगता है।

मलाई को आप फ्रिजर में ढक्कन बंद करके भी रख सकते हैं। इससे मलाई ज्यादा ठंडी तापमान के कारण जमी रहेगी और खराब नहीं होगी। यदि आप फ्रिजर में मलाई स्टोर कर रही हैं, तो मलाई को एयर टाइट कंटेनर में ही स्टोर करें, जिससे ऊपरी परत में बर्फ न जमें। इसके अलावा फ्रिज (फ्रिज की सफाई कैसे करें) से हर रोज मलाई को न निकालें और मलाई निकालने के लिए किसी साफ और सूखे चम्मच का ही उपयोग करें।

> प्राचीन काल में मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाया जाता था। इसलिए लोग पहले बीमार भी कम पड़ते थे। लेकिन साइंस ने जैसे–जैसे तरक्की की वैसे–वैसे लोगों के किचन से मिट्टी के समान कम होते गए और रिन्यूबल चीजें आती गई। ये चीजें फिर से तो यूज़ हो जाती हैं लेकिन आपके शरीर को बहुत नुकसान भी पहुंचाती हैं।

मिट्टी के हांडी में खाना बनता है ज्यादा टेस्टी और हेल्दी

शहरीकरण के इस दौर में हर कोई जल्दी में है। इस जल्दबाजी का असर सबके खानपान में सबस् ज्यादा दिखता है। कोई प्लास्टिक में पैक चीजें खाने लगा है तो कोई रेडीमेड खाना खाता है। कोई नूडल्स और रेमन के नाम पर मैदा को उबाल कर खा रहा है तो कोई मार्केट का लंच बॉक्स खा रहा है। खाने की ये सारी चीजें केवल और केवल आपको बीमार कर रही हैं। सबसे दुख की बात है कि आजकल खाना बनाने के लिए जिन बर्तनों जैसे एल्यूमिनियम का भगोना और कूकर, का यूज़ किया जाता है वे सारी चीजें भी केवल आपको बीमार कर रही हैं। इसलिए तो शहरों में गांव की अपेक्षा लोग अधिक बीमार रहते हैं। एक तो उनकी फिजिकल एक्टिविटी शहरों में बंद हो गई है और बाकी जो हेल्दी खाने की जरूरत होती है वो इन बर्तनों में बनने के कारण छूट गई है। तो फिर क्या किया जाए?

इस सवाल का जवाब छुपा है मिट्टी के बर्तनों में। मिट्टी के बर्तनों में बना खाना स्वास्थ्य के लिए ज्यादा हेल्दी होता है। अगर आप खाना मिनरल?स, विटामिन?स और प्रोटीन प्राप्त करने के लिए खाती हैं तो आज से ही एल्युमिनियम के बर्तनों में खाना बनाना बंद करें और मिट्टी के बर्तनो में खाना बनाना शुरू करें।

प्राचीन काल में बनते थे मिट्टी के बर्तन में खाना

प्राचीन काल में मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाया जाता था। इसलिए लोग पहले बीमार भी कम पड़ते थे। लेकिन साइंस ने जैसे–जैसे तरक्की की वैसे–वैसे लोगों के किचन से मिट्टी के समान कम होते गए और रिन्यूबल चीजें आती गईं। ये चीजें फिर से तो यूज़ हो जाती हैं लेकिन आपके शरीर को बहुत नुकसान भी पहुंचाती हैं।

कुकर में खाना बनाने के नुकसान

किचन में जिस बर्तन से सबसे ज्यादा नुकसान पहुंच रहा है, वह है– कुकर। कुकर आज लोगों के किचन का एक जरूरी बर्तन है जिसमें सब्जी, दाल से लेकर चावल तक अब बनाए जाने लगे हैं। कुकर एल्युमिनियम बाक्साइट से बनता है जो सब्जी और खाने की चीजों से आयरन और कैल्शियम

को सोख लेता है। जिससे इसमें बना खाना खाने से हड्डियां कमजोर होती हैं। इसलिए प्रेशर कुकर में बना खाना नहीं खाना चाहिए।

मिट्टी के हांडी में बनाए खाना

जिंदगी भर स्वस्थ रहना है तो प्रेशर कुकर में खाना बनाने के बजाय मिट्टी की हांडी में खाना बनाकर खाएं। इंसान के शरीर को रोज 18 प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्वों की जरूरत होती है जो मिट्टी के बर्तनों में बने खाने से आसानी से मिल जाती है। इन सूक्ष्म पोषक तत्वों में कैल्शियम, मैग?नीशियम, सल?फर, आयरन, सिलिकॉन, कोबाल्ट, जिप्सम आदि शामिल होते हैं। वहीं प्रेशर कुकर से बने भोजन में इन सारे पोषक–तत्वों की कमी होती है। इसलिए मिट्टी के ही बर्तन में खाना बनाना चाहिए क्योंकि इसके अलावा भी इसके और कई सारे फायदे हैं।

नहीं खत्म होते हैं माइक्रो न्यूट्रिएंट्स

मिट्टी के बर्तन में बनी दाल और सब्जी में 100 प्रतिशत माइक्रो न्यूट्रीएंट्स रहते हैं जबकि, प्रेशर कुकर में बनी दाल और सब्जी के 87 प्रतिशत पोषक तत्व एल्युमिनियम के पोषक–तत्वों द्वारा अवशोषित कर लिये जाते हैं। इसलिए अब डाइटिशियन और न्यूट्रिशियन भी मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने की सलाह देने लगे हैं।

स्वादिष्ट बनता है भोजन

इसके अलावा मिट्टी के बर्तन में खाना स्वादिष्ट भी बनता है। क्योंकि इसमें बने खाने में मिट्टी की सौंधी–सौंधी खुशबू आ जाती है जो आपको एक अलग स्वाद का अनुभव देती है। इसलिए कम से कम दाल और सब्जी मिट्टी के बर्तन में जरूर बनाकर खाएं।

कांच के बने पदार्थ से उत्तम दर्जे का

अगर आपको लगता है कि लेटेस्ट कांच के बने पदार्थ या ग्रेनाइट कुकवेयर सेट जो आपने कुछ समय पहले खरीदा है, आपके पास सभी बर्तनों में सबसे बेहतरीन है, तो आपको दो बार सोचने की जरूरत है.मिट्टी के बर्तन लेटेस्ट ट्रेंड है और यहां तक कि इसके जरिए प्रदान किए जाने वाले कई फायदों की वजह से मशहूर हस्तियों के जरिए भी इसे अपनाया जा रहा है. मिट्टी से बना कुकवेयर सबसे अव्वल दर्जे का है और यहां तक ??कि आपके घर की सजावट को भी बढ़ा सकता है.

दूध प्रोडक्ट के लिए बिल्कुल सही

दूध और दूध वाले प्रोडक्ट के स्टोरेज के लिए मिट्टी के बर्तन बहुत सुरक्षित हैं. इसकी वजह ये है कि मिट्टी का कूलिंग इफेक्ट होता है और दूध को खट्टा होने से बचाने में मदद कर सकता है.साथ ही जब मक्खन और दही जैसी चीजों को मिट्टी के बर्तनों में रखा जाता है, तो ये एक ऐसी सुगंध देती है जो उन्हें पूरी तरह से ताजा बना देती है. इन दिनों, आप कुल्हड़ चाय और कुल्हड़ कॉफी भी आसानी से देख सकते हैं क्योंकि ये उनके स्वाद को यूनिक बनाती है.

हीट रेसिस्टेंट

अगर आपको लगता है कि तेज आंच पर रखने से मिट्टी के बर्तन टूट जाएंगे, तो आप बिल्कुल गलत हैं. मिट्टी के बर्तन भट्ठे से गुजरते हैं और चमकते हैं, और इस तरह वो हीट रेसिस्टेंट होने के लिए जाने जाते हैं. वो आपके भोजन को लंबे समय तक गर्म भी रख सकते हैं।

खाने का स्वाद ही नहीं सेहत भी बिगाड़ सकती है नकली हींग

खाने में लगा हींग का तड़का खाने की खुशबू और भूख दोनों को बढ़ाने का काम करता है। आयुर्वेद चिकित्सा के दौरान कई औषधियों को बनाने के लिए हींग का उपयोग किया जाता है। लेकिन यही हींग अगर मिलावटी हो तो न सिर्फ खाने का स्वाद खराब होता है बल्कि इसके साइड इफेक्ट्स सेहत पर भी देखने को मिलते हैं। ऐसे में मिलावटी हींग की पहचान करने के लिए आप ये आसान किचन हैक्स अपनाकर अपने और परिवार की सेहत का ध्यान रख सकती है।

असली और नकली हींग की पहचान करने के लिए अपनाएं ये किचन हैक्स–

- असली हींग को पानी में घोलते ही पानी का रंग दूध की तरह सफेद हो जाता है। अगर आपकी हींग के साथ ऐसा नहीं हो रहा है तो समझ जाएं की हींग नकली है।
- असली हींग को जलाने पर उसकी लौ चमकदार होगी और वह आसानी से जल जाएगी। लेकिन नकली हींग आसानी से जलती नहीं है।
- असली हींग एक बार हाथ में ली जाए तो साबून से हाथ धोने पर भी काफी देर तक उसकी महक बनी रहती है। वहीं नकली हींग की महक पानी से हाथ धोते ही गायब हो जाती है।

हींग का रंग–

बाजार से हींग खरीदते समय ध्यान रखें कि असली हींग का रंग हल्का भूरा होता है। असली हींग की पहचान करने के लिए उसे घी में डालें। घी में हींग डालते ही वह फूलने लगती है और उसका रंग भूरे से हल्का लाल हो जाता है।

हींग का पाउडर बेहतर या टुकड़ा–

हींग खरीदते समय हमेशा कोशिश करें कि पाउडर वाली हींग की जगह हींग का ढेला ही खरीदें। जिसे आप आसानी से तोड़कर खाने में इस्तेमाल कर सकती हैं। जबकि,पाउडर वाली हींग में मिलावट की संभावना ज्यादा रहती है।

हींग खरीदने के टिप्स–

खुली या फिर पहले से तोड़ी हुई हींग खरीदने से बचें। हमेशा कागज में लिपटी और टीन की डिब्बी या कांच के जार में बंद हींग ही खरीदें। घर पर भी हींग को स्टोर करते समय एयरटाइट डिब्बे का इस्तेमाल करें।

होंठों पर नारियल तेल लगाने के फायदे

जब बाल और त्वचा को स्वस्थ रखने की बात आती है, तो नारियल तेल का प्रयोग सबसे प्रभावी नुस्खों में से एक माना जाता है। क्योंकि इसके प्रयोग से उनसे जुड़ी लगभग सभी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। यही कारण है कि त्वचा और बालों की नारियल तेल से मालिश भी करते हैं। हालांकि, ठंड के मौसम में इसके प्रयोग की सलाह नहीं दी जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं, होंठों पर नारियल तेल लगाना भी बहुत लाभकारी होता है? इससे फटे और ड्राई होंठ के अलावा भी कई समस्याओं को दूर करने में मदद मिल सकती है। लेकिन होंठों को स्वस्थ और नैचुरली गुलाबी रखने के लिए नारियल तेल का प्रयोग कैसे करें, इसका तरीका बहुत कम लोग ही जानते हैं। अगर आप होंठों को स्वस्थ केमिकल युक्त लिप बाम का प्रयोग कर–कर के थक चुके हैं, तो इस लेख में हम आपको नारियल तेल के इस्तेमाल के कुछ आसान तरीके और फायदे बता रहे हैं।

नैचुरली गुलाबी होंठ पाने में मदद मिलती है

होंठों पर नारियल तेल कैसे लगाएं–

1. नारियल तेल की कुछ बूंदे होंठों पर मलें
सबसे पहले होंठों की डेड स्किन को हटाने के लिए टूथ ब्रश को गीला करें और इसे हल्के हाथ होंठों पर रगड़ें। ध्यान रखें कि ज्यादा जोर लगाकर और 10–15 सैंकड्स से ज्यादा न रगड़ें। उसके बाद उंगली की मदद से होंठों पर नारियल तेल लगाएं और कुछ मिनट मसाज करें। इससे होंठों को मॉइश्चराइजर प्रदान करने में मदद मिलेगी।

2. कोको बटर में नारियल तेल मिलाकर लगाएं
एक पैन में एक छोटा टुकड़ा कोको बटर डालें और गर्म करें। जब यह पिघल जाए तो इसमें 2 चम्मच नारियल तेल मिलाकर लिप बाम बना लें। इसे होंठों मॉइश्चराइज रखने के लिए नियमित

होंठों लगाएं।

3. जैतून के तेल में मिक्स करके लगाएं
एक–एक चम्मच नारियल तेल और जैतून का तेल मिलाएं। इसे रात में सोने से पहले नियमित होंठों पर लगाएं और छोड़ दें।

इस तरह होंठों पर नारियल तेल लगाने से कई गुलाबी और खिले–खिले लिप्स पाने में मदद मिल सकती है। इसलिए नियमित नारियल तेल लगाएं और फटे–काले होठों को टाटा–बाय बाय करें।

त्वचा के लिए नारियल तेल के फायदे

`त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है नारियल तेल। यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है और त्वचा में नमी बनाए रखता है।

नारियल तेल का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है, इसलिए ज्यादातर लोग त्वचा रोग जैसे एक्जिमा, स्किन बर्न और डर्मेटाइटिस में भी इस्तेमाल करते हैं।

नारियल तेल की मदद से स्ट्रेच मार्क्स को भी हटा सकते हैं और होंठ को फटने से भी बचा सकते हैं। इसे रोजाना लगाने से होंठ नहीं फटेंगे और इससे होंठों की मृत कोशिकाएं भी निकल जाएंगी।

कील मुहांसों से छुटकारा पाने के लिए नारियल तेल का इस्तेमाल करें। शोध के मुताबिक नारियल का तेल मुहांसे करने वाले जीवाणुओं को अच्छे से मारता है।

जल्दी घाव भरता है नारियल तेल। अगर आप की त्वचा पर कोई कट या फिर घाव है तो नारियल तेल का इस्तेमाल करें, यह घाव को माइक्रोबियल संक्रमण से बचाता है।

अगर आपके पैर या फिर स्किन फटती हैं तो नारियल तेल का इस्तेमाल करना फायदेमंद साबित होगा। नारियल तेल में विटामिन ई पाया जाता है जो त्वचा को फटने से बचाता है।

त्वचा को सुंदर और कोमल बनाने में नारियल तेल मदद करता है। नारियल तेल में विटामिन ई के गुण पाए जाते हैं जो त्वचा को कोमल बनाने में मदद करता है।

त्वचा के अलावा बालों के लिए भी यह काफी फायदेमंद होता है। सिर में पांच मिनट तक मसाज करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि यह खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है।

नारियल तेल को जिस तरह चाहे इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप चाहे तो इसे स्क्रब की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं, इसके लिए शक्कर मिलाकर पूरे शरीर पर इसे धीरे–धीरे रगड़ें और धो लें। इससे त्वचा पर चमक आ जाएगी।

रूप ही नहीं स्किन की हेल्थ भी संवारती है मेहंदी

हरतालिका तीज के अवसर पर आपने भी जरूर मेहंदी से अपनी हथेलियां सजाई होंगी। मानसून के दौरान आपकी स्किन पर होने वाली बहुत सारी समस्याओं से निजात दिलाने का ये बरसों पुराना उपचार है।

मानसून के दौरान आपकी स्किन पर होने वाली बहुत सारी समस्याओं से निजात दिलाने का ये बरसों पुराना उपचार है। चित्र शटरस्टॉक।

मेरी मम्मी अकसर हरितालिका तीज का व्रत रखती हैं। इस दिन हमारे घर में खासी चहल पहल होती है। अपनी मम्मी को सजते–संवरते देखना भी एक अलग ही आनंद देता है। तीज हो और मम्मी मेहंदी न लगाएं, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। वे अपनी सहेलियों और परिवार की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर बड़े चाव से मेहंदी लगाती हैं। पर मेरी लॉजिकल मम्मी जो कभी, कोई भी काम बिना लॉजिक के नहीं करतीं, उनका मानना है कि मेहंदी मानसून में होने वाली स्किन प्रोब्लम्स से निजात दिलाती है। पर क्या वाकई ऐसा है? इसे जानने के लिए मैंने भी अपनी खोज शुरू कर दी है।

मेहंदी के बारे में क्या कहता है आयुर्वेद

आयुर्वेद के अनुसार मानसून में आपकी त्वचा को जिन समस्याओं से गुजरना पड़ता है, मेहंदी उन सबका उपचार है। कॉस्मेटिक्स को बनाने में इस्तेमाल होने के अलावा यह हर प्रकार की त्वचा से जुड़ी समस्याएं जैसे की खुजली, एलर्जी, स्किन रैशेज और घाव का एक उचित उपचार हो सकती है। इसमें मौजूद एंटीमाइक्रोबॉयल और एंटी इन्फलेमेटरी प्रॉपर्टी त्वचा के लिए प्रोटेक्टर के तरह काम करती हैं। इसके साथ ही मेहंदी बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। यह बालों के लिए एक प्राकृतिक हेयर कलर के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। इसके साथ ही हेयर ग्रोथ को प्रमोट करती है और बालों को शाइनी और सिल्की बनाए रखती है।

स्कैल्प इन्फेक्शन से राहत के साथ नेचुरल हेयर कलर के तौर पर मेहंदी और रीठा इस्तेमाल करें। चित्र शटरस्टॉक।

आयुर्वेद के अनुसार मेहंदी की तासीर ठंडी होती है इसलिए इसे त्वचा से जुड़ी समस्याओं में इस्तेमाल कर सकते हैं। इतना ही नहीं मेहंदी स्कैल्प स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। यह स्कैल्प से एक्सेस ऑयल को बाहर निकालती है और इसे ड्राई रखती है ताकि डैंड्रफ न हो।

मेहंदी की ताजी पत्तियों को इस्तेमाल करें। हालांकि, बाजार में कई प्रकार के मेहंदी पाउडर उपलब्ध है, परंतु इनमें कहीं न कहीं केमिकल्स की मात्रा मौजूद होती है। इसलिए इन्हें अप्लाई करने से पहले सावधानी बरतना जरूरी है।

इसमें मौजूद औषधीय गुण त्वचा से जुड़ी कई समस्यायों का एक प्रभावी उपचार हो सकते हैं। आपके मन में यह सवाल आना बिल्कुल उचित है कि मेहंदी का इस्तेमाल त्वचा पर कैसे किया जाए? तो आपको बता दें कि मेहंदी का तेल भी काफी प्रभावी होता है। आप त्वचा पर इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। चलिए जानते हैं आखिर किस तरह मेहंदी आपकी त्वचा की सेहत के लिए फायदेमंद होती है।

1. एंटी एजिंग प्रॉपर्टी : मेहंदी में एंटी ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसके साथ ही इसमें मौजूद एस्ट्रिजेंट एजिंग और रिंकल्स होने से रोकते हैं। यह त्वचा पर होने वाले दाग–धब्बों को भी कम करती है। इसके साथ ही इसमें मौजूद एंटी वायरल और एंटी बैक्टीरियल इफेक्ट त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमद है मेहंदी का तेल. चित्र ़ शटरस्टॉक

2. स्किन इंफेक्शन को रोके: आयुर्वेद की मानें तो मेहंदी में मौजूद एंटीमाइक्रोबॉयल और एंटी इन्फलेमेटरी प्रॉपर्टी त्वचा से जुड़ी समस्याएं जैसे कि खुजली, एलर्जी और स्किन रैशेज में फायदेमंद हो सकती हैं। यह त्वचा की हेल्थ को बनाए रखने में मदद करती है।

3. स्कैल्प स्किन हेल्थ को बनाये रखे : आयुर्वेद के अनुसार मेहंदी में मौजूद प्रॉपर्टी और इसकी शीतलता स्किन के लिए मेडिसिन की तरह काम करती है। स्कैल्प से एक्सेस ऑयल को रिमूव करती है और ईसमय मौजूद एस्ट्रिजेंट स्कैल्प को ड्राई रखती है। यह स्कैल्प पर डेंड्रफ को जमा नही होने देता।

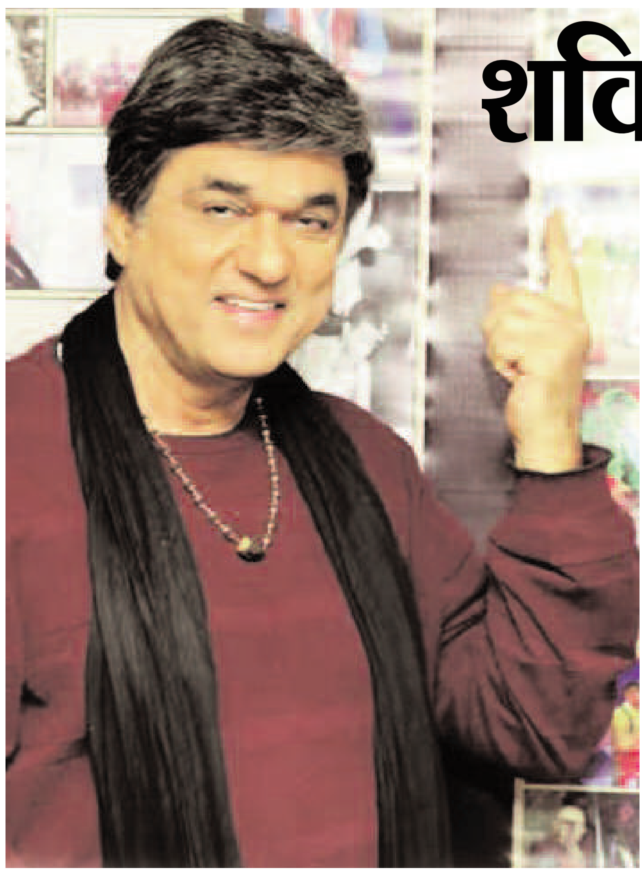

शक्तिमान के लिए रणवीर की इमेज सही नहीं

मुकेश खन्ना ने हाल ही में अपने आइकोनिक किरदार शक्तिमान पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह बड़े पर्दे पर 'शक्तिमान' के किरदार के लिए रणवीर सिंह को सही विकल्प नहीं मानते।

'शक्तिमान' पर फिल्म बनाने की चर्चा काफी समय से चल रही है। इस फिल्म के लिए रणवीर सिंह का नाम भी सामने आया था। लेकिन मुकेश खन्ना ने इस कास्टिंग पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग मानते हैं कि उन्हें अब 'शक्तिमान' के किरदार से आगे बढ़ जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'मैं आगे क्यों बढ़ूं? मैंने शक्तिमान बनाया है।'

मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने सोनी इंडिया और सोनी इंटरनेशनल को अपनी मंजूरी के बिना फिल्म पर आगे बढ़ने से रोक दिया है। उनके मुताबिक, उन्हें पहले एक पेमेंट मिल चुकी थी, लेकिन जब मेकर्स ने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो उनकी शुरुआती सहमति से अलग थीं, तो उन्होंने अगला चेक रोक दिया। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कमर्शियल तौर पर मैं बेवकूफी कर रहा हूं। मैंने लाखों का नहीं, करोड़ों का चेक ठुकराया है।' एक्टर ने बताया कि उनके ऑफिस में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि पैसे ले लें और बाद में इस मामले को देखेंगे। किन मुकेश खन्ना ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए पैसा नहीं बल्कि उनके सिद्धांत ज्यादा जरूरी है।

शक्तिमान को डिस्को में नाचते नहीं देख सकता

मुकेश खन्ना को इस बात की भी चिंता है कि फिल्म को मॉडर्न बनाने के नाम पर 'शक्तिमान' के किरदार में जरूरत से ज्यादा बदलाव न कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि कल फिल्म में शक्तिमान को डिस्को में नाचते हुए दिखाया जा सकता है और उसके बाद कुछ और भी ऐसा किया जा सकता है, जो इस किरदार की असली पहचान से मेल नहीं खाता।

मुकेश खन्ना ने बताया कि रणवीर ने करीब तीन घंटे तक उन्हें शक्तिमान के किरदार के लिए मनाने की कोशिश की थी। मुकेश खन्ना ने रणवीर की एनर्जी की तारीफ भी की। उन्होंने बताया कि रणवीर बातचीत के दौरान जमीन पर बैठ गए थे और उनकी एनर्जी देखकर उन्हें दिवंगत अभिनेता देव आनंद की याद आ गई थी। हालांकि, शक्तिमान के किरदार के लिए मुकेश खन्ना को रणवीर की इमेज सही नहीं लगती। उन्होंने कहा, 'रणवीर सिंह 'धुरंधर', 'गली बॉय' और खिलजी का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन शक्तिमान नहीं।' मुकेश खन्ना के मुताबिक, शक्तिमान के लिए एक खास तरह की इमेज और चेहरा चाहिए। उनका मानना है कि रणवीर का चेहरा शरारती और चालाक नजर आता है, जबकि शक्तिमान का चेहरा और व्यक्तित्व पूरी तरह सकारात्मक होना चाहिए।

रणवीर को इस रोल में देखना चाहते हैं मुकेश

दिलचस्प बात यह है कि मुकेश खन्ना रणवीर सिंह को पूरी तरह फिल्म से बाहर नहीं करना चाहते। उन्होंने रणवीर को किलविश का किरदार ऑफर करने की बात भी कही थी। उनका मानना है कि रणवीर ने 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार जिस तरह निभाया था, उसे देखते हुए वह किलविश के रोल में अच्छे लग सकते हैं। बता दें कि किलविश 'शक्तिमान' में विलेन का किरदार है।

इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं

'सेक्रेड गेम्स', 'द ट्रायल' और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस कुब्रा सैत पर्दे पर जहां बिंदास किरदारों के लिए जानी जाती हैं, वहीं निजी जिंदगी में भी उन्हें खतरों से खेलना पसंद है। एडवेंचर में कुब्रा की जान बसती है, इसलिए वह कभी तंजानिया के किलिमंजारो पर्वत पर ट्रैकिंग करने पहुंच जाती हैं, तो कभी दुनिया की चौथी बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र में लहरों से खेलने यानी रिवर राफ्टिंग करने। कुब्रा के मुताबिक, उन्हें खुद को ऐसी असहज परिस्थितियों में डालना पसंद है, क्योंकि इससे उन्हें खुद को जानने का मौका मिलता है।

एडवेंचर ट्रिप से बेहतर टीचर नहीं

बकौल कुब्रा, 'मुझे लगता है कि इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर होते हैं, इसलिए मुझे खुद को ऐसी परिस्थितियों में डालना अच्छा लगता है क्योंकि इन चीजों से मैं आगे बढ़ पाती हूं। मतलब, जब आप ऐसे ट्रिप्स पर जाते हैं, जहां आपके पास सोने के लिए बेड नहीं होता है। आप टेंट और स्लीपिंग बैग्स में सोते हैं। फिर सुबह साढ़े 7 बजे अपना पूरा बैग पैक करके आपको टेंट से बाहर निकलना है और आपकी सारी उंगलियां सारी सूजी हुई हैं। उस वक्त आप बस यही कोशिश करते हैं कि प्लीज मेरे मुंह से गाली न निकले और मैं 15 मिनट में बैग पैक कर निकल जाऊं तो जो धैर्य आपमें आता है, ये सब बहुत सीख है भाई।'

कुब्रा ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि जब आप जीवन को ऐसे अनुभव करते हैं, तभी एक्टर बन सकते हैं। अगर हर चीज आपके साथ अच्छी रहे कि घर गए, खाना बन गया, सब काम हो गया, तो क्या ही मजा है। इसलिए मैं हर साल ऐसी ट्रिप पर जाती हूं, क्योंकि मुझे खुद को जानने का मौका मिलता है और खुद को जानने का सफर बहुत लंबा है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरू किया है।'

कुब्रा का परिवार और करियर

कुब्रा सैत की निजी जिंदगी की बात करें, तो वह कर्नाटक के बेंगलुरु शहर एक मुस्लिम परिवार में पैदा हुईं। उनके पिता का नाम मोहम्मद हदीद है और मां यास्मिन सेठ एक बिजनेसवुमन हैं। कुब्रा सैत ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह दुबई की माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में बतौर अकाउंट मैनेजर भी कार्यरत रहीं।

रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, ''कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई। 'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा।' फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, ''रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ''इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाईं। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।''

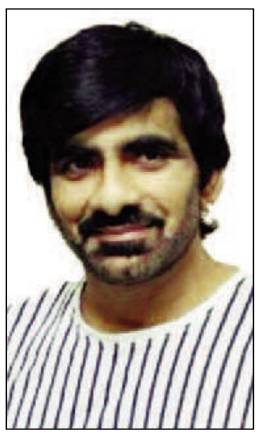

राशि खन्ना फिल्म उद्योग में अपने 13 साल के सफर को याद किया

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, 'तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।' अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया। वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

'द रेवोल्यूशनरीज' में दिखेगा रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसमें रोहित सराफ पूरी ताकत के साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म में वह सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के जरिए रोहित एक ऐसे दौर और भूमिका में नजर आएंगे, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। यही बात फिल्म को और खास बनाती है। रोहित ने अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए अपनी बॉडी और लुक में भी शानदार बदलाव किया है। उनका बदला हुआ शारीरिक रूप और गंभीर अंदाज उनके किरदार को और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है। ऐसा लगता है कि रोहित ने सिर्फ यह फिल्म साइन नहीं की है, बल्कि अपने अभिनय में कुछ नया और बड़ा करने का फैसला किया है। ट्रेलर में रोहित के जबरदस्त एक्शन और फाइटिंग सीन्स भी देखने को मिलते हैं। उनके एक्शन सीन काफी दमदार हैं और उनके किरदार की ताकत और जुनून को दिखाते हैं। उनकी एक्टिंग में गुस्सा, जोश और संघर्ष साफ नजर आता है। 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप दिखाता है। यह उनके करियर के सबसे अलग और बड़े बदलावों में से एक माना जा सकता है। यह पीरियड ड्रामा उन बहादुर युवा भारतीय क्रांतिकारियों की कहानी पर आधारित है, जो मानते थे कि ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए हथियार उठाकर लड़ना जरूरी था।

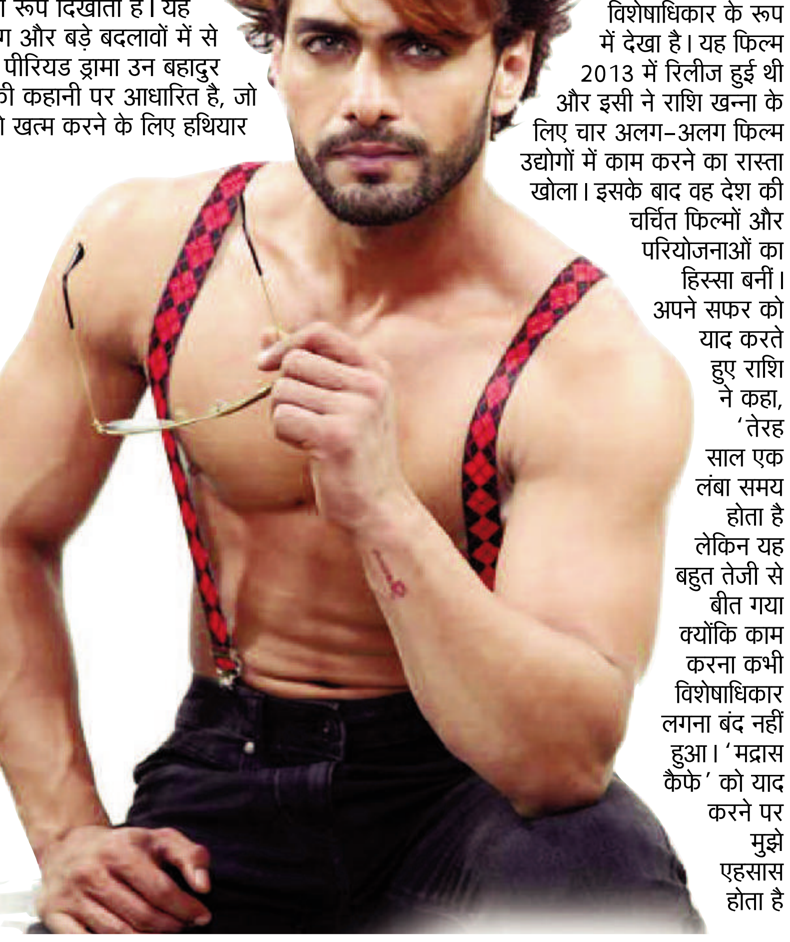

मुश्किल दौर से गुज़र रहे ओरी के लिए खतरों के खिलाड़ी 15 बना भावनात्मक सहारा

'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपना शानदार परफॉर्मेंस दे रहे ओरी ने हाल ही में शो के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि यह शो उनके लिए सिर्फ खतरनाक स्टंट्स करने का मंच नहीं था, बल्कि खुद को फिर से खोजने की एक खास यात्रा थी।

अपने सोशल मीडिया प्रेजेंस और सेलिब्रिटी सर्कल के लिए मशहूर ओरी ने यह भी खुलासा किया है कि शो में शामिल होने से पहले वह एक मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। एक दर्दनाक अनुभव के बाद वह भावनात्मक रूप से काफी अलग-थलग महसूस करने लगे थे और कई चीजों से उनका जुड़ाव कम हो गया था।

ओरी ने यह भी बताया कि एक समय था जब उन्हें छोटी-छोटी बातों में खुशी मिलती थी, लेकिन धीरे-धीरे वह उत्साह कहीं खो गया। ऐसे में 'खतरों के खिलाड़ी' उनके लिए उन एहसासों को दोबारा महसूस करने का जरिया बन गया। गौरतलब है कि केप टाउन में बिताए इस सफर ने उन्हें डर, घबराहट, हंसी और कई भावनात्मक पलों से रूबरू कराया। हालांकि स्टंट्स से ज्यादा बड़ी चुनौती खुद से दोबारा जुड़ना था। ओरी के मुताबिक, इस अनुभव ने उन्हें फिर से जिंदगी को महसूस करना सिखाया और उन भावनाओं से दोबारा मिलवाया, जिन्हें वह खो चुके थे। ऐसे में केप टाउन उनके लिए सिर्फ एक शूटिंग लोकेशन नहीं, बल्कि आत्म-खोज और नए सिरे से खुद को पाने की एक यादगार यात्रा बन चुका है।

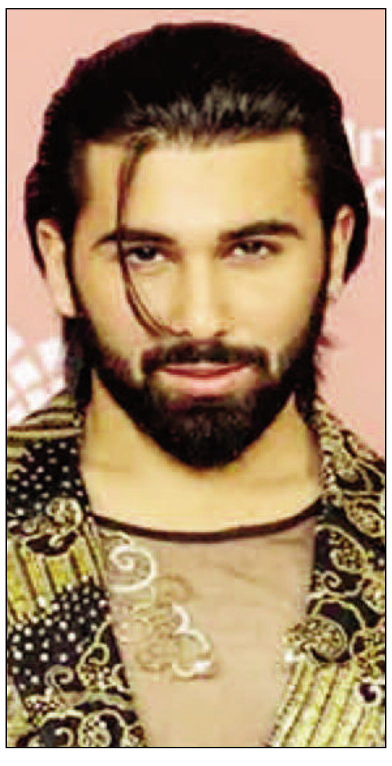

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोन: 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009